শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 37 | गुवाहाटी | गुरुवार, 31 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

टोलगेट एनएचएआई का विषय है : भवेश कलिता पेज 3
नया युद्धपोत महेंद्रगिरी का लॉन्च होगा कल, नौसेना की क्षमता में होगा इजाफा पेज 4
नीतीश की मंशा है कि 2024 में भाजपा मुक्त भारत बने : श्रवण कुमार पेज 5
खतरनाक है काली खांसी अपनाएं ये घरेलू नुस्खे पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

धन का लालची श्रीविहीन हो जाता है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

दिबांग नदी में नाव पलटी सभी यात्री सुरक्षित

तिनसुकिया। असम के तिनसुकिया जिले के सादिया में दिबांग नदी में बुधवार सुबह 32 यात्रियों को ले जा रही एक नौका पलट गई। हालांकि, नाव डूबने से पहले सभी यात्रियों को बचा लिया गया। सूत्रों के मुताबिक नाव पानी के अंदर एक लकड़ी के ढांचे से टकरा गई जिसके बाद वह डूबने लगी। यह घटना अमरपुर घाट के करीब घटी और नदी किनारे मौजूद लोगों की नजर डूबती नाव को देखा। वे तुरंत हरकत में आए और नाव डूबने से पहले यात्रियों को बचा लिया, हालांकि, नाव पर रखे कुछ वाहन डूब गए। जानकारी के मुताबिक नाव अमरपुर से चापाखोवा जा रही थी, जब यह हादसा हुआ। इस बीच, -शेष पृष्ठ दो पर

किस दस मिनट तक करने पर बहरा

बीजिंग। प्यार-मोहब्बत में किस करना आम बात है, लेकिन कभी किसी को किस की वजह से बहरा होने के बारे में सुनना अनोखी बात है। एसा ही एक अजीब मामला चीन के पूर्वी झेजियांग प्रांत के वेस्ट लेक में सामने आया है जहां एक शख्स अपनी गर्लफ्रेंड को 10 मिनट तक किस करने से बहरा हो गया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, किस करने के बाद उसे तुरंत अस्पताल में ले जाया गया जहां डॉक्टर्स ने इसका कारण -शेष पृष्ठ दो पर

नीलाचल फ्लाईओवर का लोकार्पण

2026 तक एक हजार नए पुल बनाएंगे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के मालीगांव से कामाख्या गेट तक बनाई गई नीलाचल फ्लाईओवर का आज आधिकारिक उद्घाटन हो गया। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार शाम 4.30 बजे जनता के लिए पुल का औपचारिक उद्घाटन किया। उल्लेखनीय है कि पुल को नीलाचल पुल का नाम दिया गया है। इस पुल पर पिछले दो साल चार महीने से काम चल रहा था। पुल की लंबाई 2.6 किमी है। इंद्रधनुष के आकार में बने इस पुल पर तिनाली जंक्शन पर धरती का ग्लोब होगा। फ्लाईओवर के लैंडिंग पॉइंट में दो स्पीड ब्रेकर भी होंगे। जबकि, असम के सामाजिक जीवन का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न चित्र पुल के चारों ओर चित्रित किए गए हैं। पुल के नीचे के खंभे असम की वेशभूषा, संगीत वाद्ययंत्र, जंगलों आदि को दर्शाते हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री के साथ असम सरकार के कई मंत्री, राज्य सरकार के अधिकारी एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उधर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार जल्द ही राज्य भर में 1,000 पुलों का निर्माण शुरू करेगी। गुवाहाटी में कामाख्या गेट से मालीगांव तक 2.6 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर जिसे असम में सबसे लंबा फ्लाईओवर माना जाता है, का उद्घाटन करते हुए हिमंत शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल के दिनों में 842 छोटे और बड़े पुल पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यह घोषणा -शेष पृष्ठ दो पर

भागचंद जैन प्रकरण

चंद्रप्रकाश शर्मा और दो अन्य के खिलाफ एफआईआर, पुलिस ने दर्ज किया मामला

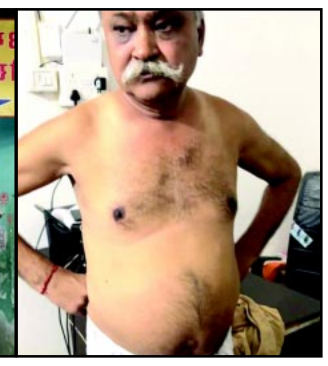

गुवाहाटी। पूरे राज्य को झकझोरने वाले भागचंद जैन प्रकरण में पुलिस ने चंद्रप्रकाश शर्मा और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा द्वारा दायर एफआईआर के आधार पर दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार महानगर के भांगागढ़ थाने में चंद्रप्रकाश शर्मा, भागचंद जैन और इंफाल के जोगिंदर गुप्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 506 और 507 के तहत मामला संख्या 242/23 दर्ज किया गया है। इसके अलावा इनके खिलाफ इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 66 भी लगाई गई है। बताते हैं कि एफआईआर की कॉपी महानगर के फटासील आमबाड़ी थाने में भी दी गई है। गौरतलब है कि 22 अगस्त को वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा ने चंद्र प्रकाश शर्मा, भागचंद जैन और जोगिंदर गुप्ता पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज की थी। अपनी शिकायत में शर्मा ने यह भी कहा कि इन लोगों ने उत्तर प्रदेश (यूपी) से गुंडे बुलाकर उन्हें और उनके परिवार को खत्म करने की धमकी दी है। उन्होंने चंद्र प्रकाश शर्मा और दीपक शर्मा नामक एक व्यक्ति पर गत 15 अगस्त की शाम फटासील आमबाड़ी स्थित विहंगम योग संस्थान में उनके साथ हाथापाई का भी गंभीर आरोप लगाया है। राकेश शर्मा ने पुलिस से उन्हें और उनके परिवार को बचाने, दोषियों को सजा देने तथा विहंगम योग संस्थान में गत 15 अगस्त को घटी घटना की निष्पक्ष जांच करने की भी अपील की है। पुलिस में दर्ज कराई गई अपनी एफआईआर में राकेश शर्मा ने लिखा कि गत 15 अगस्त को शाम करीब 7:30 बजे वे अपनी पत्नी और पुत्र के साथ पूजा / प्रार्थना करने के उद्देश्य से महर्षि सदाफल देव विहंगम योग आश्रम में पहुंचे। वहां उन्होंने आश्रम के ऊपरी तल्ले पर स्थित कमरे में अमृत भोग भंडारा चलाने वाले भागचंद जैन को एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पाया। इस घटना के वक्त भागचंद जैन पूरी तरह नशे में धुत था। उसके कमरे से अलग-अलग ब्रांड की शराब की कई बोतल और सिगरेट के पैकेट बरामद किए गए। राकेश शर्मा के अनुसार उन्होंने इस घटना की सूचना तुरंत आश्रम के अन्य सदस्यों को भी दी और देखते ही देखते मौके पर 50 से अधिक गुरु सदाफल देव जी महाराज के अनुयायी पहुंच गए। राकेश शर्मा के अनुसार उन्होंने भागचंद जैन को पास के ही फटासील आमबाड़ी थाने से पुलिस बुलाकर उनके हवाले करने की बात कही थी, लेकिन चंद्र प्रकाश शर्मा और दीपक शर्मा जैसे उसके कुछ समर्थक इस बात पर राजी नहीं हुए। उल्टे वे भागचंद जैन को -शेष पृष्ठ दो पर

कुकी उग्रवादियों ने की किसानों पर गोलीबारी

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक बार फिर किसानों की हत्या का मामला सामने आया है। मणिपुर से प्राप्त अनौपचारिक सूचना के अनुसार संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने मंगलवार की सुबह मेइतेई गांव के नारायणसेना मानिंग लौबुक में धान के खेतों में काम कर रहे किसानों पर कथित तौर पर गोलीबारी की। 38 वर्षीय किसान सालाम जोटिन को सीने में गोली लगी थी। उन्हें तुरंत राज मेडिसिटी ले जाया गया। खबरों के अनुसार, कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी में कुल नौ लोग -शेष पृष्ठ दो पर

दक्षिण पूर्व एशिया के द्वार-निर्माण में आठ हजार करोड़ होंगे खर्च : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि गुवाहाटी शहर दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है। इसे सही मायने में प्रवेश द्वार के रूप में रूपांतरित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए आठ हजार करोड़ रुपए से कई योजनाएं क्रियांवित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री बुधवार को राजधानी के कामाख्या क्षेत्र स्थित मालीगांव में नवनिर्मित निलाचल फ्लाईओवर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीलाचल फ्लाईओवर का लोकार्पण दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार बनने में गुवाहाटी की यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्मपुत्र पर 8 नए फ्लाईओवर, गुवाहाटी में एक रिंग रोड, 6-लेन युक्त राजमार्ग, रोटरी और एक नया पुल बनाने के लिए 8 हजार करोड़ रुपए से कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नकारात्मक बातें करने वाले नकारात्मक बातें करते रहेंगे, लेकिन मैं कुछ भी असंभव नहीं समझता हूं। उन्होंने कहा कि इसी वर्ष दुर्गा पूजा की महापंचमी तिथि को जू रोड में बन रहे फ्लाईओवर का लोकार्पण करेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस अधिकारी शुभलक्ष्मी निलंबित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस की अधिकारी शुभलक्ष्मी दत्ता को उनकी सेवाओं से निलंबित कर दिया गया है। ज्ञात हो कि आज ही राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने असम पुलिस मुख्यालय तबादला कर दिया था। आज पुलिस महानिदेशक सिंह ने ट्वीट कर यह जानकारी दी थी कि घरेलू नौकरानी पर हमले की नाजिरा में हुई घटना के सिलसिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सीमा) चराइदेव शुभलक्ष्मी दत्ता को -शेष पृष्ठ दो पर

मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों के विस चुनाव का एलान सितंबर के अंत तक

नई दिल्ली। राजनीतिक दलों के साथ ही चुनाव आयोग भी अब मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित पांच राज्यों के प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर सक्रिय हो गया है। चुनाव आयोग ने इन सभी चुनावी राज्यों में तैयारियों की समीक्षा भी शुरू कर दी है। अब तक वह छत्तीसगढ़ और मिजोरम का दौरा कर चुका है। अगले हफ्ते उसके तेंलगाना, मध्य प्रदेश और राजस्थान जाने की तैयारी है। फिलहाल जो संकेत मिल रहे है, उसके तहत चुनाव आयोग इस बार सितंबर के अंतिम हफ्ते में ही इन राज्यों के चुनाव का एलान कर सकता है। आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो अगले साल होने वाले आम चुनाव की तैयारियों को देखते हुए आयोग इस बार इन सभी राज्यों के चुनावी कार्यक्रम को कुछ दिन और आगे रखने की तैयारी में है। वैसे भी इन सभी राज्यों में अक्तूबर के पहले हफ्ते में ही चुनाव का एलान होते आ रहा है। वर्ष 2018 में आयोग ने छह अक्तूबर को इन सभी राज्यों के चुनाव का एलान किया था, जबकि वर्ष -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में असंतोष

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित बाल्टिस्तान क्षेत्र में एक बार फिर असंतोष और अशांति फैल गई है। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में एकत्र होकर पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे और अपने नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग करते नजर आए। स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानी सरकार को गृहयुद्ध की भी धमकी दी और कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे भारत में विलय कर लेंगे। एक्स पर पोस्ट किए गए -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ बोर्ड की सारी संपत्तियां टेकओवर करेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के शहरी विकास मंत्रालय ने बड़ा एक्शन लेते हुए वक्फ बोर्ड की 123 संपत्तियों को वापस लेने के लिए नोटिस जारी किया है। इस संपत्ति में दिल्ली की जामा मस्जिद भी शामिल है इसके अलावा दरगाह और कब्रिस्तान शामिल हैं। बता दें कि मनमोहन सरकार के दौरान जामा मस्जिद को वक्फ बोर्ड को दिया गया था। बुधवार को शहरी विकास मामलों के मंत्रालय ने नोटिस जारी किया। इस साल की शुरुआत में, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय (एलएंडजीओ) ने दो सदस्यीय समिति की रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड से 123 संपत्तियों का नियंत्रण अपने हाथों में लेने का फैसला लिया था। मंत्रालय ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष और आप विधायक अमानुतल्लाह खान को पत्र लिखकर फैसले की जानकारी दी थी। केंद्रीय शहरी मंत्रालय के अधीन भूमि एवं विकास कार्यालय ने वक्फ बोर्ड को भेजे नोटिस में उसे -शेष पृष्ठ दो पर

भारत को लेकर 23 देशों की खास सोच

नई दिल्ली। दुनिया भर में भारत के बारे में लोगों की राय को लेकर एक सर्वेक्षण करवाया गया, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा है। यह सर्वेक्षण तब सामने आया है, जब भारत में अगले सप्ताह आयोजित होने वाले वार्षिक जी20 शिखर सम्मेलन के लिए दुनिया भर के नेता भारत की राजधानी में दिल्ली में एकत्रित हो रहे हैं। यह सम्मेलन दक्षिण एशिया में पहली बार आयोजित किया जाएगा। जनमत सर्वेक्षण और अन्य डेटा-संचालित करने वाले प्यू रिसर्च सेंटर के एक नए सर्वेक्षण में पाया गया है कि 23 देशों में भारत के बारे में विचार आम तौर पर सकारात्मक हैं। सर्वे में -शेष पृष्ठ दो पर

जेलों में चिकित्सा-सुविधाओं की उपलब्धता का ब्यौरा दे सरकार : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से जेल में बंद कैदियों को मुहैया कराई जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं का ब्यौरा मांगा है। साथ ही शीर्ष कोर्ट ने सरकारों से कैदियों को दिए जाने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण के बारे में भी जानकारी मुहैया कराने को कहा है। 1382 जेलों में अमानवीय स्थितियों पर वर्ष 2013 में लिए गए स्वत: संज्ञान मामले में जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने यह निर्देश दिया। इसके साथ ही अदालत ने केंद्र और राज्य सराकार से जेल में बंद लोगों के परिवार के सदस्यों की कार्यवाही और मुलाकात के अधिकार को लेकर वर्चुअल अदालत के संचालन के लिए पर्याप्त सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के बारे में भी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। मंगलवार को जेल सुधार के मुद्दे पर दाखिल याचिका पर न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने सुनवाई की। जब इस पर सुनवाई शुरू हुई तो पीठ ने नोट किया कि छठी, सातवीं और आठवीं प्रारंभिक -शेष पृष्ठ दो पर

आदित्य-एल1 उड़ान भरने को तैयार

नई दिल्ली। सूर्य का अध्ययन करने से संबंधित आदित्य-एल1 मिशन के बारे में जानकारी देते हुए इसरो ने बुधवार को कहा कि प्रक्षेपण का पूर्वाभ्यास और रॉकेट की आंतरिक पड़ताल पूरी हो चुकी है। इस मिशन को 2 सितंबर को सुबह 11.50 बजे श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाना है। आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को सूर्य के परिमंडल के दूरस्थ अवलोकन और एल1 (सूर्य-पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा का वास्तविक अध्ययन करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। यह सूर्य के अध्ययन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

... तो राहुल गांधी नहीं केजरीवाल होंगे पीएम कैंडिडेट!

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक से पहले एक बड़ा अपडेट सामने आया। इंडिया गठबंधन की मुंबई में होने वाली बैठक से पहले अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को विपक्ष का पीएम पद का उम्मीदवार बनाने की मांग की गई है। विपक्षी गुट-भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) - की तीसरी बैठक से पहले आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने बुधवार को कहा कि वह पार्टी संयोजक और दिल्ली का मुख्यमंत्री चाहती हैं। अरविंद केजरीवाल गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। कक्कड़ ने बुधवार को कहा कि अगर आप मुझसे पूछें, तो मैं चाहूंगा कि अरविंद केजरीवाल (विपक्षी गठबंधन के) प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार हों। उन्होंने कहा कि आप संयोजक जनता के मुद्दों को उजागर कर रहे हैं और देश के सर्वोच्च पद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पकड़ के लिए एक विश्वसनीय चुनौती बनकर उभरे हैं। कक्कड़ ने बताया कि चाहे वह पीएम का अकादमिक रिकॉर्ड हो या योग्यता या कोई अन्य मुद्दा, अरविंद केजरीवाल असंख्य विषयों पर साहसपूर्वक अपने विचार रख रहे हैं। हालांकि, भले ही उनकी टिप्पणी ने मुंबई बैठक से पहले विपक्षी नाव को हिलाने की धमकी दी, जो बुधवार को शुरू होगी और गुरुवार तक चलेगी, आप नेता ने कहा कि भारत देश को एक नई दिशा में ले जाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि आवश्यक वस्तुओं और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के बीच भी, राष्ट्रीय राजधानी में मुद्रास्फीति *सबसे कम* है। हमारी सरकार मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थयात्रा प्रदान करती है। और, फिर भी हमने अधिशेष बजट पेश किया। वह (केजरीवाल) लोगों के मुद्दे उठाते हैं और एक चुनौती के रूप में उभरे हैं। बता दें कि मुंबई में नवगठित विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक में कुल 26 से 27 पार्टियों के हिस्सा लेने की संभावना है। भारत के साझेदार 1 सितंबर को मुंबई में एक संयुक्त बैठक आयोजित करने वाले हैं। बैठक में आगामी राज्य चुनावों और अगले साल होने वाले सभी महत्वपूर्ण आम चुनावों से पहले ब्लॉक की रणनीतियों पर चर्चा होगी। 2 दिवसीय बैठक के दौरान विपक्षी गठबंधन के लोगो का भी अनावरण होने की संभावना है। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के खिलाफ कांग्रेस सहित कुल 26 दल एक साथ आए। गठबंधन की उद्घाटन बैठक 23 जून को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में बुलाई थी। समूह की दूसरी बैठक 17-18 जुलाई को कांग्रेस शासित कर्नाटक के बेंगलुरु में आयोजित की गई थी।

सीसुब गुवाहाटी फ्रंटियर में रक्षाबंधन का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। फ्रंटियर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल (सीसुब), गुवाहाटी में आज रक्षाबंधन का पर्व बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रक्षा बंधन कार्यक्रम में सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर एवं तनिष्क गोल्डेन हारवेंस्ट संस्था, गुवाहाटी की सदस्याएं शामिल हुईं। चन्द्र प्रकाष, समादेष्टा सीसुब, गुवाहाटी फ्रंटियर ने दोनो संस्थाओं की सदस्याओं का स्वागत किया तथा अपने परिवारों से दूर रहकर दिन-रात देश की सुरक्षा ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कर रहे सीमा प्रहरियों की ओर से उक्त संस्थाओं का आभार व्यक्त किया गया। तदुपरांत सीमांत चेतना मंच पूर्वोत्तर एवं तनिष्क गोल्डेन हार्वेस्ट की कार्यकर्ताओं ने जवानों को रक्षा सूत्र बांधते हुए भाई बहन के इस पावन त्यौहार की शुभकामनाएं दी। उक्त कार्यक्रम में सीसुब के अधिकारियों, अधिनस्थ अधिकारियों एवं सीमा प्रहरियों ने बड़ी संख्या में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। सीसुब के जवानों ने इस पर्व पर देश की सीमाओं की रक्षा के माध्यम से देश व समाज की रक्षा के अपने संलल्प को दोहराया। सीमा सुरक्षा बल अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ देश के विभिन्न संप्रदायों के लोगों के मन में सामंजस्य एवं सौहार्द की भावना को जागृत करने के लिये प्रतिबद्ध है।

रेलवे गेट बंद कर सोता रहा गेट मैन

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत फकीराग्राम रेलवे स्टेशन के तहत फकीराग्राम बाजार के पास मुख्य सड़क पर स्थित रेलवे गेट को बंद कर गेटमैन रात में होता रहा। वहां से गुजरने वाले वाहनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस घटना से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना सोमवार की रात बतायी जा रही है। गेटमैन ओम प्रकाश महतो ने फकीराग्राम रेलवे का फाटक बंद कर रात में सो गया। काफी देर तक रेलवे गेट बंद रहने पर वाहन चालकों ने ओम प्रकाश महतो को नींद से जगाया। वहीं काफी देर तक जब रेलवे गेट बंद रहा तो वहां से कितनी ट्रेन गुजरी इसका पता ओम प्रकाश महतो को नहीं चला। लोगों का कहना है कि अगर गेट खुला होता और गेट मैन सोता रहता तो बड़ी घटना घट सकती थी संजोग से गेट बंद था इसलिए कोई हादसा नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि उक्त मार्ग से एम्बुलेंस, दमकल की गाड़ियां भी आवागमन करती हैं, जिनमें वीआईपी और वीवीआईपी वाहन भी शामिल होते हैं। ऐसे में नींद में सोये गेटमैन की हरकतों ने सभी को चौंका दिया है।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने कई ट्रेनों को किया रद्द, कई का मार्ग परिवर्तित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत गोरखपुर छावनी और कुसम्ही स्टेशनों के बीच प्री नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों के मद्देनजर उस सेक्शन से गुजरने वाली पूसी रेलवे की कुछ ट्रेनों को रद्द या मार्ग परिवर्तन किया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची देने बताया कि जिन ट्रेनों को रद्द किया गया है उनमें 31 अगस्त और 1 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या क्रमश: 15621 (कामाख्या - आनंद विहार टर्मिनल) और 15622 (आनंद विहार टर्मिनल - कामाख्या) एक्सप्रेस रद्द रहेंगी। 4 सितंबर और 6 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या क्रमश: 15651 (गुवाहाटी-जम्मू तवी) और 15652 (जम्मू तवी-गुवाहाटी) एक्सप्रेस रद्द रहेंगी। 4 सितंबर और 5 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या क्रमश: 15078 (गोमती नगर-कामाख्या) और 15077 (कामाख्या-गोमती नगर) एक्सप्रेस रद्द रहेंगी। 3 सितंबर और 6 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या क्रमश: 05616 (गुवाहाटी - उदयपुर सिटी) स्पेशल और 05615 (उदयपुर सिटी - गुवाहाटी) स्पेशल रद्द रहेंगी। 30 अगस्त और 1 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या क्रमश: 04654 (अमृतसर जंक्शन-न्यू जलपाईगुड़ी) और 04653 (न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर जंक्शन) स्पेशल रद्द रहेंगी। 2 सितंबर और 4 सितंबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या. क्रमश: 05734 (कटिहार-अमृतसर जंक्शन) और 05733 (अमृतसर जंक्शन-कटिहार) स्पेशल रद्द रहेंगी। जिन ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया गया है उनमें ट्रेन संख्या 15707 (कटिहार जंक्शन - अमृतसर जंक्शन) एक्सप्रेस 30 अगस्त से 5 सितंबर तक वाया छपरा जंक्शन, गाजीपुर सिटी, वाराणसी जंक्शन, बनारस, प्रयागराज जंक्शन और कानपुर सेंट्रल होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 15708 (अमृतसर जंक्शन - कटिहार जंक्शन) एक्सप्रेस 30 अगस्त से 5 सितंबर तक कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, बनारस, वाराणसी जंक्शन, गाजीपुर सिटी और छपरा जंक्शन होकर चलेगी। कुछ ट्रेनों का पुनर्निर्धारण किया गया है। पूसी रेलवे ने 3 सितंबर को ट्रेन संख्या 15655 (कामाख्या - श्री माता वैष्णो देवी कटरा) एक्सप्रेस को पुनर्निर्धारित करने का निर्णय लिया है। ट्रेन को अपने गंतव्य श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन के लिए कामाख्या स्टेशन से 11 बजे के बजाय 13 बजे प्रस्थान करने के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।

रूस के हवाई अड्डे और मॉस्को सहित छह शहरों में ड्रोन हमला, कीव पर बरसीं मिसाइलें

मॉस्को (हि.स.)। रूस और यूक्रेन का युद्ध एक बार फिर तेजी पकड़ रहा है। बुधवार को रूस के पेस्कोव हवाई अड्डे और राजधानी मॉस्को सहित छह शहरों में यूक्रेन ने ड्रोन से हमला किया। इस हमले में चार बड़े रूसी सैन्य विमान क्षतिग्रस्त हो गए और विमानों की आवाजाही बंद हो गयी। जवाब में रूस ने भी यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों से जोरदार हमला किया। यूक्रेन पर रूसी हमला हुए डेढ़ वर्ष से अधिक हो गया है। बुधवार को रूस पर यूक्रेन ने युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। उत्तर-पश्चिमी रूसी शहर पेस्कोव स्थित एक हवाई अड्डे पर ड्रोन हमला हुआ है, जिसमें चार बड़े रूसी मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमान क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा रूस की राजधानी मॉस्को सहित छह शहरों को निशाना बनाया गया है। पेस्कोव के गवर्नर मिखाइल वेदर्निकोव ने बताया कि वह हमले के दौरान एयरपोर्ट पर मौजूद थे। उन्होंने इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि एयरपोर्ट से आग की ऊंची लपटें उठ रही हैं। वेदर्निकोव ने बताया कि हमले से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है, लेकिन कोई भी हताहत नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि सिर्फ पेस्कोव में ही नहीं बल्कि रूस के छह शहरों में ड्रोन अटैक हुआ है। पेस्कोव शहर एस्टोनिया की सीमा के करीब पड़ता है और यूक्रेन से 600 किमी. से भी अधिक दूरी पर स्थित है। रूसी हवाई अड्डे पर हुए हमले की जिम्मेदारी यूक्रेन ने नहीं ली है, लेकिन यह माना जा रहा है कि बीते कुछ सप्ताह से रूस पर हमले के लिए यूक्रेन ने विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल अधिक कर दिया है। वेदर्निकोव ने बताया कि एयरपोर्ट के रनवे पर हुए हमले से नुकसान का अनुमान जब तक नहीं हो जाता, तब तक सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इस ड्रोन हमले में चार इल्यूशिन आईएल-76 भारी परिवहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वैसे इस हमले को रूस-यूक्रेन युद्ध का अब तक का सबसे भयानक हमला माना जा रहा है। एक तरफ जहां यूक्रेन ने मास्को पर ड्रोन हमला किया तो जवाबी कार्रवाई में रूस ने भी कीव पर कई मिसाइलें दागीं। इसके बाद कीव में लगातार कई धमाके सुनाई दिए।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई

कन्सल्टेंट न्यूरो सर्जन
डॉ. ऋषिकेश सरकार, MBBS, (CMC Vellore), M.Ch (CMC VEllore), FACS (USA)

9 सितंबर, 2023 को गुवाहाटी में

जो मरीज बेहोशी, सीजर्स, ब्रेन ट्यूमर्स, सेरेब्रेल स्ट्रोक, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, सर्विकल और लम्बर स्पॉन्डीलोसिस, फेसियल पेन, पीठ अकड़न-जकड़न और अन्य स्नायुतंत्रीय (न्यूरोलोजिकल) समस्या से परेशान है, वे अपने-अपने नाम रजिस्टर करा सकते हैं।

APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

चंद्रप्रकाश शर्मा और...

बचाने में लग गए। जब इस बात को लेकर कहा सुनी हुई, तो चंद्र प्रकाश शर्मा और उसके साथी दीपक शर्मा ने राकेश शर्मा और उनके पुत्र के साथ हाथापाई की। पुलिस में दर्ज एफआईआर में राकेश शर्मा ने चंद्रप्रकाश शर्मा पर फेसबुक के माध्यम से उनके खिलाफ अनर्गल प्रचार करने का भी आरोप लगाया है। इस बीच पुलिस ने सारे मामले की तहकीकात करनी शुरू कर दी है। चंद्रप्रकाश शर्मा सहित अन्य आरोपियों से पुलिस की पूछताछ जारी है।

2026 तक एक हजार ...

करते हुए खुशी हो रही है कि अन्य 1,000 पुलों का काम जल्द ही शुरू किया जाएगा। ये सभी परियोजनाएं 2026 तक पूरी हो जाएंगी। लोग कहते हैं कि गुवाहाटी पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार है, लेकिन हम इसे दक्षिण पूर्व एशिया के लिए प्रवेश द्वार बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज हम जनता के लिए *नीलाचल फ्लाईओवर* खोल रहे हैं। इसका निर्माण गुवाहाटी की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक पर किया गया था और इसे समय पर पूरा करना पीडब्ल्यूडी विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती थी। राज्य के पीडब्ल्यूडी विभाग ने 420 करोड़ के निवेश पर इस परियोजना को पूरा किया। हिमंत ने कहा कि इसके लिए अन्य सामग्रियों के अलावा 18,000 मीट्रिक टन सीमेंट, 20,000 घन मीट्रिक टन रेत और 7,500 मीट्रिक टन स्टील की आवश्यकता थी। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी और असम के अन्य शहरों में लगभग एक दर्जन सड़क परियोजनाओं को भी सूचीबद्ध किया, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, ब्रह्मपुत्र पर फ्लाईओवर और पुल जैसी 22 बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें से 21 पूरा होने के अंतिम चरण में हैं।

कुकी उग्रवादियों ने ...

घायल हो गए, जब राज्य सुरक्षा बलों और ग्राम स्वयंसेवकों को नारायणसेना मानिंग लौबुक के पश्चिमी हिस्से में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों से मुकाबला करने के लिए संगठित किया गया था। इस गोलीबारी में एक व्यक्ति की जान चली गई। इस बीच, बिष्णुपुर जिले के फुबाला मानिंग और थमनापोकी जैसे स्थानों से गोलीबारी की घटनाओं की भी सूचना मिली है। नारायणसेना की घटना में संगडो गांव का एक संदिग्ध कुकी उग्रवादी भी घायल हो गया और बाद में जिला अस्पताल चूड़ाचंदपुर में उसकी मौत हो गई। नारायणसेना और आसपास के इलाकों में महिलाओं ने अपने धान के खेतों में काम कर रहे किसानों को कुकी उग्रवादियों के हमले से नहीं रोकने के लिए क्षेत्र में तैनात केंद्रीय सुरक्षा बलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। *बफर जोन* क्षेत्र में तैनात केंद्रीय सुरक्षा बलों पर यह भी आरोप लगाया कि पहाड़ी क्षेत्र से सशस्त्र बदमाशों ने *बफर जोन* को पार किया और जब उन्होंने हमला किया तब भी वे मूकदर्शक बने रहे।

दक्षिण पूर्व एशिया...

मुख्यमंत्री ने आज घोषणा की कि जू रोड में निर्माणाधीन फ्लावर का नाम श्रद्धांजलि सेतु रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने राज्य को देश के विकसित राज्यों के श्रेणी में लाकर खड़ा करने के लिए अपनी सरकार के कार्यों की चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ उनके सहयोगी कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल, गुवाहाटी की सांसद क्वीन ओझा, दिसपुर के विधायक अतुल बोरा, पश्चिम गुवाहाटी के विधायक रमेंद्र नारायण कलिता समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता एवं अन्य सरकारी पदाधिकारी तथा गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पुलिस अधिकारी शुभलक्ष्मी...

निष्पक्ष जांच के हित में तत्काल प्रभाव से असम पुलिस मुख्यालय में तबादला कर दिया गया है। विभागीय रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शुभलक्ष्मी पर महिला को प्रताड़ित करने का आरोप लगा था। आरोप के अनुसार अधिकारी ने कथित तौर पर काम करनेवाली महिला पर उबला गर्म पानी डालने के बाद उसे बाथरूम में बंद करके प्रताड़ित किया। पीड़िता ने आखिरकार घटना के संबंध में नाजिरा मॉडल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। लखीमपुर की अनिमा प्रजा शिकायतकर्ता का नाम है। पीड़िता के शरीर के विभिन्न हिस्सों पर स्पष्ट चोट के निशान थे। चाय समुदाय के संगठनों ने इस घटना की उचित जांच की मांग की है। मामला नाजिरा मॉडल पुलिस स्टेशन में 27 अगस्त को 36/2023 दर्ज किया गया था। उधर, नाजिरा पुलिस पर पीड़िता द्वारा शनिवार को एफआईआर दर्ज कराने के बाद भी रविवार दोपहर तक मामला दर्ज नहीं करने का आरोप लगा था। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह द्वारा आज प्राथमिकी दर्ज करने और इसकी जांच करने संबंधी आदेश दिए जाने के बाद आखिरकार थाने में पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज हो सका था। आखिरकार उन्हें सेवा से निलंबित कर दिया गया।

मध्य प्रदेश सहित ...

2013 में चार अक्तूबर को इसका एलान किया था। सूत्रों की मानें तो आयोग इन राज्यों के चुनाव को जल्द संपन्न कराकर आम चुनावों की तैयारियों में जुटना चाह रहा है। वैसे भी उसका इस बार के आम चुनावों में बड़ा फोकस वोटिंग प्रतिशत के बढ़ाने को लेकर है। पिछले आम चुनावों में करीब 67 फीसद वोटिंग हुई थी, जिसे इस बार वह 80 प्रतिशत से ज्यादा पर ले जाना चाहता है। ऐसे उनका उन सभी क्षेत्रों में फोकस है, जहां वोटिंग प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से भी कम रहा था। इस बीच चुनाव आयोग की सक्रियता और संकेतों को देखते हुए राजनीतिक दल भी सक्रिय हो गए है। इस दौरान कई दलों ने अपने प्रत्याशियों की सूची भी जारी कर दी है। इतना ही नहीं, इस राज्यों में सत्ता में काबिज पार्टियों ने अपने पसंद के हिसाब से अधिकारियों की फिल्डिंग भी जमा ली है। देखा जाए तो चुनाव के लिए सभी तैयार है, इंतजार अब सिर्फ एलान होने का है।

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान...

एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक स्थानीय नेता गिलगित बाल्टिस्तान के स्कर्दू में एक मस्जिद के पास इकट्ठा हुई एक बड़ी भीड़ को संबोधित कर रहा है। नेता स्पष्ट रूप से कहते हैं कि यदि पाकिस्तानी सरकार उनके नेताओं को गिरफ्तार करने की हिम्मत करती है, तो वे कारगिल के दरवाजे तोड़ देंगे, यह संकेत देते हुए कि वे भारत में शामिल होंगे। नारे लगाए जाते हैं और किसी से न डरने की कसमें खाई जाती हैं। भीड़ दहाड़ते हुए नेता कहते हैं, हम कारगिल जाएंगे और हमें कोई नहीं रोक पाएगा। भीड़ का उन्माद चरम पर पहुंचने पर नेता कहते हैं। इन आतंकवादियों को हटाओ, मेरे पास दो एफआईआर हैं, हमें क्यों उकसाया जा रहा है। पहले भी बड़े पैमाने पर सभाएं होती थीं। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में शिया मौलवी के खिलाफ एफआईआर को लेकर शिया मुसलमानों द्वारा गिलगित बाल्टिस्तान के स्कर्दू में भारी विरोध प्रदर्शन देखा गया। पाकिस्तानी एजेंसियों द्वारा एक शिया मौलवी पर मामला दर्ज किए जाने के बाद गिलगित बाल्टिस्तान में शिया मुसलमान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। असंतोष ईशनिंदा बिल और कानूनों को लेकर भी है, जिन्हें और भी सख्त बना दिया गया है। इसे लेकर समुदाय के लोगों में नाराजगी है। दिसके बाद स्कार्दू में भारी संख्या में लोगों ने पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों में ईशनिंदा कानून को और सख्त बनाए दाने को लेकर नाराजगी है।

वक्फ बोर्ड की सारी...

जरूरी कागजात पेश करने को कहा है, जिसमें बोर्ड बता सके कि ये संपत्तियां उसे क्यों दी जानी चाहिए। इससे पहले वक्फ बोर्ड ने दिल्ली हाई कोर्ट में भी याचिका डाली थी। जिसमें कहा गया था कि इन सभी संपत्तियों को तोड़ने, फोड़ने और मरम्मतीकरण का काम कोई दूसरा न करे, लेकिन बीती मई में हाई कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दी। वहीं अब हाई कोर्ट से राहत न मिलने के बाद केंद्र सरकार के शहरी विकास मंत्रालय ने वक्फ बोर्ड को नोटिस जारी किया है और कहा है कि अगर आपको ये संपत्तियां चाहिए, तो जरूरी कागजात पेश करें।

भारत को लेकर ...

पाया गया कि औसतन 46त्न वयस्क भारत के बारे में अनुकूल दृष्टिकोण, जबकि औसत 34 फीसदी वयस्क प्रतिकूल विचार रखते हैं। सर्वेक्षण में शामिल 23 देशों में से कई ने भारत के प्रति अपेक्षाकृत अनुकूल दृष्टिकोण बताया। भारत के बारे में सबसे अधिक सकारात्मक विचार इजराइल के रहे, जहां 71 फीसदी लोगों ने कहा कि वे भारत के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं और इसे अपना खास दोस्त मानते हैं। इसके साथ साथ कीनिया, नाइजीरिया और यूनाइटेड किंगडम से भी भारत के लिए सकारात्मक विचार आए, जहां कम से कम 60 प्रतिशत लोगों ने कहा कि भारत को लेकर उनका दृष्टिकोण अनुकूल है। कीनिया और नाइजीरिया में लगभग एक चौथाई लोग भारत के प्रति बहुत अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं। 2014 से लगातार सत्ता में बने हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय युवाओं की पहली पसंद बने हुए है, देश में लगभग 80 प्रतिशत लोग प्रधानमंत्री मोदी के प्रति सकारात्मक रवैया रखते हैं। इसके अलावा प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वेक्षण में लगभग 60 प्रतिशत भारतीय देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के प्रति सकारात्मक दृष्टि रखते हैं। भारत के सबसे बड़े तेल निर्यातक रूस को भी भारत में अच्छी नजर से देखा जाता है। वास्तव में, सर्वेक्षण में भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां बहुमत का देश के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण है, जिसमें 23 फीसदी भारतीय भी शामिल हैं जो रूस को बहुत अनुकूल दृष्टि से देखते हैं। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां बहुमत का कहना है कि उन्हें विश्व मामलों के संबंध में सही काम करने के लिए पुतिन पर भरोसा है, भारत उन दो देशों में से एक है जहां हाल ही में पुतिन पर विश्वास बढ़ा है।

जेलों में चिकित्सा ...

रिपोर्ट और पिछले साल दिसंबर की रिपोर्ट का अंतिम सारांश शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त जेल सुधार समिति द्वारा प्रस्तुत किया गया है। पीठ ने रिपोर्ट के अंतिम सारांश में दी गई बातों के मद्देनजर हिरासत में महिलाओं और बच्चों, ट्रांसजेंडर कैदियों और मौत की सजा वाले दोषियों के मुद्दों पर वकील की सहायता मांगी है। अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी। साथ ही पीठ ने न्याय मित्र गौरव अग्रवाल से केंद्र, राज्य सरकारों और संबंधित राज्यों के जेल महानिदेशक की ओर से दी गई जानकारियों को एकत्रित करने के लिए कहा है। 25 सितंबर 2018 के आदेश के संदर्भ में अपनी सिफारिशें देने के लिए बनाई गई समिति को भेजी गई संदर्भ की शर्तों को देखने के बाद पीठ ने 29 अगस्त को ये निर्देश पारित किए। पीठ ने कहा कि हमारी राय है कि कुछ अन्य मुद्दों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, जिनमें जेल में कैदियों को चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, समाज में वापस जाने के लिए उपयोगी बनाने के लिए उन्हें व्यवसायिक प्रशिक्षण देना और जेल परिसर में पर्याप्त आईटी बुनियादी ढांचा शामिल है। आईटी बुनियादी ढांचा आभासी अदालती कार्यवाही के संचालन और परिवार के सदस्यों के मुलाकात के अधिकार को सुनिश्चित करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए आवश्यक है। मंगलवार को, सुनवाई के दौरान पीठ ने वकील गौरव अग्रवाल से भारत संघ और राज्य सरकारों के वकील के साथ रिपोर्ट की प्रतियां साझा करने के लिए कहा। बता दें कि गौरव अग्रवाल जो इस मामले में एमिकस क्यूरी (अदालत के मित्र) के रूप में अदालत की सहायता कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट का अध्ययन करने और सुनवाई की अगली तारीख पर अदालत की सहायता करने के लिए पक्षों के वकीलों को कुछ समय मांगा गया है। पीठ ने मामले को 26 सितंबर को फिर से सुनवाई के लिए पोस्ट किया है। गौरतलब है कि 25 सितंबर, 2018 को सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में जेल सुधारों के पहलू पर गौर करने और जेलों में भीड़भाड़ समेत कई पहलुओं पर सिफारिशें करने के लिए शीर्ष अदालत के पूर्व जस्टिस अमिताभ रॉय की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के पुलिस महानिरीक्षक और दिल्ली की तिहाड़ जेल के महानिदेशक भी शामिल थे। इसने जेलों और सुधार गृहों में भीड़भाड़ की सीमा और विचाराधीन समीक्षा समितियों के कामकाज, कानूनी सहायता और सलाह की उपलब्धता, छूट, पैरोल की मंजूरी के साथ-साथ जेलों और सुधार गृहों में हिंसा के पहलू और वहां चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता की जांच की है।

आदित्य-एल1 उड़ान ...

के लिए भारत का पहला समर्पित मिशन है जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ऐसे समय अंजाम देने जा रहा है जब हाल ही में इसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग कराकर देश को गौरवान्वित करने वाला इतिहास रच दिया है। आदित्य-एल1 को पीएसएलवी-सी57 रॉकेट के माध्यम से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसरो ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि प्रक्षेपण की तैयारियां प्रगति पर हैं। प्रक्षेपण का पूर्वाभ्यास-रॉकेट की आंतरिक पड़ताल पूरी हो गई है। आदित्य-एल1 मिशन का उद्देश्य एल1 के चारों ओर की कक्षा से सूर्य का अध्ययन करना है। इसमें विभिन्न तरंग बैंडों में सूर्य के प्रकाशमंडल, वर्णमंडल और सबसे बाहरी परत-परिमंडल का निरीक्षण करने के लिए सात उपकरण लगे होंगे। इसरो के एक अधिकारी ने कहा कि आदित्य-एल1 राष्ट्रीय संस्थानों की भागीदारी वाला पूर्णत: स्वदेशी प्रयास है।

दिबांग नदी में नाव...

असम के शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल ने घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सादिया दिबांग नदी में नाव पलटने की खबर से बहुत दुखी हूं। मां कामाख्या की कृपा और बचावकर्मियों के तेज और साहसी प्रयासों के लिए धन्यवाद, जिसने नाव पर सवार 32 यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की, जो अमरपुर से चापाखोवा की यात्रा कर रहे थे।

किस दस मिनट ...

बताया तो शख्स के होश उड़ गए। डॉक्टर्स बताया कि लगातार किस करने से उसके कान के पर्दों में छेद हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ लिप लॉक करने के बाद सुनने की क्षमता खो बैठा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 22 अगस्त को युवक अपनी गर्लफ्रेंड को चुंबन कर रहा था तो तभी दोनों को अपने कान में तेज दर्द महसूस हुआ। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि युवक के कान के पर्दे में छेद हो गया है। उन्हें बताया गया कि पूरी तरह ठीक होने में उन्हें दो महीने लगेंगे और डॉक्टरों ने उन्हें एंटीबायोटिक्स दी हैं। डॉक्टरों ने कहा कि किस के दौरान भारी सांस लेने से असंतुलन बनता है, जिससे कान के पर्दे पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए, किस करते समय तेज सांस भरना हानिकारक हो सकता है। डॉक्टर्स के अनुसार कपल्स को ऐसा करने से बचने की जरूरत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा पहली बार नहीं हुआ है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2008 में, दक्षिणी चीन की एक युवा महिला ने आंशिक रूप से अपनी सुनने की शक्ति खो दी, जब उसके प्रेमी ने अत्यधिक इमोशनल किस किया। इसी तरह दक्षिणी गुआंग्डोंग प्रांत के झुहाई की 20 साल की लड़की अपने बाएं कान से पूरी तरह बहरी हो गई थी।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **तृतीय अध्याय अध्याय**

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(9)

गुण क्रिय तत्व अनन्त हैं, महिमा भेद अनन्त।
काल सृष्टि एक भाग में, सब पर अन्त भनन्त॥ 27॥

शब्दार्थ : (गुण) कारण का भाव (क्रिय) कर्म (भनन्त) कहना।

भाष्य : प्रभु अनंत सत्ता है और उसके गुण, कर्म भी अनंत है। उसकी महिमा वेद कहते हैं। उसके एक ही भाग में काल द्वारा विशाल सृष्टि की रचना होती है। उसके समस्त धर्म अनंत हैं।

स्थावर जंगम सृष्टि का, धारक है अस्कम्भ।
अमित लोक ब्रह्माण्ड का, काल कर्म गति अम्भ॥ 28॥

शब्दार्थ : (धारक) धारण करने वाला (अम्भ) जल।

भाष्य : स्थावर और जंगम सृष्टि को धारण करने वाला अमित लोक - ब्रह्माण्ड के कालचक्र संसार-प्रवाह का स्वामी स्कंभ है।

मंत्री मल्लबरुवा की सीड, एएसडीएम अधिकारियों के साथ बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के पर्यटन, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण आदि मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने आज सीड और एएसडीएम के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की। बैठक में 25, 26 और 27 अगस्त तक एएसडीएम द्वारा किए गए मेगा पंजीकरण अभियान के विवरण पर चर्चा की। इसके जरिए एएसडीएम के आवासीय और सरकार प्रायोजित कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में उम्मीदवारों के लिए नामांकन का अवसर प्रदान करेगा। आज की बैठक में मंत्री ने अगले महीने से शुरू होने जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम की भविष्य की कार्रवाई पर गहन चर्चा की। इस दौरान मंत्री के साथ असम सरकार के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

टोलगेट एनएचएआई का विषय है : भवेश कलिता

कामरूप (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेट की स्थापना से संबंधित सभी निर्णय भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के जिम्मे है। राज्य सरकार का इससे कोई लेना देना नहीं है। ये बातें आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने रंगिया में पार्टी के एक कार्यक्रम के बाद मीडिया द्वारा असम में राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थापित किए जाने वाले 28 नए टोल गेट के संदर्भ में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहीं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कितने किलोमीटर पर टोल गेट लगाया जाना है, इसका निर्णय एनएचएआई

करती है। उन्हें इसके बारे में अब तक कोई जानकारी भी नहीं है। महंगाई से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वे स्वयं भी एक उपभोक्ता हैं, महंगाई से वे भी प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि वे कोई जंतु नहीं हैं, वे भी आम जनता की तरह वस्तुओं का उपयोग करते हैं।

भाजपा छोड़कर कांग्रेस में गए दो भाजपाइयों की घर वापसी

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के दो वार्ड सदस्य राजीब दत्ता और निपा चेतिया लाहन कुछ दिन पहले भाजपा छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। लेकिन, वे आज फिर भाजपा में शामिल हो गए। आज वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक समारोह के दौरान उन्हें फिर से पार्टी की सदस्यता दी गई। समरोह में असम सरकार के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका, प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता, सांसद एवं प्रदेश महासचिव पल्लब लोचन दास सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। समारोह में गर्मजोशी के साथ दोनों का पार्टी में स्वागत किया गया।

जामलाइ आंचलिक बाजार प्रबंधन समिति ने की नाव खेल आयोजन

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत जामलाई क्षेत्रीय बाजार प्रबंधन समिति की पहल के तहत 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज राउवा बील में दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ पुरस्कार राशि मेगा बोट गेम्स प्रतियोगिता का समापन हो गया। पारंपरिक नाव खेल देखने के लिए हजारों दर्शक इकट्ठा होते हैं। आज मैच के दूसरे दिन ए ग्रुप ख्वाजा बाबा और जय जननी नाओ के बीच खेला गया। ग्रुप ए में पहला स्थान ख्वाजाबाबा नाव ने हासिल किया और ग्रुप बी में अलिफ लैला पहला और मां शाहिदा ने दूसरा स्थान हासिल किया। ग्रुप ए का पहला पुरस्कार 60,101 रुपए और दूसरा पुरस्कार 45,101 रुपए है और ट्रॉफी और बी ग्रुप का पहला पुरस्कार 20101 रुपए और दूसरा पुरस्कार 15101 रुपए के साथ-साथ ट्रॉफी भी है। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित बोट गेम के मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. कमला कांत कलिता थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में हेकरा क्षेत्र के प्रख्यात व्यवसायी कमल मेधी, नगरबेड़ा जिला परिषद की सदस्य हिमाद्री पाठक, नगरबेड़ा थाना प्रभारी मिरेल अहमद सहित अन्य बरिष्ठ लोग उपस्थित थे।

ब्रह्मपुत्र में बाढ़ से पोबितरा अभयारण्य हुआ जलमग्न

मोरीगांव (हिंस)। ब्रह्मपुत्र में आयी भीषण बाढ़ में पोबितरा अभयारण्य का 40 प्रतिशत क्षेत्र डूब गया है। मायंग के पकरिया, मनहा और घगुवा मौजा इलाके का पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया है। पोबितरा के खालाभुइयां, बरदिया, हाडुक, तामुलीडोभा, कमारपुर, दिप्रांग, ठेंगभंगा आदि क्षेत्र इस समय ब्रह्मपुत्र की बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं। पिछले दो दिनों में ब्रह्मपुत्र का पानी अभयारण्य के आधिकांश इलाकों में घुस गया है। हालांकि, अभी तक किसी भी जंगली जानवर को नुकसान नहीं पहुंचा है। अभयारण्य के अंदर, मनरेगा के पैसे से नव निर्मित और पुराने ऊंचे स्थानों पर, औसत, भैंसे, वन सुअर आदि

सुरक्षित हैं। कुछ वन शिविरों में, वन अधिकारियों ने संचार के लिए हाथ की नौकाओं की मदद ली है। उधर, मायंग के पकरिया मौजा में जगह-जगह से सड़क संपर्क कट गया है। स्कूल और कॉलेज के छात्र हैंड बोट के माध्यम से आ-जा रहे हैं। कुल मिलाकर इस समय बाढ़ ने विकराल रूप ले लिया है।

विभिन्न दलों से शामिल हुए बीपीएफ में सभी सदस्यों का शपथग्रहण समारोह संपन्न

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम स्थित शहीद बेदी के पास बना कॉमिनिटी हाल में फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ के नेतृत्व में फकीराग्राम और दोतमा ब्लॉक बीपीएफ शामिल हुए कार्यकर्तायो का शपतग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीपीएफ के अध्यक्ष हगामा महिलारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों में 29 नंबर कोकराझाड़ के विधायक रबिराम नार्जारी, कोकराझाड़ जिला बीपीएफ के अध्यक्ष एवं बीटीसी के एमसीएलए देरहासात बसुमतारी, बीटीसी के एमसीएलए प्रकाश बसुमतारी, बीपीएफ केंद्रीय समिति के सांगठनिक सचिव डॉ. रजउल करीम, बीपीएफ सदस्य बाहरुल इस्लाम के साथ साथ कई नेतागण

उपस्थित थे। सबसे पहले बीपीएफ फकीराग्राम ब्लॉक, दोतमा ब्लॉक महिला ब्लॉक बीएसयू, अल्पसंख्यक, राजवंशी सेल की बंगाली सेल, बीपीएफ फकीराग्राम यूथ बीपीएफ के सदस्यों के साथ हगामा महिलारी का फोटो सेसन हुआ। इसके बाद उक्त सभा में 29 नंबर कोकराझाड़ के विधायक रबिराम नार्जारी ने भाषण रखा। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि हग्रामा महिलारी ने भाषण देते हुए कहा कि हम विभिन्न जाति के अलगअलग सेल बनाएं है और इस सेल के माध्यम से जाति का उन्नति करेंगे। बंगाली और मुसलमान समाज में विभिन्न समस्याओ को लेकर चर्चा हुई। सभी संगोष्टी के साथ मिलकर उनके उन्नति के लिए काम करने की उम्मीद जताई गई। वहीं बीटीआर हुए शांति समझौते के अनुसार लोकसभा और राजयसभा में पास हुए काउंसिलिंग है। वही बीटीआर चीफ प्रमोद बोड़ो को आड़े हाथ लेते हुए महिलारी ने कहा कि बीटीसी में जब बीपीएफ की सरकार था, उस समय बीटीसी की विकासमूलक कार्य किए गए। बेरोजगारों को रोजगार मुहैया कराए गए।

36 लाख का विदेशी सिगरेट, शराब बरामद

आइजल (हिंस)। तस्करी गतिविधियों के खिलाफ अपनी एक और सफलता में असम राइफल्स और कस्टम विभाग ने मिजोरम के चंफाई जिले में अवैध विदेशी सिगरेट के 27 कार्टून, बीयर के 03 कार्टून और शराब के 18 कार्टून बरामद किए, जिनकी कीमत 35.92 लाख रुपए है। जानकारी के अनुसार असम राइफल्स और कस्टम प्रिवेंटिव फोर्स चंफाई की एक संयुक्त टीम ने विशिष्ट सूचना के आधार पर मंगलवार को ऑपरेशन को अंजाम दिया। बरामद सामान को जेन एरिया आयरन ब्रिज में ट्रैक से छिपाकर रखा गया था।

आनंद निकेतन ट्रस्ट का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित

गुवाहाटी। विद्या भारती बहुमुखी शैक्षिक प्रकल्प हाजोंगबाड़ी में आनंद निकेतन ट्रस्ट कालीपुर द्वारा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शंकरदेव शिशु निकेतन हाजोंगबाड़ी के छात्रों एवं आचार्यों सहित ग्रामवासियों के नेत्रों का परीक्षण अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से किया गया। ट्रस्ट द्वारा आयोजित नेत्र परीक्षण शिविर में 170 लोगों का परीक्षण किया गया और रोग निदान संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर ट्रस्टी सांचिराम पायेंग, आनंद निकेतन प्रकल्प के प्रमुख मनोज कलिता सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज की डॉ. गरिमा एवं डॉ. चिरंदीप द्वारा शिविर में आये लोगों का नेत्र परीक्षण किया।

तामरहाट में लग्जरी कार से तीन गायें जब्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के तामरहाट के प्रतापगंज में मंगलवार रात लग्जरी वाहनों के साथ तीन गायों को जब्त किया गया। पश्चिम बंगाल सीमा से राष्ट्रीय राजमार्ग 127 (बी) होकर धुबड़ी के रास्ते पर चल रही कार का पगलाहाट पुलिस ने पीछा किया और वाहन सहित तीन मवेशियों को जब्त कर लिया। इसी दौरान तस्कर पगलाहाट थाना के प्रतापगंज में वाहन छोड़कर फरार हो गया। उल्लेखनीय है कि होंडा सेंट्रो नंबर एएस 19डी 5464 कार की डिक्की में तीन गायों को लोड किया था। गाय के साथ कार को बाद में बरामद कर लिया गया और पुलिस द्वारा पगलाहाट पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

नगरबेड़ा स्थित अस्पताल की विभिन्न समस्याओं का जायजा विधायक नंदिता दास ने लिया जायजा

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के नगरबेड़ा ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में विभिन्न समस्याएं अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, ऐसे समय में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत निर्देश में तुरंत कई अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ तत्काल नगरबेड़ा ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। और दयनीय स्थिति आज इसे देखने के लिए एक तरह से चौंकाने वाली हो गई है। असम सरकार के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत के तत्काल आदेश के अनुसार नगरबेड़ा प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र के अंदर सड़कों की समस्या, पीने के पानी की समस्या, अस्पताल के मुख्य घर, काम कर रहे अस्पताल और नर्सों के आवास

30 बिस्तरों वाले ग्रामीण अस्पताल जो भूतिया बंगलों में बदल गए हैं। निर्माण पूरा होने के बाद भी 30 साल से अधिक समय से पूरा नहीं हुआ है इसका शुरुआत। अस्पताल का कई कमजोर बुनियादी ढांचे, जीर्ण-शीर्ण घरों आदि अधिकारी के साथ बोको विधायक नंदिता दास के माध्यम से अस्पताल की हर समस्या से अवगत कराया। संभागीय मंत्री केशव महंत और राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को भी जल्द से जल्द अस्पताल के उन्नयन के मुद्दे पर विचार करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उपस्थित लोगों का उद्देश्य अधिकारी के साथ-साथ विधायक ने भी व्यक्त किया। उधर, नगरबेड़ा अस्पताल को अपग्रेड करने में विभागीय मंत्री और मुख्यमंत्री की सद्भावना थी। इसे लेना होगा। एक दिन में इतनी सारी समस्याओं का समाधान संभव नहीं है, लेकिन इसकी तकनीकी समस्याओं को चरणबद्ध तरीके से हल करना होगा, इसलिए आज से कुछ समय लगेगा, इसलिए नगरबेड़ा के लोगों का धैर्य रखना होगा।

गुवाहाटी महिला समिति ने एकल अभियान सेवावृतियों के साथ मनाया रक्षाबंधन

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी से 285 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गोलाघाट जिला में आयोजित *प्रभाग योजना वर्ग* पूर्वोत्तर प्रभाग के कार्यक्रम में गुवाहाटी महिला समिति की अध्यक्ष वंदना बगड़िया युवा बच्चों के साथ उपस्थिती दर्ज करवाई। वहां उपस्थित वरिष्ठ सेवावृत्यों व एकल के उच्च पद पर आसीन सेवा वृतियों की कलाई पर रक्षा सूत्र राखी बांधकर उनकी दीर्घायु व खुशियां भरी जिंदगी की कामना की। अध्यक्ष वंदना बगड़िया अपनी दोनों बेटियां हिमाक्षी बगड़िया और ऋषिका बगड़िया और उनके मित्र के साथ उपस्थित रही सभी युवा बच्चे एकल अभियान के कार्यों की सराहना करते हुए कह रहे थे की उन भाइयों (सेवावृतियों) के चहरे पे अलग ही चमक, तेज है। बच्चें उनसे बहुत प्रभावित हो रहे थे। बच्चों ने प्रशंसा और जिज्ञासा के साथ वहां उपस्थित सेवावृतियों को तिलक लगाये मिठाई खिलाने के साथ ही रक्षा सूत्र राखी बांध कर उनका सम्मान कर रहे थे। बच्चे बार

बार यह कह रहे थे कि *हमें बहुत अच्छा लगा इस वर्ग में आकर*। जहां एकल अभियान का सदस्य हो कर हमे गर्व महसूस हो रहा था वहीं मुझे अहसास हुआ कि इस तरह के वर्ग में या विद्यालय दर्शन के लिए हमें अपने बच्चों को अवश्य ले जाना चाहिए विशेष कर कर युवा बच्चों को। वंदना बगड़िया ने गर्व से बताया कि जब वे वर्ग से अपने घर की और प्रस्थान कर रहे थे तो हम से ज्यादा बच्चे बोल रहे थे भैया आप लोगों से मिलकर यहां उपस्थित होकर हमें बहुत आनंद आया हमें बहुत अच्छा लगा हम सोच भी नहीं सकते थे कि यहां आकर हमें इतना अच्छा लगेगा।

आगजनी में गाड़ी समेत लाखों की संपत्ति जलकर राख

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के हेलेम थानाक्षेत्र के मेलबजार स्थित तेलेनी में लगी भीषण आग में गाड़ी समेत लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार यह आग मंगलवार की आधी रात को स्थानीय गोविंद प्रधान नामक व्यक्ति के घर में लगी। आगजनी में प्रधान का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग में घर के अलावा एक टाटा मैजिक वाहन, गैराज में रखी गई एक स्कूटी के साथ ही सारी संपत्ति, फर्नीचर, दस्तावेज आदि जलकर राख हो गए। आग कहां से कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। लेकिन, स्थानीय लोगों को आशंका है कि आग बिजली की शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी।

विश्वनाथ में अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा सम्मेलन की तैयारी जोरों पर

विश्वनाथ (विभास)। असम के विश्वनाथ जिला में अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा सम्मेलन आगामी 10 सितम्बर को विश्वनाथ चारिआलि शहर के हिमालय विवाह भवन सभागृह में आयोजित किया जाएगा। विश्वनाथ जिला रौनियार समाज, समिति ने जिसकी तैयारी जोरों पर शुरू कर दी है। आज इसकी जानकारी विश्वनाथ जिला रौनियार समाज, समिति के सह सचिव सत्यप्रकाश गुप्ता ने दी। इस महासम्मेलन में राज्यों के विभिन्न जिलों के साथ देश के अन्य राज्यों से रौनियार समाज के प्रतिनिधिमण्डल उपस्थित होंगे। इस महासभा सम्मेलन में समाज के प्राय: 300 लोग जुटने की उम्मीद है। इस महासभा महासम्मेलन की तैयारी हेतु विश्वनाथ चारिआलि के गौरीशंकर भवन में अस्थायी कार्यालय का भी उद्घाटन हो गया है। विश्वनाथ में दूसरी बार अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसका आतिथ्य में संयोजक छत्रपति गुप्ता (लखीमपुर), विश्वनाथ जिला रौनियार

समाज समिति के अध्यक्ष रामानंद रौनियार, उपाध्यक्ष बजरंग रौनियार, महासचिव ओमप्रकाश गुप्ता, संयुक्त सचिव अखिलेश प्रसाद रौनियार,प्रचार सचिव श्यामानंद रौनियार, कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद रौनियार व सदस्य ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने के जी जोर मेहनत करते नजर आ रहे हैं। इस सम्मेलन से विश्वनाथ रौनियार समाज में खुशी का लहर है। बहुत वर्षों के बाद यह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा, प्रांत का सन 1976 ई. में महासभा सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसका नेतृत्व स्वर्गीय गौरीशंकर प्रसाद रौनियार ने की।

भक्ति-भाव से सराबोर हुआ रंगिया का झूलनोत्सव

रंगिया (विभास)। रंगिया के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में चल रहे पांच दिवसीय झूलनोत्सव का समापन 31 अगस्त, गुरुवार को किया जाएगा, यह जानकारी मंदिर संचालन समिति तथा आयोजक समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया और महासचिव प्रमोद अग्रवाल ने दी है। रंगिया का अति प्राचीनतम झूलनोत्सव से क्षेत्र का माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया है रंगिया में सदियों से चली आ रही यह परंपरा आज भी भक्तों के बीच बरकरार है। हर जाति उम्र और धर्म के लोग हर वर्ष इस महोत्सव का हिस्सा बनते है। मालूम हो कि यह महोत्सव यहां स्थित श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में सावन मास की एकादशी से पूर्णिमा तक हरवर्ष हर्षोल्लास के साथ गत 98 वर्षों से आयोजित किया जाता आ रहा है जिसका प्रारंभ सन 1925 को हुआ था और इस वर्ष मंदिर प्रांगण में इस महोत्सव का 99वां आयोजन है। रंगिया का यह परंपरागत महोत्सव अब भव्य रूप धारण कर चुका है जो लोगों के बीच शांति, सम्प्रिति और भातृत्व बोध को दर्शाता है। महोत्सव के दौरान हमारी कुछ ज्येष्ट लोगों से

बातचीत के दौरान उन्होंने बताया की इस महोत्सव में उनके बचपन की यादें समाहित है। उन्होंने बताया कि सालभर सभी को इस महोत्सव का इंतजार रहता है। उल्लेखनीय है कि इस भव्य महोत्सव में दूर-दूर से भक्तों का जमावड़ा लगता है। रंगिया के इस इतिहास प्रसिद्ध महोत्सव के अंतर्गत भगवान श्री श्री राधाकृष्ण सहित अन्य देवी-देवताओं की मनोरम झांकियों के बीच श्री श्री राधाकृष्ण को सुसज्जित झुले पर विराजमान किया गया है। वहीं झूलनोत्सव के चौथे दिन बुधवार को भी श्रद्धालुगण महोत्सव के रंग में सराबोर दिखाई पड़े। महोत्सव की सफल बनाने के लिए आयोजक समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया ने समिति के सचिव प्रमोद अग्रवाल, संयोजक पवन जाजोदिया, कोषाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, सह-सचिव जितेन्द्र जाजोदिया सहित सभी कार्यकर्ताओं और समाज बंधुओं के अलावा अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन और केयर क्लब की रंगिया शाखा को उनके द्वारा प्राप्त विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने आगे भी इसी तरह का सहयोग बनाए रखने की कामना की है। समिति द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार महोत्सव का समापन गुरुवार को समापन समारोह के आयोजन के साथ रात्रि 9.30 बजे किया जाएगा। महोत्सव के चौथे दिन के कार्यक्रम में शिव बजाज, प्रदीप जाजोदिया, श्रीपाल चंद जैन, हरीराम क्याल, राजकुमार सरावगी, गोपाल जाजोदिया, जगदीश जाजोदिया, अनुप जाजोदिया, प्रदीप अग्रवाल, रमेश बजाज, दीनदयाल शर्मा, प्रमोद छित्रका, श्यामा लुंडिया, दिलीप सिकरिया, मुकेश सिकरिया, संदीप नाथानी, अशोक दाधीच, भंवरलाल शर्मा, राजकुमार लुंडिया, रतन सिकरिया, कैलाश छत्रिका, कैलाश लुंडिया, संजय जाजोदिया, सत्यनारायण शर्मा, पंकज अग्रवाल, बासुदेव शर्मा, मुकेश सिकरीया (पप्पू), जगदीश जाजोदिया, सुनील सीकरीया, अजय नाथानी, गोपी किशन सिंहानिया, नीतीश लुंडिया, बनवारी सिकरिया, निशांत जाजोदिया और सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

पुलिसकर्मियों को अभामामस मध्य गुवाहाटी ने बांधा रक्षासूत्र

गुवाहाटी (विभास)। पुलिसकर्मियों की कलाई पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस) मध्य गुवाहाटी शाखा की सदस्याओं ने राखी बांधकर उनकी लंबी आयु की कामना की। शाखा अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने बताया कि पान बाजार थाना, ट्रैफिक व भरलुमुख थाने में तैनात पुलिस अधिकारी व अन्य कर्मियों को शाखा सदस्याओ ने तिलक लगाकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। साथ ही उन्हें मिठाई व उपहार दिया गया। शाखा की ओर से मिले इस प्यार के प्रति भरलुमुख थाना प्रभारी ज्योति लाहोन व अन्य अधिकारियों ने उन्हें तहे दिल से धन्यवाद दिया। इस मौके पर अध्यक्ष रितु अग्रवाल, कविता खेमका, रेणु खेमका, शोभा सांगनेरिया, कन्हैया जयसवाल आदि मौजूद थे।

नया युद्धपोत महेंद्रगिरी का लॉन्च होगा कल, नौसेना की क्षमता में होगा इजाफा

मुंबई। भारतीय नौसेना के नवीनतम युद्धपोत महेंद्रगिरी को शुक्रवार एक सितंबर को लॉन्च किया जाएगा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में इसका शुभारंभ करेंगी। इससे नौसेना की क्षमता बढ़ेगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। महेंद्रगिरी परियोजना 17ए का सातवां और अंतिम स्टील्थ फ्रिगेट है। परियोजना के तहत चार युद्धपोत मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में और बाकी कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में बनाए जा रहे हैं। एक युद्धपोत का प्रक्षेपण इसके निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह जहाज के पहली बार पानी में प्रवेश करने को संदर्भित करता है। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 17 अगस्त को जीआरएसई में परियोजना 17ए के छठे युद्धपोत विंध्यगिरि को लॉन्च किया था। बयान में कहा गया है कि महेंद्र गिरी का प्रक्षेपण आत्मनिर्भर नौसेना बल के निर्माण में देश की अविश्वसनीय प्रगति का एक उपयुक्त प्रमाण है। परियोजना 17ए फ्रिगेट प्रोजेक्ट 17 (शिवालिक वर्ग) फ्रिगेट का अनुवर्ती है, जिसमें बेहतर स्टील्थ विशेषताएं, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली हैं। परियोजना 17ए के तहत पिछले पांच युद्धपोत 2019-22 के दौरान लॉन्च किए गए थे। नवीनतम प्रक्षेपण ऐसे समय में हुआ है जब रक्षा में आत्मनिर्भरता सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है, और जब हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में शक्ति गतिशीलता बदल रही है और चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-नेवी (पीएलएएन) अपने पदचिह्न को बढ़ाने के प्रयास कर रही है। सभी परियोजना 17ए युद्धपोत वर्तमान में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं और 2024-26 के दौरान नौसेना को वितरित किए जाने की उम्मीद है।

परमाणु अनुसंधान केंद्र में कार्यरत वैज्ञानिक ने की आत्महत्या

मुंबई (हि.स.)। मुंबई के ट्रॉम्बे स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में कार्यरत एक वैज्ञानिक ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। वैज्ञानिक की पहचान मनीष सोमनाथ शर्मा (50) के रूप में की गई है। ट्रांबे पुलिस स्टेशन की टीम ने मौके से सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें सिर्फ *सॉरी बेटा* लिखा है। इस मामले की गहन छानबीन पुलिस कर रही है। इस मामले के जांच अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मनीष शर्मा की पत्नी नीतू शर्मा सोमवार को काम पर से घर आईं तो उन्होंने देखा कि मनीष शर्मा हॉल रूम में नायलॉन की रस्सी के सहारे पंखे से लटके हुए थे। इसके बाद पड़ोसियों ने मनीष शर्मा को अस्पताल में पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने मनीष को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मनीष शर्मा के घर की तलाशी ली तो हॉल में टेबल पर एक सुसाइड नोट मिला। पुलिस ने बताया कि उसने इसमें सॉरी बेटा लिखा था। इसलिए अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि मनीष ने आत्महत्या क्यों की। इस बीच, मनीष की पत्नी नीतू ने पुलिस को बताया कि मनीष 2001 से डिप्रेशन से जूझ रहे थे। वह मनोचिकित्सक से इलाज करा रहे थे। उनकी दवा भी चल रही थी।

पीएम ने स्कूली बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन, बोले-

यह हमारी संस्कृति का पवित्र प्रतिबिंब है

नई दिल्ली। भाई-बहन का त्यौहार रक्षाबंधन पूरे देश में मनाया जा रहा है। नई दिल्ली में अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्कूली बच्चियों के साथ रक्षाबंधन मनाया। पीएम मोदी हर साल स्कूली बच्चियों से राखी बंधवाकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाते हैं। इससे पहले पीएम ने ट्विट करके देशवासियों को रक्षाबंधन की बधाई दी। उन्होंने एक्स पर कहा कि मेरे सभी परिवारजनों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं। बहन और भाई के बीच अटूट विश्वास और अगाध प्रेम को समर्पित रक्षाबंधन का ये पावन पर्व, हमारी संस्कृति का पवित्र प्रतिबिंब है। मेरी कामना है, यह पर्व हर किसी के जीवन में स्नेह, सद्भाव और सौहार्द की भावना को और प्रगाढ़ करे। इस बार रक्षाबंधन का त्योहार 30 और 31 अगस्त दोनों दिन मनाया जा रहा है। रखी श्रावण महीने की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर त्योहार मनाई जाती है। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी देशवासियों को रक्षाबंधन की बधाई दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा कि सभी देशवासियों को रक्षाबंधन के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं! यह त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है और अत्यंत उत्साह के साथ मनाया जाता है। आइए, इस शुभ अवसर पर हम देश में महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित और समानतापूर्ण वातावरण बनाने का संकल्प लें। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भाई-बहन के अटूट रिश्ते और प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख और समृद्धि लाए।

भारत-चीन सीमा विवाद पर झूठ बोलती है सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज कहा कि भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर मोदी सरकार झूठ बोलती है। राहुल गांधी बुधवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि चीन ने हमारी सीमा में अतिक्रमण किया है। यह बात पूरा लद्दाख जानता है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि लद्दाख में एक इंच भी जमीन नहीं गई है। यह झूठ है। पूरा लद्दाख जानता है कि चीन ने अतिक्रमण किया है। राहुल ने कहा कि चीन ने जो मानचित्र जारी किया है, वह गंभीर मामला है। इस पर प्रधानमंत्री को कुछ बोलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चीन ने हाल ही में अपना नक्शा जारी किया है, जिसमें वह अरुणाचल और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बता रहा है। इसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी की ओर से कल भी आपत्ति जताई गई थी। कल कांग्रेस ने कहा था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से चार दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात हुई। उसके बाद भारत सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर सख्त लहजे में चीन से बात की है। इस मुलाकात के बाद अब चीन ने एक नक्शा जारी किया है, जिसमें वह अरुणाचल और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बता रहा है। कल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछा था कि यह कैसा सख्त लहजा है कि चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा?

मनरेगा के लाभ से वंचित रखने के लिए आधार को हथियार न बनाए सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि सरकार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) जैसी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से लोगों को वंचित रखने के लिए आधार एवं प्रौद्योगिकी का हथियार के रूप में उपयोग बंद करना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मनरेगा के तहत काम करने वालों को मजदूरी का भुगतान होना चाहिए और इस व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सोशल ऑडिट कराने तथा खुली नामावली की व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। उन्होंने एक बयान में कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) के माध्यम से मनरेगा के लिए भुगतान अनिवार्य करने की समयसीमा पांचवीं बार 31 दिसंबर, 2023 तक बढ़ा दी है। यह अपरिहार्य हो गया क्योंकि चार बार समयसीमा बढ़ाए जाने के बावजूद, कुल 26 करोड़ जॉब कार्ड धारकों में से 41.1 प्रतिशत अभी भी भुगतान के इस तरीके के लिए अयोग्य हैं। रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने शुरू में किसी भी और समयसीमा विस्तार से इनकार कर दिया था क्योंकि चौथे विस्तार की अवधि 31 अगस्त को पूरी हो रही थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि मनरेगा के प्रति प्रधानमंत्री का तिरस्कार सर्वविदित है। फिर भी मोदी सरकार को कोविड-19 महामारी के दौरान मनरेगा की ओर रुख करने के लिए मजबूर होना पड़ा और अब भी जारी ग्रामीण संकट के कारण, इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में श्रमिकों ने मनरेगा के तहत काम की मांग की है। काम मांगने वाले सभी लोगों को मजदूरी देने की अपनी कानून-अनिवार्य जिम्मेदारी से बचने के लिए मोदी सरकार ने पारदर्शिता और दक्षता में सुधार के नाम पर, मनरेगा श्रमिकों को बार-बार काम या मजदूरी देने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के अपने अनुमान के अनुसार, 2.6 करोड़ से अधिक सक्रिय श्रमिकों को एक सितंबर, 2023 से उनके कानूनी रूप से अनिवार्य वेतन का भुगतान नहीं किया गया तथा इसमें वे करोड़ों श्रमिक शामिल नहीं हैं, जिनके जॉब कार्ड विभिन्न त्रुटियों के कारण सूची से हटा दिए गए हैं। रमेश ने आरोप लगाया कि आधार को संप्रग सरकार ने सामाजिक कल्याण लाभों तक पहुंच को आसान बनाकर नागरिकों को सशक्त बनाने के एक उपकरण के रूप में पेश किया था। मोदी सरकार ने विशेष रूप से मनरेगा के मामले में और जल्द ही पेंशन और अन्य सामाजिक कल्याण लाभों के साथ, इसे नागरिकों को उनके गारंटीशुदा अधिकारों से बाहर करने के लिए एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि हमारी मांग है कि मोदी सरकार को सबसे कमजोर नागरिकों को उनके सामाजिक कल्याण लाभों से वंचित करने के लिए आधार और प्रौद्योगिकी को हथियार बनाना बंद करना चाहिए। मनरेगा श्रमिकों को देय भुगतान जारी रखना चाहिए। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए खुली नामावली का क्रियान्वयन और सामाजिक ऑडिट लागू करना चाहिए।

अधीर रंजन चौधरी को मिली राहत

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी बुधवार (30 अगस्त) को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश हुए। विशेषाधिकार समिति ने संसद से अधीर रंजन के निलंबन को रद्द करने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव को पारित किया। समिति के सामने पेश होने के बाद अधीर रंजन ने लोकसभा में की गई अपनी टिप्पणियों को लेकर खेद जताया, जिसके बाद समिति ने निलंबन रद्द करने का प्रस्ताव पारित किया। चौधरी को मानसून सत्र के आखिरी दिन 11 अगस्त को संसद से निलंबित कर दिया गया था। अधीर रंजन ने भाजपा सांसद भाजपा सांसद सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली समिति से कहा कि उनकी किसी की भी भावनाओं को ठेस पहुंचाना उनका इरादा कभी नहीं था। विशेषाधिकार समिति के एक सदस्य ने कहा कि समिति ने लोकसभा से अधीर रंजन चौधरी के निलंबन को रद्द करने के लिए एक प्रस्ताव पारित है।

ममता बनर्जी ने अमिताभ बच्चन को बांधी राखी, बोलीं- इस परिवार से मेरा गहरा लगाव

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने मुंबई दौरे के दौरान अमिताभ बच्चन के घर गईं। बुधवार को ममता बनर्जी तीसरे इंडिया गठबंधन शिखर सम्मेलन के लिए मुंबई पहुंचीं। बैठक से पहले, ममता ने अभिनेता से मिलने के लिए जलसा स्थित उनके आवास पर समय निकाला। समाचार एजेंसी ने पहले बताया था कि 80 वर्षीय अभिनेता ने रक्षा बंधन के अवसर पर ममता बनर्जी को अपने आवास पर चाय के लिए आमंत्रित किया था। इससे पहले आज, ममता बनर्जी मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचीं जहां उनका स्वागत आदित्य ठाकरे ने किया। अमिताभ और उनकी पत्नी जया बच्चन का सीएम बनर्जी के साथ मजबूत रिश्ता है। ममता ने कहा कि मैं आज खुश हूं। मैं भारत के भारत रत्न अमिताभ बच्चन (ममता बनर्जी बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को भारत रतन कहती हैं) से मिलीं और उन्हें राखी भी बांधी। मुझे यह परिवार बहुत पसंद है। वे भारत में नंबर एक परिवार हैं और उनका बहुत योगदान भी है। मैंने उन्हें दुर्गा पूजा और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया। पिछले साल, बच्चन ने कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (केआईआईएफ) के उद्घाटन समारोह में भी भाग लिया था, जहां ममता ने भारत रत्न के लिए अभिनेता के नाम की वकालत भी की थी। 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले, अमिताभ बच्चन की पत्नी, अभिनेता और सांसद जया बच्चन ने बनर्जी की पार्टी, तृणमूल कांग्रेस के लिए अभियान चलाया। अभिनेता फिलहाल कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के 15वें संस्करण में व्यस्त हैं। फिल्म की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार सूरज बड़जात्या की फिल्म ऊंचाई में अनुपम खेर और बोमन ईरानी के साथ देखा गया था। उनकी झोली में टाइगर श्रॉफ की गणपथ, कल्कि 2898 एडी और शाहरुख खान के साथ एक अनाम परियोजना सहित कई परियोजनाएं हैं। आई.एन.डी.आई.ए. ब्लॉक में ममता बनर्जी की अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सहित 26 राजनीतिक दल शामिल हैं। ब्लॉक ने मुंबई में अपनी तीसरी बैठक आयोजित की है, जो 21 अगस्त और 1 सितंबर को होनी है। इस बैठक में, ब्लॉक कई मुद्दों पर अंतिम निर्णय लेगा, जिसमें गठबंधन का संयोजक कौन होगा और इसमें नए सहयोगी शामिल होना है।

टीएमसी नेता ने वाइफ को एके-47 गिफ्ट किए

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व नेता रियाजुल हक उस वक्त विवादों में घिर गए जब उन्होंने अपनी पत्नी को उनकी पहली शादी की सालगिरह पर एके-47 राइफल गिफ्ट की। रियाजुल द्वारा सोमवार को सोशल मीडिया पर अपनी पत्नी सबीना यास्मीन की एके-47 बंदूक पकड़े हुए तस्वीर साझा करने के बाद विवाद पैदा हो गया। स्थानीय भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और सीपीआईएम द्वारा *तालिबान शासन को बढ़ावा देने* के लिए आलोचना किए जाने के बाद रियाजुल ने पोस्ट हटा दी। सैन्य और अर्धसैनिक अभियानों में इसके उपयोग के लिए व्यापक रूप से पहचानी जाने वाली राइफल ने समुदाय को इस तरह के इशारे के पीछे रियाजुल के इरादों के बारे में अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया। अपने कदम का बचाव करते हुए, रियाजुल ने कहा कि उसकी पत्नी वास्तव में खिलौना बंदूक पकड़े हुए थी। उन्होंने आगे दावा किया, कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया गया क्योंकि मेरी पत्नी के हाथ में खिलौना बंदूक थी। मेरे खिलाफ आरोप फर्जी है क्योंकि वह नकली बंदूक थी। डिप्टी स्पीकर और रामपुरहाट के विधायक आशीष बंद्योपाध्याय के करीबी माने जाने वाले पूर्व टीएमसी नेता ने यह भी कहा कि उन्होंने पोस्ट हटा दी क्योंकि कई लोग इस संबंध में पूछने लगे। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि रियाजुल कभी तृणमूल के अल्पसंख्यक सेल के रामपुरहाट-1 ब्लॉक के अध्यक्ष थे। हालांकि, उन्होंने कुछ महीने पहले अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इस बीच, भाजपा ने रियाजुल को बंदूक की आपूर्ति की जांच की मांग की।

जोरम पीपुल्स मूवमेंट को पूर्ण समर्थन देगी हमार पीपुल्स कन्वेंशन

एजल। आगामी मिजोरम विधानसभा चुनाव को देखते हुए विपक्षी जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने हमार पीपुल्स कन्वेंशन (एचपीसी) के साथ गठबंधन करने की घोषणा कर दी है। मंगलवार यानी 29 अगस्त को राज्य के उत्तरपूर्वी हिस्से के सकवरदाई गांव में दोनों पक्षों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। समझौते के अनुसार, एचपीसी इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में जेडपीएम को पूर्ण समर्थन देगी। एचपीसी बिना किसी उम्मीदवार को खड़ा किए जेडपीएम उम्मीदवार राज्य विधानसभा के लिए चुने जाएंगे। दोनों पार्टियां अगले साल होने वाले सिनलुंग हिल्स काउंसिल (एसएचसी) चुनावों के लिए भी मिलकर काम करेंगी। समझौते में कहा गया है कि अगर पार्टी विधानसभा चुनावों को जीतकर सत्ता में आती है तो जेडपीएम अप्रैल 2018 में हमार पीपुल्स कन्वेंशन-डेमोक्रेटिक या एचपीसी (डी) और मिजोरम सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन को लागू करने के लिए कदम उठाएगी। जेडपीएम के उपाध्यक्ष केनेथ चावंगलियाना ने कहा कि एचपीसी ने अतीत में कई पार्टियों के साथ ऐसे समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे लेकिन उनमें से किसी ने भी अपने वादे पूरे नहीं किए। एचपीसी अध्यक्ष रोरिंगा ने कहा कि मिजोरम में हमार बहुल इलाके विकास से वंचित हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का आग्रह किया कि गठबंधन फलीभूत हो। मिजोरम में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। यहां की 40 विधानसभा सदस्यीय विधानसभा चुनाव का कार्यकाल 17 दिसंबर को समाप्त होने वाला है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे है कि चुनाव इस साल के नवंबर से दिसंबर के बीच में हो सकता है।

सरहद देखने के लिए 50 छात्र नाथुला भ्रमण पर रवाना

मुख्यमंत्री तमांग ने जीवंत ग्राम कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया

गंगटोक (हि.स.)। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार सुबह राजधानी गंगटोक के रिज पार्क से झंडा लहरा कर जीवंत ग्राम कार्यक्रम के तहत सीमा दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत की है। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के लगभग पचास छात्र भाग ले रहे हैं। छात्र भारत-चीन सीमा क्षेत्र नाथुला का दौरा करेंगे और देश की रक्षा के लिए वहां तैनात भारतीय सेना और आईटीबीपी के जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाएंगे। इसी तरह, छात्र भारत-चीन सीमा क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल छांगु के स्थानीय लोगों के साथ मुलाकात और बातचीत भी करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन योजना एवं विकास विभाग ने गंगटोक जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सेना, आईटीबीपी और हेमंत यादव फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने जीवंत ग्राम कार्यक्रम के विचार के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने देश के अंतिम गांव को पहला गांव बनाने की सोच रखी है। योजना का लाभ सिक्किम को भी मिलेगा और कहा कि सिक्किम में भारत-चीन सीमा क्षेत्र के गांवों का विकास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सिक्किम की सीमा चीन के साथ-साथ नेपाल और भूटान से भी जुड़ी हुई है। इस योजना के तहत इन सीमावर्ती इलाकों के गांवों में विकास किया जायेगा। उन्होंने रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर सिक्किम के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इसी तरह उन्होंने देश की सीमा पर तैनात भारतीय सेना के जवानों को धन्यवाद दिया और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री तमांग ने विद्यार्थियों को शुभकामना देकर प्रस्थान कराया।

देश में मानसून हुआ कमजोर

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में मानसून अब कमजोर हो चला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार बुधवार से मानसून टर्फ पूर्वी छोर दक्षिण की ओर बंगाल की खाड़ी में स्थानांतरित हो गया है। मौसम वैज्ञानिक नरेश कुमार के अनुसार अगले दो दिनों के बाद ओडिशा में भारी बारिश की संभावना है। इसके बाद छत्तीसगढ़ में भी भारी बारिश होगी। फिर तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश में होगी। छत्तीसगढ़ में 6 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों के पूर्वानुमान के तहत देश के कुछ हिस्सों को छोड़कर अन्य जगहों पर मौसम शुष्क रहेगा। उत्तर, मध्य और पश्चिमी भारत में मौसम अच्छा रहेगा। तमिलनाडु और केरल के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश होगी।

नीतीश की मंशा है कि 2024 में भाजपा मुक्त भारत बने : श्रवण कुमार

इंडिया गठबंधन को देशभर से मिल रहा है जनसमर्थन : सुनील कुमार

पटना (हिंस)। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने जदयू कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कोई व्यक्तिगत इच्छा नहीं है। उनकी इच्छा बस यही है कि 2024 में भाजपा मुक्त भारत बने और देश की जनता को जुमलेबाजों से मुक्ति मिले। जनता समझ चुकी है कि भाजपा के रहते देश का लोकतंत्र सुरक्षित नहीं है। देश का संविधान सुरक्षित नहीं है और देश के गरीबों का हक सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग नफरत और हिंसा की बात करते हैं। उन्हें सिर्फ अपने कुर्सी की चिंता सताती रहती है लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार और देश के हित में सोचते हैं। उन्होंने अपने 18 वर्षों के कार्यकाल में बिहार के अंदर अमन चैन और भाईचारे का माहौल स्थापित किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर निशाना साधते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार की बात दूर है, उन्होंने बेगूसराय की जनता का भी भला नहीं किया है। विगत 3 वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना में बिहार को एक भी लक्ष्य नहीं मिला है। बिहार सरकार के मद्य निषेध मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि मुंबई में होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में आगे की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा होगी। साथ ही विपक्षी दलों के शीर्ष नेता गठबंधन की रूपरेखा तय करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एकजुट हुए विपक्षी गठबंधन को देश की जनता द्वारा जो जनसमर्थन मिल रहा है उससे प्रतीत होता है की हम 2024 में केंद्र की सत्ता से भाजपा को अपदस्थ करने में निश्चित ही कामयाब होंगे। शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों की छुट्टियां कम करने को लेकर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि सभी के हितों को ध्यान में रखकर सरकार फैसला लेती है। निश्चित रूप से यह फैसला भी काफी सोच समझकर लिया गया होगा। लघु एवं जलसंसाधन मंत्री जयंत राज ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अगुवाई में एकजुट हुए इंडिया गठबंधन की ताकत देखकर भाजपा के नेता बौखलाए हुए हैं और इसी बौखलाहट का प्रमाण है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आजादी की तारीख के संबंध में भी अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। एक तरफ जहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा इस तरह का गैर जिम्मेदाराना बयान आना निश्चित तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण है।

अग्नि पीड़ितों से मिले विधायक, मदद का दिया भरोसा

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा ने बुधवार को चम्पानगर बड़ी मस्जिद के समीप हुई अगलगी की घटना स्थल का दौरा किया एवं पीड़ित दुकानदारों और बुनकरों से भेंटकर दुर्घटना पर खेद जताया। विधायक शर्मा ने इस अवसर पर पीड़ितों को आश्वस्त किया कि उन्हें आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधानों के अन्तर्गत सरकारी मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन एवं मुख्यमंत्री बिहार सरकार से बात करेंगे। विधायक शर्मा ने घटना स्थल से ही दूरभाष पर जिलाधिकारी भागलपुर को उक्त घटना से अवगत कराया एवं पीड़ितों को फौरन राहत प्रदान करने को कहा। साथ ही साथ भागलपुर शहरी विद्युत प्रमंडव के कार्यपालक अभियंता को भी वहां फौरन अगलगी से जले तारों एवं पोलों को बदलकर तत्काल विद्युत व्यवस्था बहाल करने का निर्देश दिया। विधायक शर्मा ने बुनकरों को आश्वस्त किया कि इस

आपदा की परिस्थिति में हम आपके साथ हैं और आपको मुआवजा उपलब्ध कराने में कोई कोर कसर नही छोड़ूंगा। इसके उपरान्त विधायक श्री शर्मा नाथनगर मोमीन टोला के अलहादी स्कूल गए जहां उन्होंने अपने द्वारा प्रदत्त कंप्यूटर और कंप्यूटर कक्ष का उद्घाटन किया एवं इस अवसर पर कहा कि आधुनिक शिक्षा में कंप्यूटर का अहम योगदान है। इसलिए मैंने यहां के बच्चों को आधुनिक शिक्षा के लिए दो कंप्यूटर उपलब्ध कराया है। मुझे विश्वास है कि यहां के बच्चे आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर भागलपुर एवं देश का मान बढ़ाएंगे। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटि के प्रतिनिधि डॉ. अभय आनन्द, पंकज कुमार सिंह, अताउर रहमान अंसारी, फैसल अंसारी, शिवशंकर सिन्हा, जावेद सालेह अंसारी, मो. असफाक, अंशो चेयरमेन, जाबीर अंसारी, सैफुल्लाह अंसारी, गुलाम हैदर, बबलू अंसारी, जियाउर रहमान इत्यादि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी ने बच्चियों से बंधवाई राखी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के कार्यक्रम में बच्चियों से राखी बंधवाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर लाभार्थियों से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों से भेदभाव नहीं होना चाहिए। बेटी को आगे बढ़ने में मदद करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार बेटियों के लिए योजनाएं चला रही है। मेरिट लिस्ट में अब बेटियों का नाम ज्यादा आ रहा है। बोर्ड परीक्षाओं में बेटियां ही आगे होती हैं। रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए उत्तर प्रदेश में फ्री बस सेवा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि आज शिशु मृत्यु दर में कमी आई है।

गैस सिलेंडर के दाम कम होने से महिलाओं के चेहरे खिले

शहर से लेकर गांवों में महिलाओं ने जताई खुशी

हमीरपुर/प्रयागराज (हिंस)। जिले में मोदी सरकार ने रक्षाबंधन त्योहार को घरेलू महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है, जिसे लेकर यहां शहर से लेकर गांवों में महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। महिलाओं ने कहा कि महंगाई के दौर में गैस सिलेंडर के दाम दो सौ रुपए कम होने से थोड़ी बहुत राहत तो मिली है लेकिन अभी दाम और कम होने चाहिए। रक्षाबंधन त्योहार के दिन मोदी सरकार ने देश भर की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। घरेलू गैस सिलेंडर के दाम दो सौ रुपए कम करने के फरमान से यहां जिले में भी रसोइया का काम देख रही लाखों महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। सरकार के इस फैसले से सबसे ज्यादा फायदा उज्ज्वला गैस के उपभोक्ताओं को मिलेगा। अभी उज्ज्वला गैस सिलेंडर पर गरीब महिलाओं को दो सौ रुपए की सब्सिडी मिलती थी लेकिन गैस सिलेंडर की कीमतें दो सौ रुपए कम होने से उन्हें चार सौ रुपए का फायदा मिलेगा। बुधवार को मोदी सरकार के रक्षाबंधन त्योहार पर दी गई बड़ी सौगात को लेकर महिलाओं से बात की गई तो ज्यादातर महिलाओं ने सरकार के फैसले पर खुशी जताई है। हमीरपुर से जुड़े झलोखर में रामा देवी व पार्वती ने बताया कि महंगाई के दौर में गैस सिलेंडर के दाम दो सौ रुपए कम होना बड़ी राहत की बात है लेकिन अभी सरकार को और कीमतें कम करनी चाहिए। चंदनिया प्रजापति, पूजा चौरसिया ने कहा कि पहले घरेलू गैस सिलेंडर के दाम छह सौ रुपए होते थे लेकिन इधर सिलेंडर की कीमतें 11 सौ रुपए पार हो गई थी। बताया कि दो सौ रुपए कम करने से

क्या होता है ? अभी सरकार को गैस सिलेंडर की कीमतें सात सौ रुपए तक ही करनी चाहिए, तभी काम चलेगा। हमीरपुर शहर की रेनू, राधा, कैलाशवती, विजय कुमारी सहित तमाम महिलाओं ने कहा कि मोदी सरकार ने सही समय में बड़ी सौगात दी है। कहा कि सरकार ने एक दम से दो सौ रुपए गैस सिलेंडर की कीमतें कम करने से गरीब महिलाओं को काफी राहत मिलेगी। गौरतलब है कि हमीरपुर जिले में दस हजार से ज्यादा उज्ज्वला गैस के उपभोक्ता है जो गैस सिलेंडर की कीमतें ज्यादा होने से कंडे से ही खाना बनाने को मजबूर थी। अब रक्षाबंधन त्योहार पर कीमतें कम होने से उज्ज्वला गैस के उपभोक्ताओं में बड़ी खुशी देखी जा रही है। झलोखर गांव की गुधनिया अहिरवार समेत तमाम ग्रामीण महिलाओं ने मोदी सरकार के फैसला पर खुशी जताते कहा कि सरकार को अभी गैस सिलेंडर के दाम और कम करने चाहिए क्योंकि अभी भी सिलेंडर महंगा है। कंडे से चूल्हे जलाना इससे काफी सस्ता है। इधर त्रिवेणी भारत गैस सर्विस के वितरक मनीष गोयल ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल से पूर्व गैस सिलेंडर के दाम करीब पांच सौ रुपए थे लेकिन कोरोना महामारी आने के बाद एक दम कीमतें बढ़ गई थीं। बताया कि सरकार के फैसले के बाद अब घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 926 रुपए हो गई है।

लातेहार में दो बाइक की टक्कर में शिक्षक समेत दो की मौत

लातेहार (हिंस)। जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-99 रांची-चतरा मुख्य पथ पर भुषाड़ गांव के पास बुधवार की शाम दो मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गयी। इस घटना में एक शिक्षक समेत दो लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में एक अन्य युवक घायल हो गया है। मृतकों की पहचान शिक्षक जॉनक्रूस गिद्ध पोटमाडीह महुआडां और आकाश भुंइया चकला (चंदवा) के रूप में हुई है। वहीं दुर्घटना में घायल युवक की पहचान चकला निवासी बिंदु भुंइया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शिक्षक जॉन क्रूस गिद्ध बालूमाथ स्थित अपने विद्यालय से ड्यूटी खत्म कर चंदवा लौट रहे थे। वहीं दोनों युवक विपरीत दिशा से मोटरसाइकिल पर सवार होकर आ रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों मोटरसाइकिलो के परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस इंस्पेक्टर बबलू कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए तीनों को चंदवा अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने शिक्षक तथा युवक आकाश को मृत्यु घोषित कर दिया। पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि पुलिस दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया।

लुटेरों और दलालों को बचा रही है राज्य सरकार : बाबूलाल मरांडी

रांची (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने डुमरी उपचुनाव में बुधवार को ससारखो मंडल के बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। मरांडी ने कहा कि आखिर जनता झामुमो को वोट क्यों दे ? इस ठगबंधन की सरकार ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में झारखंड की जनता के लिए क्या किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों में राज्य में केवल लूट मची है। मुख्यमंत्री लुटेरों के संरक्षक बन बैठे हैं। इस राज्य को हेमंत सरकार में दलाल, बिचौलिए चला रहे। उन्होंने कहा कि खान, खनिज, लोहा, कोयला, बालू, पत्थर के साथ गरीबों, आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही। और हेमंत सोरेन इन लुटेरों को पकड़ कर जेल नही भेज रहे बल्कि उनके लिए महंगे वकील रख कर बचाने केलिए हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट में पैरवी कर रहे और जो जेल चले गए उन्हें भी बाहर निकालने केलिए पैरवी कर रहे। उन्होंने कहा इससे साबित ही चुका है कि मुख्यमंत्री लूट में शामिल हैं और लुटेरों के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए की सरकार बनती है तो विकास होता है जबकि कांग्रेस

झामुमो राजद की सरकार बनती है तो भ्रष्टाचार और लूट मचती है। आज राज्य की कानून व्यवस्था चौपट है। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं। उन्हें पेट्रोल से जलाया जा रहा, टुकड़ों में काट दिया जा रहा, पेड़ से लटका दिया जा रहा। और आज तक एक भी अपराधी को सजा नहीं हुई। पुलिस वसूली में लगी रहती है। हेमंत है तो अपराधियों लुटेरों को हिम्मत है। उन्होंने कहा कि आज आदिवासियों को सम्मान मोदी सरकार ने दिया। पहली बार आजाद भारत में आठ आदिवासी मंत्री बने। बिरसा मुंडा की जयंती जनजाति गौरव दिवस घोषित हुआ और आदिवासी महिला, संथाल समाज की बेटी को देश का राष्ट्रपति बनाया। पिछले नौ वर्षों में मोदी सरकार ने राज्य में पांच मेडिकल कॉलेज दिए, देवघर में एम्स अस्पताल और हवाई अड्डा बना, कोरोना में टीका का दो मुफ्त डोज, बूस्टर डोज दिया। जनधन खाता में गरीबों को पैसे दिए, और कोई भूखा नहीं सोए इसलिए प्रति व्यक्ति पांच किलो मुफ्त अनाज की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि आज गैस सिलेंडर के दामों में 200 रुपए की कमी करके मोदी सरकार ने देश की बहनों को रक्षा बंधन का बड़ा उपहार दिया है। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर हेमंत सरकार ने गरीबों के अनाज भी लूटवा दिए। प्रति वर्ष पांच लाख युवाओं की नौकरी नहीं तो बेरोजगारी भत्ता सब झूठा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन का काम है शांतिपूर्ण मतदान कराना और पदाधिकारी पक्षपात करते पाए जाएंगे उन्हें बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता उपस्थिति बता रही कि जनता ने एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी को केला छाप पर बटन दबाकर आगामी पांच सितंबर को वोट देकर अपार मतों से जिताने का मन बना लिया है।

बाल शोषण के खिलाफ मदरसा में जागरूकता कार्यक्रम

अररिया (हिंस)। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन जिले में 51 गांवों को बाल श्रम, बाल विवाह, बाल यौन शोषण एवं मानव तस्करी मुक्त कराने के लिए काम कर रही है। स्थानीय एनजीओ जागरण कल्याण भारती के अलावे जिला प्रशासन और एसएसबी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार इस अभियान में कदम से कदम मिलाकर इसको साकार करने लगी है। इसी कड़ी में कुसांकाटा प्रखंड के डुमरिया मदरसा नुरुल हुदा आशाभाग में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुस्लिम उलेमाओं ने बाल शोषण के खिलाफ मदरसा के बच्चों और उनके अभिभावक को जागरूक किया।

देश में तीसरे विकल्प की अत्यंत आवश्यकता : ओवैसी

गिरिडीह(हिंस)। एआईएमआईएम के सुप्रीमो और सांसद असदउद्दीन ओवैसी ने बुधवार को डुमरी विधानसभा क्षेत्र उप चुनाव में पार्टी प्रत्याशी अब्दुल मोबिन रिजवी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि हम मोहब्बत की दुकान खोले हैं और भाजपा कहती हैं कि हम चौकीदार हैं लेकिन यह सब झूठ की दुकान हैं। साथ ही कहा कि देश में तीसरे विकल्प की अत्यंत आवश्यकता है जो देश के मुसलमानों, आदिवासियों एवं दलितों की हितों की बात करे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन से झारखंड नहीं संभल रहा। इनके कार्यकाल में गरीबों, अकलियतों एवं आदिवासियों पर जुल्म ढाया जा रहा है। अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने सूबे में विकास की चर्चा करते हुए कहा कि हेमंत सरकार सभी के विकास की बात कहती है जो बड़ा ही हास्यास्पद लगता है। सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार के अल्पसंख्यकों के विकास में खर्च करने के लिए 155 करोड़ रुपए दिए है लेकिन राज्य सरकार अभी तक सिर्फ पांच करोड़ रुपए ही खर्च कर पाई है। अब समझ लीजिये की प्रदेश सरकार अल्पसंख्यकों के लिए कितनी हितैषी है। ओवैसी ने कहा कि झारखंड गरीब राज्य नहीं है लेकिन हेमंत सोरेन इस राज्य को गरीब बनाने पर तुले हैं। क्योंकि, केंद्र सरकार राज्य को जो पैसा देती उसका उपयोग राज्य के विकास में नहीं हो रहा है। इसलिए ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए एआईएमआईएम प्रत्याशी को वोट देकर अपनी ताकत और एकता का परिचय दें।

मुख्यमंत्री योगी ने किया बाढ़ क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण

बाराबंकी (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाराबंकी में बाढ़ क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने कहा कि अब कोई भी बाढ़ पीड़ित परिवार सरकारी सहायता से वंचित नहीं रहेगा। उसे हर हाल में सभी सरकारी सहायता का लाभ अवश्य मिलेगा। बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने महादेवा ऑडिटोरियम में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग क्षेत्र में बरसात के मौसम में बाढ़ व अन्य दैविक आपदाओं का प्रकोप चल रहा है। प्रदेश के 75 जनपदों में से 32 जिलों में सामान्य से कम बारिश होने से वह सूखे की चपेट में है।

ज्ञानवापी परिसर के सील वजूखाने के भी सर्वे की मांग को लेकर याचिका, 8 सितंबर को सुनवाई

वाराणसी (हिंस)। ज्ञानवापी परिसर में चल रहे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे के बीच सील वजूखाना क्षेत्र के सर्वे की मांग को लेकर याचिका दाखिल की गई है। श्रृंगार गौरी केस की मुख्य वादिनी राखी सिंह ने यह याचिका जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में मंगलवार को दाखिल की। इस पर 08 सितंबर को सुनवाई होगी। वादिनी राखी सिंह के अधिवक्ता मान बहादुर सिंह, सौरभ तिवारी और अनुपम द्विवेदी ने याचिका में कहा है कि वर्तमान में वजूखाने को छोड़कर सम्पूर्ण ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वे हो रहा है, लेकिन बिना वजूखाने के सर्वे से संपूर्ण ज्ञानवापी परिसर का सत्य उजागर नहीं हो पाएगा। प्रार्थनापत्र में अधिवक्ताओं ने अंजुमन इंतजामिया, जिला प्रशासन, पुलिस आयुक्त, राज्य शासन, विश्वनाथ मंदिर न्यास और एएसआई को प्रतिवादी बनाया है। अधिवक्ता मान बहादुर सिंह ने मीडियाकर्मियों को बताया कि जिला जज की अदालत में 64 पन्ने का प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है। इसके जरिए सील वजूखाने का भी सर्वे कराने की मांग की गई है ताकि संपूर्ण ज्ञानवापी परिसर का सच सामने आ सके। उल्लेखनीय है कि अदालत के आदेश से एएसआई की टीम ज्ञानवापी में सील क्षेत्र को छोड़ कर सर्वे का काम कर रही है। ज्ञानवापी के वजूखाने में एडवोकेट कमिश्नर की अगुआई में कराए गए सर्वे के दौरान 16 मई 2022 को शिवलिंग की आकृति जैसी संरचना मिली थी। हिंदू पक्ष की ओर से इसे शिवलिंग बताया गया। प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने इसे फव्वारा बताया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 17 मई 2022 को अपने एक आदेश में शिवलिंग और वजूखाने को संरक्षित करने का आदेश दिया था। अदालत के आदेश के बाद वहां पर सुरक्षा बल तैनात हैं।

अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में जुलूस निकाल कर प्रदर्शन

वाराणसी (हिंस)। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को यहां लामबंद अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार कर जुलूस निकाल विरोध जताया। दी बनारस बार एसोसिएशन के बैनर तले जुटे अधिवक्ताओं ने प्रशासन विरोधी नारेबाजी के बीच कहा कि जब तक आरोपी पुलिस वालों को सस्पेंड नहीं किया जाता तब तक लड़ाई जारी रहेगी। अधिवक्ताओं के उग्र तेवर को देख एसीपी कैंट के नेतृत्व में कचहरी परिसर में भारी फोर्स तैनात रही। बनारस बार के पूर्व महामंत्री अधिवक्ता नित्यानंद राय ने बताया कि हापुर में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर आज राज्य विधिज्ञ परिषद के नेतृत्व में यूपी के सभी जिलों की कचहरी में विरोध प्रदर्शन चल रहा है। अधिवक्ता हर जगह न्यायिक काम काज को बंद कर विरोध जता रहे है। विरोध प्रदर्शन में यूपी बार कौंसिल सदस्य अधिवक्ता हरिशंकर सिंह सेंट्रल बार अध्यक्ष प्रभु नारायन पाण्डेय,

महामंत्री शशिकांत दूबे, बनारस बार महामंत्री प्रदीप राय आदि भी शामिल रहे। अधिवक्ताओं के प्रदेश व्यापी हड़ताल का कांग्रेस ने किया समर्थन, लाठीचार्ज की निंदा हापुर में अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को अधिवक्ताओं के प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन का कांग्रेस ने समर्थन किया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने हापुर में हुई घटना की निंदा कर कहा कि प्रदेश व्यापी अधिवक्ताओं की हड़ताल को पार्टी का पूर्ण समर्थन है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस अधिवक्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर ख ?ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार पूरी तरह तानाशाही रवैए पर उतारू है।

स्कूली छात्राओं ने छात्रों के हाथ में राखी बांध मनाया रक्षाबंधन त्योहार

सहरसा (हिंस)। रक्षा बंधन को देखते हुए बुधवार को स्थानीय हटिया गाछी स्थित सहरसा पब्लिक स्कूल में छात्राओं द्वारा छात्रों के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर भाई बहन के प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर भाई बहन को भावनात्मक तौर पर जोड़ने वाले रक्षा बंधन त्योहार की विस्तृत जानकारी देते हुए बच्चों को द्रौपदी व कृष्ण तथा करुणावती और हुमायूं की कहानी सुनाई गई। प्राचार्य अवनीश कुमार वर्मा ने बच्चों को संबोधित कर कहा कि कोई भी उत्सव प्यार, समर्थन, दोस्ती और सामुदायिक सहयोग के सिद्धांतो को कायम रखता है। रक्षा बंधन के दिन सुरक्षा में तैनात सैनिकों की सीमा पर जाकर राखी बांधती है क्योंकि वह बाह्य शक्ति से हमारी रक्षा करते हैं। पर्यावरण को बचाने के लिए भी बहनों द्वारा पेड़ को राखी बांधना चाहिए ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे। अरविंद कुमार दास के संचालन में इस कार्यक्रम में विद्यालय की सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

हिंदू धर्म व्यापक है और परिवार धर्म का हिस्सा है : शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती

वाराणसी (हिंस)। शिवाला स्थित चेतसिंह किला परिसर में चातुर्मास कर रहे कामकोटि पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य शंकर विजयेंद्र सरस्वती से आर्शिवाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। किला परिसर में शंकराचार्य के आर्शिवचनों से श्रद्धालु आह्लादित हैं। भारत विकास परिषद काशी के सदस्यों ने गुरु वंदन कार्यक्रम में शंकराचार्य स्वामी शंकर विजयेंद्र सरस्वती का वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान परिषद के सचिव गौरव गुप्ता ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर का रूप माना गया है। ईश्वर भी जब धरती पर अवतरित होते हैं तो गुरु से शिक्षा पाकर अपने आप को धन्य समझते हैं। संस्कृति एवं सेवा सप्ताह के अंतिम पड़ाव में जगतगुरु शंकराचार्य शंकर विजयेंद्र सरस्वती का दर्शन,

सानिध्य एवं आशिर्वाद प्राप्त कर हम सभी के भाग्य उदय हो गए। शंकराचार्य शंकर विजयेंद्र सरस्वती ने आशीर्वाद स्वरुप कहा कि बड़ी कठिनाई के बाद भारत स्वतंत्र हुआ है। धर्म के लिए प्रचार करना भी स्वतंत्र भारत का उद्देश्य होना चाहिए। जैसा कि हमारे पूर्वजों ने अपनी क्षमता अनुरूप धर्म का विस्तार किया और आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म व्यापक है और परिवार धर्म का हिस्सा है, जिसका आचरण करना चाहिए। काशी की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि काशी लघु भारत है और काशी के विकास से ही अन्य तीर्थ स्थलों और तीर्थ स्थलों से प्रदेश व देश का विकास संभव है। गुरु वंदन कार्यक्रम में हरीश वालिया, सुप्रिया जरिया, काजल गौतम, जीवन खन्ना आदि की मौजूदगी रही।

संपादकीय

आत्महत्याओं का कोटा

इस साल 27 अगस्त तक कोटा, राजस्थान के कोचिंग संस्थानों में 23 युवा छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह सिलसिला कहीं थमेगा अथवा धीमा होगा, ऐसे आसार नहीं हैं। कोटा के धंधेबाज संस्थान आत्महत्या के केंद्र बन चुके हैं। छात्रों को किसी भी तरह की काउंसलिंग नहीं है और न ही आत्महत्या रोकने के मानसिक उपाय किए गए हैं। गंभीर, प्रेरक भाषण भी नहीं हैं, ताकि मनःस्थिति बदल सके। बेशक राज्य स्तरीय समिति का गठन कर लें या युवा छात्रों के लिए विशेष थाने बना लें, आत्महत्या के बुनियादी कारण घर से ही शुरू होते हैं। पिता को लाखों रुपए का जुगाड़ करना पड़ता है अथवा कर्ज लेना पड़ता है। माता-पिता अपने किशोर बच्चों पर अपने सपने थोपना चाहते हैं। उसी तनाव में घिरा छात्र हॉस्टल में अकेला और बंद महसूस करता है। संस्थान की घरेलू परीक्षाओं में जब वह पिछड़ जाता है या नाकाम रहता है, तो एकमात्र विकल्प आत्महत्या ही मन में उभरता है। सिर्फ डॉक्टर या इंजीनियर ही सुरक्षित करियर नहीं हैं। हमने डॉक्टरों की मंदी प्रैक्टिस देखी है और इंजीनियरों को बेरोजगार देखा है। उनके अलावा, असंख्य ऐसे पेशे हैं, जहां धन और प्रतिष्ठा दोनों ही बेहतर हैं। एक अंधी भेड़चाल ने भी हमारे युवा छात्रों को आत्महंता बना दिया है। कोटा के कोचिंग संस्थानों में आने वाले छात्रों को कमोबेश इतनी जानकारी तो होगी कि सफलता और चयन की दर कितनी है! फिर भी वे इन संस्थानों की तरफ भागे चले जा रहे हैं, तो हम छात्रों को ही दोषी करार देंगे। यदि छात्र डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन पाए, तो जिंदगी समाप्त नहीं होगी। बहरहाल 2020 में भारत में 12,500 से अधिक किशोर छात्रों ने आत्महत्या की। यह आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का है। यकीनन यह बेहद डरावना आंकड़ा है। कोटा के 10 प्रमुख कोचिंग संस्थानों में करीब 2 लाख छात्र प्रवेश लेते हैं। अध्यापकों की संख्या करीब 4000 है। हॉस्टल भी करीब 4000 हैं और पेइंग गेस्ट करीब 40,000 हैं, लेकिन औसतन हररोज 34 छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। इसके कई घरेलू और मनोवैज्ञानिक कारण भी हो सकते हैं। छात्र घर से ही तनाव ढोकर संस्थान तक आता है। संस्थानों की व्यवस्था भी तनावग्रस्त है। दरअसल 16-18 साल का किशोर इतना नहीं सोच सकता कि आत्महत्या के बाद उसके माता-पिता की मनःस्थिति क्या होगी? कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिनमें बेटे-बेटी की आत्महत्या के बाद पिता ने भी जान गंवा दी। इससे किसी भी पक्ष को हासिल क्या हुआ? दरअसल ये कोचिंग संस्थान भी पेशेवर दुकानदारी हैं। वे 10-15 ऐसे छात्रों को प्रवेश देते हैं, जो अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे अंकों के साथ सफल हो सकते हैं। उन छात्रों के सचित्र विज्ञापन अखबारों के पहले पन्ने पर छपते हैं, लिहाजा कारोबार फलता-फूलता है। शेष छात्र संस्थानों के मोटे राजस्व के स्रोत होते हैं। वे फेल हो जाते हैं अथवा आत्महत्या कर लेते हैं। यह संपूर्ण व्यवस्था ही असमान और गैर-पेशेवर है। चूंकि बीते दिनों दो छात्रों ने आत्महत्या की है, लिहाजा उसके बाद प्रशासन और सरकार कुछ हरकत में आए हैं। संस्थानों के स्तर पर तय किया गया है कि रविवार को परीक्षा नहीं होगी। हरेक बुधवार को अवकाश रहेगा, ताकि छात्र मौज-मस्ती कर सकें। फिलहाल दो माह तक कोई भी परीक्षा नहीं ली जाएगी। बीती 18 अगस्त को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य स्तरीय समिति की बैठक ली थी। उसमें संस्थानों के बारे क्या अध्ययन किया गया, संस्थानों की व्यावसायिक गतिविधियों और प्रवृत्तियों को लेकर उन पर क्या ठोस कार्रवाई की गई, इनकी जानकारी पूरी तरह उपलब्ध नहीं कराई गई। दरअसल यह घरेलू और मनोवैज्ञानिक समस्या है। संस्थानों की दुकानदारी तब सामने आएगी, जब छात्र वहां प्रवेश लेंगे और डॉक्टर-इंजीनियर बनने की अंधी दौड़ में शामिल होंगे। बेशक मेडिकल और इंजीनियर की पढ़ाई और परीक्षाएं कठिन होती हैं, लेकिन अध्यापक और प्रेरक, विशेषज्ञ वक्ता छात्रों को बार-बार समझा सकते हैं कि इन्हें चुनौती की तरह लें। किताबी-कीड़ा बनने से लक्ष्य हासिल नहीं किए जा सकते। सरकार में बैठे नीति-निर्माता मंथन करें और जांच कराएं कि निजी संस्थान इतने महंगे क्यों हैं? छात्रों से इतना पैसा किस मद के तहत वसूला जा रहा है? उनकी व्यवस्थाएं बदलें या संस्थानों की मान्यता रद्द करें। कुल मिला कर हमारे युवा बच्चे देश की ताकत हैं।

कोटा के धंधेबाज संस्थान आत्महत्या के केंद्र बन चुके हैं। छात्रों को किसी भी तरह की काउंसलिंग नहीं है और न ही आत्महत्या रोकने के मानसिक उपाय किए गए हैं। गंभीर, प्रेरक भाषण भी नहीं हैं, ताकि मनःस्थिति बदल सके। बेशक राज्य स्तरीय समिति का गठन कर लें या युवा छात्रों के लिए विशेष थाने बना लें, आत्महत्या के बुनियादी कारण घर से ही शुरू होते हैं। पिता को लाखों रुपए का जुगाड़ करना पड़ता है अथवा कर्ज लेना पड़ता है। माता-पिता अपने किशोर बच्चों पर अपने सपने थोपना चाहते हैं। उसी तनाव में घिरा छात्र हॉस्टल में अकेला और बंद महसूस करता है। संस्थान की घरेलू परीक्षाओं में जब वह पिछड़ जाता है या नाकाम रहता है, तो एकमात्र विकल्प आत्महत्या ही मन में उभरता है। सिर्फ डॉक्टर या इंजीनियर ही सुरक्षित करियर नहीं हैं। हमने डॉक्टरों की मंदी प्रैक्टिस देखी है और इंजीनियरों को बेरोजगार देखा है। उनके अलावा, असंख्य ऐसे पेशे हैं, जहां धन और प्रतिष्ठा दोनों ही बेहतर हैं।

कुछ अलग

बिसात या बरसात के प्रश्न

पहली बार मानसून सत्र को इंतजार है मानसून का। आपदा के गहन संताप के बाद हिमाचल विधानसभा का आगामी सत्र का ऊंट किस करवट बैठता है, देखना होगा। अठारह से 25 सितंबर तक की सात बैठकों का मसौदा अगर विचार-विमर्श के स्तर को ऊंचा रख पाया, तो मालूम हो जाएगा कि राजनीति ऐसे मामलों में कितनी संवेदनशील है। यह हिमाचल को फिर से समझने का अवसर है और गैर राजनीतिक तौर पर यह जानने का मौका भी कि हम विपरीत परिस्थितियों में कितने सहज व सक्षम हैं। कम से कम अब तक आपदा की चीखों के बीच राजनीति के अपने ढोल बजते रहे हैं। नुक्ताचीनी में विपक्ष के आरोप और सत्ता के समाधान कहीं न कहीं भिड़ते रहे हैं, जबकि सदी की सबसे बड़ी त्रासदी के बीच सुक्खू सरकार की प्रयत्नशीलता की सराहना हुई है। ऐसे में प्रदेश खुद पर कितने अंकुश लगा पाता है या राहत एवं बचाव कार्यों के दृष्टिगत सियासत किस कद्र बदल जाती है, इसका अंदाजा विस सत्र में जरूर होगा। जिन्हें सत्ता की मलाई में श्रेष्ठता की दरकार है या जिन्हें विपक्षी जुबान में स्कोर अर्जित करने की जल्दी है, क्या वह प्रतिस्पर्धा कुछ समय के लिए रुकेगी। बुरे दौर की तमाम निशानियों के बीच जनता को सुखद एहसास का इंतजार है। उठकर संभलने के लिए जिस आत्मबल की जरूरत है, उसका जिक्र विधानसभा का सत्र कर सकता है। हालांकि आपदा के दौरान ही विशेष सत्र की मांग उठी थी, लेकिन सरकार ने सर्वप्रथम खुद से खुद का हिसाब किया और तमाम फौरी जरूरतों में सुधार की प्रक्रिया को अहमियत दी। जाहिर तौर पर प्रदेश के कई आर्थिक मुहाने टूटे हैं, बाजारों में मंदी के बादल उभर आए हैं, लेकिन हिमाचल के अपने खर्चे बढ़ रहे हैं। ऐसे में सत्ता से सवाल पूछने वाले विपक्ष की बिसात अलग बात है, लेकिन इस बार बरसात के प्रश्नों पर यह सोच भी सामने आएगा कि जिन्हें हम चुनकर विधानसभा में भेजते हैं, वे विपरीत परिस्थितियों में कितने आविष्कारी हैं। क्या इन्हें अतीत की खामियां नजर आएंगी या भविष्य के प्रति नई संवेदना का आगाज करेंगे। सवाल तो स्कूलों की वार्षिक छुट्टियों को लेकर भी हो सकता है, क्योंकि जिस दर्रे से विभाग इनकी घोषणाएं करता रहा है, वे बुरी तरह असफल हुई हैं। हमारी आपदा की तैयारियां बुरी तरह असफल हुईं, तो विकास के कई मॉडल टूट कर गिरे, तो क्या हमारे जनप्रतिनिधि अपने तौर पर इनका विश्लेषण कर पाएंगे। यहां मसला हिमाचल के अधिकारों और केंद्र की दृष्टि का भी है। क्या भाजपा केंद्र की अपनी सरकार का बचाव करती हुई मानसून सत्र गुजार देगी या किसी नई पहल के उद्गार प्रकट करेगी। इसमें दो राय नहीं कि आम आदमी को भी मालूम हो चुका है कि बरसात ने प्रदेश को बुरी तरह लील दिया है और दस हजार करोड़ की हानि को पाटने के लिए केंद्र से अभी कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं मिला है, बल्कि बारिश में भी बड़े बांधों में पानी की पूर्ण क्षमता को सहेज कर हिमाचल के हिस्से में छोड़ा गया पानी कहर बन कर टूटा है। पानी की कैद में हिमाचल पर बरसी दुख की बूंदें केवल हिमाचल की तो नहीं थीं, फिर बहस के कटोरे भीख के पात्र तो नहीं हो सकते। हिमाचल की प्राकृतिक विनाश लीला का अवलोकन करने कौन आया। कल तक हिमाचल में या चुनाव से पूर्व प्रधानमंत्री के रोड शो जिस प्रदेश की गर्दन उठाते थे, क्या सत्ता गंवाते ही गर्दन घूम गई।

भारत को वर्ष 2016 से वर्ष 2021 के बीच 230 करोड़ ब्रिटिश पाउंड की राशि आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गई है

भारत के प्रति पश्चिमी देशों को बदलना होगा अपना नजरिया

प्रहलाद सबनानी

अंततः भारत चल पड़ा है विश्व गुरु बनने की राह पर। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ विघ्नसंतोषी जीवों को शायद यह रास नहीं आ रहा है क्योंकि भारत, ब्रिटेन का कभी औपनिवेशिक देश रहा है और इन देशों की नजर में यह कैसे हो सकता है कि ब्रिटेन के चन्द्रमा पर पहुंचने के पूर्व ही उनका एक पूर्व औपनिवेशिक देश अपना चन्द्रयान-3 सफलता पूर्वक चन्द्रमा पर उतार ले। भारत, पूरे विश्व में, पहिला देश है जिसने चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सलतापूर्वक उतार लिया है। अन्यथा, विश्व का कोई भी देश, अमेरिका, रूस एवं चीन सहित, अभी तक चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर अपना यान उतारने में सफल नहीं हो सका है। निश्चित ही भारत की यह सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के समस्त देशों के लिए गर्व का विषय होना चाहिए। यदि चन्द्रयान-3 अपने उद्देश्यों में सफल हो जाता है जैसे चन्द्रमा पर पानी उपलब्ध है अथवा नहीं, चन्द्रमा पर किस प्रकार के खनिज पदार्थ (सोना, प्लेटिनम, टाइटेनियम, यूरेनियम, आदि), रासायनिक पदार्थ, प्राकृतिक तत्व, मिट्टी एवं अन्य तत्व पाए जाते हैं, आदि का पता लगने पर क्या इस जानकारी का लाभ केवल भारत को ही होने जा रहा है अथवा क्या विश्व के अन्य देश भी इस जानकारी का लाभ उठा सकने की स्थिति में नहीं होंगे। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ तत्व भारत की इस महान उपलब्धि को सकारात्मक दृष्टि से न देखते हुए इस संदर्भ में अपनी नकारात्मक सोच को आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे है, और सम्भव है कि भारत के प्रति उनकी यह नकारात्मक सोच इन देशों के लिए भविष्य में हानिकारक सिद्ध हो। विशिष्ट वर्ग के दो नागरिक एक कक्ष (केबिन) में बैठे हैं एवं इनमें से एक संभ्रात व्यक्ति एक अखबार में भारत के मंगल मिशन के सम्बंध में जानकारी पढ़ रहा है। इस कक्ष के बाहर भारतीय गरीब किसान के रूप में एक गाय को लेकर एक व्यक्ति दरवाजे के बाहर खड़ा है, जो दरवाजे पर दस्तक देता हुआ दिखाई दे रहा है। इस कार्टून से ऐसा महसूस कराए जाने का प्रयास किया जाता प्रतीत हो रहा है कि जैसे एक गरीब भारत देश, पश्चिमी देशों से अपने मंगल मिशन के लिए सहायता मांग रहा हो। संभवतः भारत के चन्द्रयान-3 की सफलता को पश्चिमी देशों में कुछ तत्व पचा नहीं पा रहे हैं। एक ब्रिटिश पत्रकार पेट्रिक क्रिस्टी ने भारत को चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सफलता पूर्वक उतारे जाने की बधाई देते हुए यह मांग की है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को उपलब्ध कराई जा रही आर्थिक सहायता राशि को वापिस लिया जाना चाहिए क्योंकि उसके अनुसार चूंकि भारत की आधी आबादी गरीबी का जीवन जी रही है अतः ब्रिटेन द्वारा भारत को दी जा रही आर्थिक सहायता राशि का उपयोग भारत में गरीबी मिटाने के उद्देश्य से न किया जाकर अंतरिक्ष में अपने चन्द्रयान भेजने के लिए किया जा रहा है। इस ब्रिटिश पत्रकार का दावा है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को वर्ष 2016 से वर्ष 2021 के बीच 230 करोड़ ब्रिटिश पाउंड की राशि आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गई है। उक्त पत्रकार का यह भी कहना है कि यदि भारत अपने राकेट को अंतरिक्ष में भेज रहा है तो भारत को ब्रिटेन के पास कटोरा लेकर मदद के लिए नहीं आना चाहिए। जबकि इस संदर्भ में वास्तविकता यह है कि भारत कभी भी ब्रिटेन के पास आर्थिक सहायता मांगने के लिए गया ही नहीं है। इस संदर्भ में ब्रिटेन द्वारा सरकारी तौर पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ब्रिटेन ने भारत को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई हैं परंतु ब्रिटेन ने वर्ष 2015 के बाद से भारत में व्यवसाय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निवेश जरूर किया है ताकि भारत के बाजार में ब्रिटेन का योगदान बढ़ सके एवं ब्रिटेन के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें। यह भी एक वास्तविकता है कि भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इस संदर्भ में हाल ही में भारत ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए अपनी अर्थव्यवस्था को आकार में ब्रिटेन से भी बड़ी अर्थव्यवस्था बना लिया है। परंतु, कुछ ब्रिटिश राजनीतिज्ञ एवं पत्रकार इस तथ्य को स्वीकार ही नहीं कर पा रहे हैं और वे अपनी साम्राज्यवादी सोच से भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे तत्व आज भी भारत को अपनी एक कालोनी (उपनिवेश) के रूप में ही देख रहे हैं और सोच रहे हैं कि भारत कैसे ब्रिटेन से पहिले चन्द्रमा पर पहुंच सकता है। जबकि आज वस्तुस्थिति यह है कि ब्रिटेन की आर्थिक हालत इतनी अधिक खराब हो गई है कि ब्रिटेन के नागरिकों को अपने बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है। पश्चिमी देशों को अब यह समझना होगा कि यह 21वीं सदी है एवं वैश्विक पटल पर भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए आगे बढ़ चुका है। यह पश्चिमी देशों के हित में ही होगा कि वे भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनें एवं अपने आर्थिक हितों को भी बल प्रदान करें, इस बात को जितनी जल्दी समझें उनके लिए उतना ही अच्छा है क्योंकि अन्यथा वे स्वयं के आर्थिक हितों को नुक्सान ही पहुंचा रहे होंगे। क्या ब्रिटेन इस बात को भूल गया है कि औपनिवेशक खंडकाल में उसने भारत पर शासन के दौरान वर्ष 1765 से लेकर वर्ष 1938 तक भारत से 45 लाख करोड़ पाउंड की लूट की है (यह तथ्य एक अधय्यन प्रतिवेदन में सामने आया है), हो सकता है यह राशि और भी अधिक रही हो। परंतु, उक्त राशि भी ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का 15 गुणा है। उक्त राशि को ब्रिटेन द्वारा भारत को लौटाए जाने पर भी विचार किया जाना चाहिए। ब्रिटेन द्वारा भारत में की गई भारी लूट के बावजूद भारत एक बार पुनः अब अपने पैरों पर खड़ा हो चुका है एवं भारत को अपने मिशन चन्द्रमा ग्रह, मिशन मंगल ग्रह एवं मिशन सूर्य ग्रह पर पश्चिमी देशों के दर्शन की आवश्यकता नहीं है। भारत को वैसे भी अब अंतरिक्ष के क्षेत्र में नित नयी सफलता की कहानियां गढ़ने की आदत पड़ चुकी है, और फिर चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर चन्द्रयान-3 को सफलता पूर्वक उतारना तो एक शुरुआत भर है। भारत का मिशन चन्द्रयान-3 तुलनात्मक रूप से बहुत किफायती रहा है। इस पूरे मिशन पर केवल लगभग 615 करोड़ रुपए की लागत आई है, जबकि अन्य देशों यथा अमेरिका, रूस एवं चीन की इस तरह के मिशनों पर हजारों करोड़ रुपए की लागत आती रही है। साथ ही, चन्द्रयान-3 ने 14 जुलाई 2023 को आन्ध्रप्रदेश के श्रीहरीकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपनी यात्रा प्रारम्भ की थी और केवल 41 दिनों के बाद, 23 अगस्त 2023 को चन्द्रयान-3 ने चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सफलता पूर्वक अपनी लैंडिंग सम्पन्न कर एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। इसरो ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग के लिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को इसलिए चुना क्योंकि सूर्य द्वारा कम प्रकाशित होने के संबंध में दक्षिणी ध्रुव को एक विशिष्ट लाभ प्राप्त है। इसरो के अध्यक्ष इस सम्बंध में कहते हैं कि चंद्रमा मिशन पर कार्य कर रहे वैज्ञानिकों ने दक्षिणी ध्रुव में बहुत रुचि दिखाई क्योंकि अंततः मनुष्य वहां जाकर उपनिवेश बनाना चाहते हैं और फिर उससे आगे की यात्रा करना चाहते हैं। इसलिए इसरो चन्द्रमा पर सबसे अच्छी जगह की तलाश कर रहा हैं और चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव में वह क्षमता है। चन्द्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर के पास दो उपकरण हैं, दोनों चंद्रमा पर मौलिक संरचना के निष्कर्षों के साथ-साथ रासायनिक संरचनाओं से संबंधित हैं। अतः यह चन्द्रमा की सतह पर चक्कर लगाकर उक्त विषयों पर जानकारी भारत को उपलब्ध कराएगा। वैसे भी देखा जाय तो अमेरिका के अंतरिक्ष केंद्र नासा में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के इंजीनियर्स कार्यरत हैं जबकि भारत के अंतरिक्ष केंद्र इसरो में सम्भवतः एक भी अमेरिकी इंजीनियर कार्यरत नहीं है।

भारत, पूरे विश्व में, पहिला देश है जिसने चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सलतापूर्वक उतार लिया है। अन्यथा, विश्व का कोई भी देश, अमेरिका, रूस एवं चीन सहित, अभी तक चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर अपना यान उतारने में सफल नहीं हो सका है। निश्चित ही भारत की यह सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के समस्त देशों के लिए गर्व का विषय होना चाहिए। यदि चन्द्रयान-3 अपने उद्देश्यों में सफल हो जाता है जैसे चन्द्रमा पर पानी उपलब्ध है अथवा नहीं, चन्द्रमा पर किस प्रकार के खनिज पदार्थ (सोना, प्लेटिनम, टाइटेनियम, यूरेनियम, आदि), रासायनिक पदार्थ, प्राकृतिक तत्व, मिट्टी एवं अन्य तत्व पाए जाते हैं।

स्टार्टअप को तरजीह दें युवा

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में वास्तव में अच्छा कर रहा है। उन्होंने कहा है कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), जो देश में उत्पादित हर चीज का कुल मूल्य है, बहुत बढ़ गया है। 2023 में यह 3.75 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो कि 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर से एक बड़ी छलांग है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह भी जिक्र किया है कि भारत की अर्थव्यवस्था इतनी बढ़ी है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की रैंकिंग में ऊपर चली गई है। यह 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हुआ करती थी, लेकिन अब यह 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। भारत ने पिछले साल यूके को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का तमगा हासिल किया था। अब भारत से बड़ी अर्थव्यवस्था सिर्फ चार देशों की है। ये देश हैं अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक ट्वीट के जरिए भारत की अर्थव्यवस्था के बारे में कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने कहा कि भारत की जीडीपी बहुत बढ़ गई है। 2023 में यह 3.75 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई, जो 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर के मुकाबले बड़ी वृद्धि है। इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है, जो पहले 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। इस अद्भुत प्रगति के कारण लोग अब भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में 'ब्राइट स्पॉट' कह रहे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि भारत की जीडीपी वित्तीय वर्ष 2022-23 के आखिरी तीन महीनों में 6.1 प्रतिशत बढ़ी है। पूरे वित्तीय वर्ष एफवाई-23 के लिए, विकास दर 7.2 फीसदी थी जो अपेक्षा से अधिक है। यह अच्छी खबर है क्योंकि इससे पता चलता है कि देश की अर्थव्यवस्था अच्छा कर रही है और मजबूत हो रही है। इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र मजबूत हैं और चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। पिछली तिमाही में, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को बुनियादी ढांचे में निवेश और वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में वृद्धि से मदद मिली। आगामी वर्ष में अर्थव्यवस्था की वृद्धि लगभग 6.5 फीसदी रहने की उम्मीद है। आने वाले वित्त वर्ष में देश के भीतर स्थितियां आर्थिक वृद्धि के अनुकूल हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोग खरीददारी और व्यवसायों में निवेश करने पर अधिक पैसा खर्च कर रहे हैं। नतीजतन, यह उम्मीद की जा रही है कि अर्थव्यवस्था का विकास जारी रहेगा। सच यही है कि भारतीय अर्थव्यवस्था नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में सकारात्मक संकेत दे रही है। यह क्रय प्रबंधकों के सूचकांक, जैसे विभिन्न संकेतकों द्वारा इंगित किया गया है, जो विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के प्रदर्शन को मापता है। इसके अतिरिक्त घरेलू हवाई यात्रा, माल के परिवहन और ईंधन की खपत जैसी गतिविधियों में वृद्धि हुई है। ये सभी अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत हैं। अभी के मेगाट्रेंड्स के मुताबिक भारत के पास अपनी मजबूत घरेलू मांग, डिजिटलीकरण, वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा टैलेंट पूल, वित्तीय समावेशन, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता इसे सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बनाए रखेगा। इस समय व्यापक आर्थिक स्थिरता, व्यापार के लिए नियमों को उदार बनाना, ऊर्जा क्षेत्र में सुधार भारत के आर्थिक लचीलेपन की कुंजी है। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अनेक प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है जो अगले दशक में भारत के विकास को परवान चढ़ाएंगे। इसी साल यानी कि 2023 में भारत जनसंख्या बल के मामले में चीन को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक कार्यबल में सबसे बड़ा योगदान देने वाला देश बन जाएगा। भारत का मजबूत सेवा निर्यात पिछले दो दशकों में 14 प्रतिशत बढक़र 2021-22 में 254.5 बिलियन डॉलर का हो गया है। वर्ष 2021-22 में 157 बिलियन डॉलर के साथ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) सेवाओं के निर्यात का एक बड़ा हिस्सा है। यह वृद्धि भारतीय मुख्यालय और वैश्विक आईटी कंपनियों दोनों द्वारा संचालित है। देश में डिजिटलीकरण के जरिए शासन में तीव्र गति से सुधार, वित्तीय समावेशन और नए बाजारों तक पहुंचने और नए उत्पादों और सेवाओं को बनाने के लिए निजी निवेशकर्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इस समय यूपीआई इंटरफेस की सुविधा ने भारतीयों के लेन-देन करने के व्यवहार में मौलिक परिवर्तन लाया है, जिसके कारण कैशलेस और पेपरलेस लेनदेन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा भारत में ब्रॉडबैंड का उपयोग भी तेज गति से बढ़ रहा है। पिछले पांच वर्षों में मोबाइल ब्रॉडबैंड (एमबीबी) ग्राहकों की संख्या 345 मिलियन से बढक़र 765 मिलियन हो गई है। पिछले छह वर्षों में भारत में स्टार्टअप का विकास एक उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है। भारत वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप के तीसरे सबसे बड़े देश के रूप में उभरा है। भारत में पीई/वीसी निवेश वित्तीय वर्ष 2021-22 में रिकॉर्ड $82 बिलियन डालर के स्तर तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में इन फंडों की 42.5 बिलियन डॉलर की सफल निकासी भी हुई है, जो आगे भारत में निवेश के बढ़ते विश्वास को प्रदर्शित करता है। बेहतर होगा कि हमारे युवा नौकरी पर स्टार्टअप शुरू करने को तरजीह दें।

इस समय यूपीआई इंटरफेस की सुविधा ने भारतीयों के लेन-देन करने के व्यवहार में मौलिक परिवर्तन लाया है, जिसके कारण कैशलेस और पेपरलेस लेनदेन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा भारत में ब्रॉडबैंड का उपयोग भी तेज गति से बढ़ रहा है। पिछले पांच वर्षों में मोबाइल ब्रॉडबैंड (एमबीबी) ग्राहकों की संख्या 345 मिलियन से बढक़र 765 मिलियन हो गई है। पिछले छह वर्षों में भारत में स्टार्टअप का विकास उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है। भारत वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप के तीसरे सबसे बड़े देश के रूप में उभरा है। भारत में पीई/वीसी निवेश वित्तीय वर्ष 2021-22 में रिकॉर्ड $82 बिलियन डालर के स्तर तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में इन फंडों की 42 .5 बिलियन डॉलर की सफल निकासी भी हुई है, जो आगे भारत में निवेश के बढ़ते विश्वास को प्रदर्शित करता है।

दृष्टिकोण

बिन मसाले सब सून...

हफ्ते बाद गांव से शहर आया तो अपने पड़ोसी के टेरस पर मसालों का खेत देख दंग रह गया। उनके टेरस को खेत में बदला देख लग रहा था ज्यों मैं अभी भी गांव में ही हूं। इस वक्त मैं कहां हूं, यह जानने के लिए मैंने अपने दिमाग पर थप्पड़ मारा तो शहर की गंदे विचार फेफड़ों में जा घुसे तो तब जाकर मुझे पता चला कि तू गांव में नहीं, शहर आ गया है पगले। टेरस पर उन्होंने मिर्च, जीरा, धनिया, बड़ी इलाइची और भी पता नहीं क्या क्या फूलों को गमलों से निष्कासित कर लगाया हुआ था। मिर्च, जीरे की बात तो समझ आ रही थी, पर धनिया, मेथी...माजरा समझ में नहीं आ रहा था। अभी मैं उनके खेत हुए टेरस को कृषि विज्ञानी की तरह हर एंगल से जिज्ञासु नजरों से निहार ही रहा था कि एकाएक वे स्प्रे वाला पंप पीठ में उठाए केजुअल किसान की तरह लस लस हुए प्रगट हुए तो दंग रह गया। 'ये क्या वर्मा जी! टेरस पर योगा की जगह मिर्च मसाले? अब योगा कहां होगा?' 'योगा को मारो गोली यार! शारीरिक फिटनेस से जरूरी जीभ की फिटनेस होती है बंधु! यह जीवन मसालों के बिना शून्य है। देखते नहीं, मसालों के दाम आसमान छू रहे हैं। मसाले के बिना समाज में कुछ नहीं चलता। न जीभ, न राजनीति। फिल्में तो बिल्कुल भी नहीं। सद्साहित्य में भी जो मसाला न डाला जाए तो उसे भी कोई नहीं पूछता। इसलिए कुशल बावर्ची को अपना मन मारकर सात्विक भोजन में भी चोरी छुपे मसाला पाना ही पड़ता है, तब जाकर सात्विक भोजन सात्विक होता है। जो बिन मसालों की सीधी सच्ची बातें करते हैं, वे आदर्श होकर भी भूखों मरते हैं। मसाले केवल मसाले नहीं, टमाटर, अदरक की तरह स्टेटस सिंबल भी होते हैं। किचन से दाल में मसाले की बास न आए तो लानत है ऐसी रसोई को। इसलिए समझदार की किचन में दाल हो या न हो, पर मसाल्के जरूर होने चाहिएं। जो आज बाजार से जीरा, धनिया लाता है, वह मुहल्ले में पूजा जाता है।' फिर वे बड़ी इलाइची के पौधे को पुचकारते आगे बोले, 'वाह! क्या एंग्री जीरे, मेथी के पौधे हैं', देखते ही देखते उनके पूरे बदन से जीरे की खुशबू आने लगी। 'पर जितने को इनमें जीरा, बड़ी इलाइची लगेंगे, उतने को तो हो सकता है कि...।' 'हो सकता है तब जीरा, बड़ी इलाइची के रेट और भी आसमान छू रहे हों। अच्छे दिनों के सपने देखो मियां! अच्छे दिनों के! तुम भी क्या...बंधु! न बाजार में जीरा, बड़ी इलाइची आंखें तरेरते और न यह योग करने वाला टेरेस मसालों के पौधों के खेत में बदलता', कह उन्होंने कीटनाशक से भरे बीस लीटर के स्प्रे पंप की नोजल मेरी ओर की तो मैंने अपने को बचाने की भरपूर कोशिश की। पानी, दूध से लेकर आटा, दाल तो सब कीटनाशकों वाला ही खा पी रहा हूं, पर वह सीधा नहीं पेट में नहीं जा रहा। पर बंधु तो अब मुझ पर सीधी स्प्रे करने को उतारू हो गए। 'बंधु ये क्या? मसाले के पौधे इधर नहींस उधर हैं। घर में तो कम से ऑर्गेनिक उगा लेते।' 'ऑर्गेनिक खाऊंगा तो बीमार नहीं हो जाऊंगा! फिर लगाते रहो अस्पताल के चक्कर पर चक्कर! और वहां डॉक्टर कंपनियों से सांठ गांठ कर दवा ऐसी लिखें कि न मरीज मरे, न जिए। बस, दवाइयों की फैक्टरी चलती रहे। अब तो वेदनाओं से लेकर संवदेनाओं तक सबको कीटनाशकों का स्प्रे हुआ खाने पीने की आदत हो गई है बंधु!' बात तो एकदम सोलह आने सच थी। आखिर उन्होंने अपने स्प्रे पंप की नोजल दूसरी ओर की तो मेरी सांस में सांस आई। कुछ देर सांस लेने के बाद मैंने कहा, 'बंधु! मिर्च, जीरा, बड़ी इलाइची तो समझ में आ रहे हैं, पर ये धनिया, मेथी?' 'जीभ के रसिकों के बाजार में कब कौन सा मसाला महंगा हो जाए, कुछ नहीं कहा जा सकता। बस, इसीलिए अभी से भविष्य की मसाला महंगाई से लडऩे की रणनीति पर काम कर रहा हूं, ताकि...।' सोचा न था अपने पांव के पास देखने वाले बंदे को मिर्च, मसाले के भाव इतना दूरदर्शी बना देंगे।

देश दुनीया से

प्रदेश में तबाही का सिलसिला

हिमाचल प्रदेश में बाढ़-भूस्खलन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर और चंबा जिले बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं, किन्तु तबाही कांगड़ा में भी बहुत हुई है। वैसे तो पूरा हिमाचल ही तबाही की चपेट में है। सब कोई हैरान है कि आखिर यह हो क्या रहा है। गांव के गांव तबाह हो रहे हैं। जहां सोच भी नहीं सकते, वहां भी तबाही के बादल छाए हैं। 369 से ज्यादा अमूल्य जीवन इस आपदा में काल का असमय ग्रास बन चुके हैं और 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति नष्ट हो चुकी है। दो हजार के लगभग घर पूरे तबाह, 9 हजार के लगभग आंशिक तबाह हो गये हैं। बादल फटने की घटनाओं से प्रदेश दहल गया है। भारी बारिश और बादल फटने की घटना में तकनीकी रूप से कुछ अंतर होता है। जब एक छोटे 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या इससे ज्यादा बारिश हो जाए तो उसे बादल फटना कहते हैं। हालांकि बादल फटने की पूर्व चेतावनी पूरी तरह से संभव नहीं है, फिर भी 12 घंटे पहले तक भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी संभव हो गई है। यह चेतावनी एक बड़े क्षेत्र के लिए होती है, सटीक स्थल की पहचान न होने के कारण मोटी सावधानी तो ली जा सकती है, किन्तु घर के अंदर बैठे बिठाए मुसीबत सिर पर आ जाए तो बचना कितना कठिन होता है, इसका अंदाजा भी लगाया नहीं जा सकता है। हम वैश्विक तापमान वृद्धि के दौर से दो चार हो चुके हैं, जिसके कारण जलवायु में अभूतपूर्व बदलाव आ रहे हैं। बारिशों का तरीका भी बहुत बदल गया है। कभी सूखा और कभी भारी बारिश। थोड़े समय में इतना पानी गिर जाता है जिसके बारे में सोच भी नहीं सकते। जुलाई की 255.9 मिलीमीटर औसत वर्षा के मुकाबले प्रदेश में 437 मिलीमीटर बारिश हुई। सिरमौर में सबसे ज्यादा 1097.5 मि.मी. बारिश हुई और किन्नौर में 199 फीसदी औसत से ज्यादा बारिश हुई। कुल्लू में 476 मि. मी., मंडी में 546 मि. मी., शिमला में 584.6 मि. मी., सोलन में 735.7 मि. मी. वर्षा जुलाई मास में रिकार्ड की गई। अधिकांश जिलों में यह आज तक का अधिकतम है। लाहुल-स्पीति और कांगड़ा को छोड़ कर सभी जिलो में औसत से अत्यधिक बारिश हुई। हालांकि अगस्त में कांगड़ा में भी भारी बारिश में कई जगह बादल फटने जैसे हालात बने हैं। विधानसभा सीट जवाली के कोटला में गांव के ऊपर बादल फटने से बीस पच्चीस घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में हिमालय जैसी नाजुक और विकट पर्वत श्रृंखला में बहुत ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। खासकर बांध, सडक़ निर्माण और भवन निर्माण में बहुत सावधानी की जरूरत है, किन्तु हो इससे उल्टा रहा है। मनमर्जी से हर कहीं घर बनाए जा रहे हैं, बांध निर्माण में हर नदी नाले को पूरी तरह से दोहन करने की दौड़ लगी है, और सडक़ निर्माण में हर घर तक सडक़ पहुंचाने के प्रयास हो रहे हैं। आवागमन की सुविधा हर नागरिक का अधिकार है, किन्तु हिमालय में सावधानी पूर्वक यह देखा जाना जरूरी है कि भूगर्भीय दृष्टि से यह कहां संभव नहीं है। जहां सडक़ें बनाई जा रही हैं वहां भूगर्भीय कारकों का कोई ध्यान नहीं रखा जाता है। सडक़ निर्माण के लिए पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त तकनीक क्या हो, इस दिशा में भी कोई ध्यान नहीं है। हर कहीं मनमर्जी से मलबा फेंक दिया जाता है। 90 डिग्री पर कटिंग की जा रही है, जबकि कटाई 'एंगल ऑफ रिपोज' पर की जानी चाहिए। जहां तक संभव हो सडक़ निर्माण 'कट एंड फिल' तकनीक से किया जाना चाहिए। जहां जहां फोरलेन का काम लगा है या जहां ग्रामीण सडक़ों के लिए मनमानी डंपिंग की गई है।

बादल फटने की घटनाओं से प्रदेश दहल गया है। भारी बारिश और बादल फटने की घटना में तकनीकी रूप से कुछ अंतर होता है। जब एक छोटे 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या इससे ज्यादा बारिश हो जाए तो उसे बादल फटना कहते हैं। हालांकि बादल फटने की पूर्व चेतावनी पूरी तरह से संभव नहीं है, फिर भी 12 घंटे पहले तक भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी संभव हो गई है। यह चेतावनी एक बड़े क्षेत्र के लिए होती है, सटीक स्थल की पहचान न होने के कारण मोटी सावधानी तो ली जा सकती है, किन्तु घर के अंदर बैठे बिठाए मुसीबत सिर पर आ जाए तो बचना कितना कठिन होता है, इसका अंदाजा भी लगाया नहीं जा सकता है।

ड्रग स्मगलिंग में शामिल लाहौर डीएसपी गिरफ्तार : हर खेप पर करोड़ों रुपए घूस लेता था, भारत भेजते वक्त ड्रोन क्रैश हुआ तो पकड़ा गया

लाहौर।
पाकिस्तान की एंटी नार्कोटिक्स फोर्स ने लाहौर पुलिस के एक डीएसपी को ड्रग्स स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कर लिया है। इसका नाम मजहर इकबाल है और ये लोकल ड्रग स्मगलर्स को ड्रोन के जरिए खेप भारत भेजने में मदद करता था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- डीएसपी हर खेप के 8 करोड़ पाकिस्तानी रुपए वसूलता था। लाहौर में पिछले दिनों एक ड्रोन क्रैश हुआ। इसमें 6 किलोग्राम ड्रग्स थे। जांच के दौरान एक स्मगलर का नाम सामने आया। इसने पूछताछ में डीएसपी के नाम का खुलासा कर दिया।

प्रधानमंत्री की फटकार के बाद जांच - लाहौर पुलिस की एंटी नार्कोटिक्स विंग इस मामले की जांच कर रही है। डीआईजी इमरान किश्वर ने माना कि ड्रग स्मगलिंग केस में डीएसपी मजहर इकबाल को गिरफ्तार किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक- कुछ दिन पहले यह मामला सामने आया था। इसे दबाने की कोशिश भी की गई, लेकिन केयरटेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार उल काकड़ ने सख्त रुख अपनाया तो पुलिस ने जांच शुरू की। एंटी नार्कोटिक्स फोर्स को भी शामिल किया गया। जांच के दौरान एक लोकल स्मगलर का नाम सामने आया। इससे पूछताछ हुई तो उसने डीएसपी इकबाल का नाम लिया। इकबाल को मामले की भनक लग चुकी थी, उसने इंट्रिम बेल हासिल करनी चाही, लेकिन नाकाम रहा। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। डीआईजी के मुताबिक- ये बेहद गंभीर मामला है। लिहाजा, पुलिस ने इंटरनल इन्वेस्टिगेशन के लिए एक हाईपॉवर कमेटी भी बना दी है। हम जानना चाहते हैं कि पाकिस्तान से भारत ड्रग्स स्मगलिंग कौन और कैसे कर रहा है। इसमें कितने सरकारी मुलाजिम शामिल हैं।

2 महीने छिपाए रखा मामला - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- ड्रग स्मगलिंग का यह केस इसी साल जुलाई के पहले हफ्ते में सामने आया था। उस वक्त पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में एक ड्रोन क्रैश हुआ था। पुलिस ने जब इसकी जांच की तो इसमें से 6 किलोग्राम ड्रग्स मिले। इनकी कीमत करीब तीन करोड़ पाकिस्तान रुपए थी। पुलिस ने हर लेवल पर मामला दबाने की साजिश रची। बाद में यह मामला प्रधानमंत्री तक पहुंचा और इसके बाद जांच शुरू हुई। जांच में पता लगा कि पाकिस्तान से ज्यादातर ड्रग्स ड्रोन्स के जरिए भारत भेजे जाते हैं। सबसे ज्यादा स्मगलिंग मेटाफार्मिन और हेरोइन की होती है। ड्रोन्स के जरिए ये खेप भारत के पंजाब राज्य के किसी दूर-दराज के गांव में उतारी जाती है। वहां लोकल हैंडलर इसे कलेक्ट कर लेते हैं।

न्यूज ब्रीफ

चीन से निपटने के लिए भारत-अमेरिका संबंध मजबूत करना जरूरी, बोले विवेक रामास्वामी

वाशिंगटन । अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्टपति चुनाव के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी का कहना है कि भारत और अमेरिका के मजबूत संबंध, अमेरिका की चीन और ताइवान पर निर्भरता खत्म कर सकते हैं।

उन्होंने भारत, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ मजबूत संबंधों का आह्वान किया। बता दें, पिछले हफ्ते राष्टपति पद के लिए प्राथमिक बहस आयोजित की गई थी। इसमें सभी उम्मीदवारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। बहस के बाद 38 वर्षीय रामास्वामी को समर्थन देने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है। भारतवंशी रामास्वामी ने मंगलवार को अपनी योजनाओं और विदेश नीति के विचारों को उजागर किया। इस दौरान उन्होंने निक्की हेली पर भी निशाना साधा। दरअसल, हेली ने विदेश नीति के मुद्दों पर रामास्वामी की अनुभवहीनता के लिए आलोचना की थी। रामास्वामी ने कहा कि अमेरिका आज चीन पर आर्थिक रूप से निर्भर है, लेकिन भारत के साथ मजबूत संबंधों की मदद से चीनी संबंधों से आजादी घोषित करना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अंडमान सागर में सैन्य संबंध समेत भारत के साथ मजबूत रणनीतिक संबंध भी रखने चाहिए। यदि आवश्यक हुआ तो भारत मलक्का जलडमरूमध्य को अवरुद्ध कर सकता है, जहां से वास्तव में चीन को अधिकतर पश्चिम एशियाई तेल की आपूर्ति मिलती है। इसलिए अमेरिका-भारत संबंधों में ये सुधार के वास्तविक क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि चीन-ताइवान पर आर्थिक निर्भरता कम करने के लिए दक्षिण कोरिया और जापान सहित अन्य सहयोगियों के साथ मजबूत साझेदारी करेंगे। उद्यमी से राजनेता बने रामास्वामी ने कहा कि जब तक अमेरिका सेमीकंडक्टर हासिल नहीं कर लेता, तब तक अमेरिका को ताइवान की सख्ती से रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका कुछ चीजों को लेकर ताइवान पर निर्भर है। इसलिए चीन को पूरी तरह से कब्जा नहीं करने दे सकते हैं।

यूक्रेन जंग के बाद पहली बार चीन जाएंगे पुतिनः बीआरआई फोरम में शामिल होंगे; आईसीसी के अरेस्ट वॉरंट के बाद उनका पहला विदेश दौरा

मॉस्को/बीजिंग। रूस राष्टपति पुतिन अक्टूबर में चीन के दौरे पर जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट की तरफ से अरेस्ट वॉरंट जारी होने के बाद ये उनक पहली विदेश यात्रा होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव फोरम के तहत अक्टूबर में होने वाले तीसरे फोरम में शामिल होंगे। जिनपिंग ने इसके लिए पुतिन को न्योता भेजा था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, क्रेमलिन काफी समय से पुतिन के दौरे की तैयारी कर रहा है। मामले में क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा- चीन और रूस के बीच अलग-अलग मुद्दों पर द्विपक्षीय बातचीत को लेकर प्लानिंग की जा रही है। जैसे ही कोई तारीख तय होगी, इसकी सूचना दी जाएगी। ये खबर ऐसे समय आई है, जब हाल ही में पुतिन ने जी20 समिट के लिए भारत आने से इनकार कर दिया था। पीएम मोदी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान रूसी राष्टपति ने कहा था- मैं समिट में शामिल नहीं हो पाऊंगा। मेरी जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव हिस्सा लेंगे। इससे पहले पुतिन साउथ अफ्रीका में हुए ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन में भी नहीं पहुंचे थे। हालांकि, उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समिट को एड्रेस किया था। दरअसल, 17 मार्च को रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ आईसीसी ने यूक्रेन में वॉर क्राइम के आरोप में अरेस्ट वारंट जारी किया था। उन पर यूक्रेनी बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोप लगे थे। अरेस्ट वारंट जारी करते हुए आईसीसी ने कहा था कि उसके पास यह मानने के लिए उचित आधार है कि पुतिन ने न सिर्फ इन अपराधों को अंजाम दिया, बल्कि इसमें दूसरों की भी मदद की। कोर्ट ने कहा था- पुतिन ने बच्चों के अपहरण को रोकने के लिए अपने अधिकारों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने बच्चों को डिपोर्ट करने वाले अन्य लोगों को रोका नहीं, कार्रवाई नहीं की। यूक्रेन के ह्यूमन राइट्स चीफ के मुताबिक, 13 महीने से चल रही इस जंग में अब तक करीब 16 हजार 226 बच्चों को डिपोर्ट किया जा चुका है। वॉरंट के बाद से पुतिन ने किसी भी देश का दौरा नहीं किया है। वहीं रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद से पुतिन सिर्फ सोवियत यूनियन का हिस्सा रहे अपने पड़ोसी देशों और ईरान के दौरों पर गए हैं। फरवरी में जंग की शुरुआत से पहले रूसी राष्टपति ने चीन की यात्रा की थी। वहीं जिनपिंग इस साल मार्च में रूस आए थे। इस दौरान उन्होंने जंग खत्म करने के लिए एक पीस प्लान भी पेश किया था, जिसकी पुतिन ने सराहना की थी। आईसीसी के अरेस्ट वॉरंट के तहत अगर पुतिन उसके सदस्य देशों का दौरा करते हैं तो वो हिरासत में लिए जा सकते हैं। इसी वजह से वो साउथ अफ्रीका नहीं गए थे क्योंकि ये देश आईसीसी का सदस्य है। हालांकि, भारत आईसीसी के सदस्य देशों में शामिल नहीं है।

इमरान की रिमांड बढ़ी, 13 सितंबर तक जेल में रहेंगे

सीक्रेट लेटर चोरी केस में कोर्ट का फैसला तोशाखाना केस में मिल चुकी है जमानत

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सीक्रेट लेटर चोरी (साइफर गेट केस) मामले में 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है। वो 13 सितंबर तक जेल में ही रहेंगे। ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत बनी स्पेशल कोर्ट ने बुधवार को ये फैसला सुनाया। इससे पहले इमरान को सरकारी खजाने (तोशाखाना) के तोहफे बेचने के मामले में बेल मिल गई थी। हालांकि, फिर भी वो जेल से रिहा नहीं हो सके थे। इसकी वजह ये थी कि उनके खिलाफ सीक्रेट लेटर चोरी (साइफर गेट केस) मामले में वारंट जारी थे। लिहाजा उन्हें ज्यूडिशियल रिमांड पर माना गया था। इसके अलावा खान के खिलाफ तीन केस ऐसे हैं, जिनमें जांच एजेंसियां उन्हें गिरफ्तार कर सकती हैं। ये हैं- अल-कादिर ट्रस्ट स्कैम, महिला जज को धमकी देने और हलफनामे में बेटी (टायरिन व्हाइट) का नाम छिपाना।

मंगलवार को क्यों रिहा नहीं हो सके इमरान - इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने खान को तोशाखाना केस में बेल दी और तीन साल की सजा पर भी रोक लगा दी। रिहाई के ऑर्डर भी जारी कर दिए। इसके बाद सरकारी वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि खान के खिलाफ दो हफ्ते पहले साइफर गेट केस में वारंट जारी किया गया था। वो इस मामले में ज्यूडिशियल रिमांड पर हैं। तोशाखाना केस में इमरान की पत्नी बुशरा भी आरोपी हैं। वो अब तक जांच एजेंसियों के सामने पेश होने से बचती रही हैं। कुछ दिन पहले बुशरा को पूछताछ के लिए समन जारी किए गए थे। वो जब पेश नहीं हुईं तो जांच एजेंसियों ने यह समन अखबार में पब्लिश करा दिए थे। पाकिस्तान के टीवी चैनल 'दुनिया न्यूज' के मुताबिक- इमरान के बाद बुशरा को भी गिरफ्तार किया जा सकता है। इमरान पर तीन केस ऐसे हैं, जिनमें उनके खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। यही वजह है कि फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी और नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो की टीमें उनका इंतजार कर रही हैं। लिहाजा बुधवार को उन्हें जमानत मिल भी जाती है तो बहुत मुमकिन है कि उन्हें इन दोनों में से कोई जांच एजेंसी जेल के बाहर ही गिरफ्तार कर ले।

90 दिन जांच एजेंसी की कस्टडी में रहेंगे खान - एफआईए को सीक्रेट लेटर चोरी (साइफर गेट स्कैंडल) और एनएबी को 9 मई को हुई हिंसा मामले में

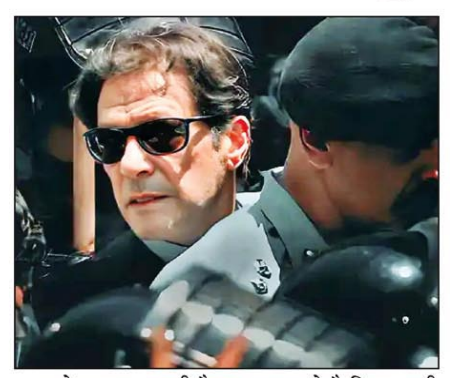

खान से पूछताछ करनी है। खास बात ये है कि एनएबी खान को 90 दिन तक पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में रख सकती है। इस दौरान उन्हें सुप्रीम कोर्ट समेत कोई अदालत जमानत भी नहीं दे सकेगी। राहत सिर्फ ये रहेगी कि खान को जेल के बजाय जांच एजेंसी के हेडक्वार्टर के कमरे में रखा जाएगा। इस मामले में खास बात यह भी है कि जांच एजेंसी और खास तौर पर एनएबी चीफ चाहे तो खान की कस्टडी बढ़ा भी सकता है और इसके लिए उसे किसी कोर्ट से मंजूरी नहीं लेनी होगी। शाहबाज शरीफ ने जुलाई में एनएबी कानून में बदलाव किया था। इसके तहत एजेंसी के चीफ को यह ताकत दी गई है कि वो अपनी मर्जी से कस्टडी पीरिएड बढ़ा सकता है। इमरान को सत्ता तक लाने वाली फौज ही थी। बाद में जब वो फौज को ही चुनौती देने लगे तो उन्हें कुर्सी गंवानी पड़ी। अब फौज की जो नई लीडरशिप है, वो खान को कतई पसंद नहीं करती। माना जा रहा है कि 16 सितंबर के बाद खान की मुश्किलें काफी बढ़ जाएंगी। इसकी वजह ये है कि 6 सितंबर को उनके दोस्त और प्रेसिडेंट आरिफ अल्वी का टेन्योर खत्म हो रहा है और इसके बाद 16 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल भी रिटायर हो जाएंगे। ये दोनों ही अपनी-अपनी ताकत का इस्तेमाल करके अब तक इमरान को बचाते आए हैं।

क्या है साइफर गेट स्कैंडल या सीक्रेट लेटर चोरी केस - पिछले साल अप्रैल में सरकार गिरने के बाद इमरान की तरफ से लगातार दावा किया गया कि यह लेटर (डिप्लोमैटिक टर्म में साइफर) अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट यानी फॉरेन मिनिस्ट्री की तरफ से पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को भेजा गया। इमरान का दावा रहा कि बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन उनको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर नहीं देखना चाहता था और अमेरिका के इशारे पर ही उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। 'साइफर गेट या केबल गेट या नेशनल सीक्रेट गेट' केस में इमरान का फंसना तय माना जा रहा है। इसकी वजह यह है कि जब वो प्रधानमंत्री थे, तब आजम खान उनके चीफ सेक्रेटरी थे। आजम से जॉइंट इन्वेस्टिगेशन टीम दो बार पूछताछ कर चुकी है। आजम ने बिल्कुल साफ कहा है कि उन्होंने यह साइफर इमरान को दिया था। बाद में आजम ने जब इसे खान से वापस मांगा तो उन्होंने कहा कि यह तो कहीं गुम हो गया है। हैरानी की बात है कि खान ने बाद में यही साइफर कई रैलियों में खुलेआम लहराया। खान ने कहा- ये वो सबूत है जो यह साबित करता है कि मेरी सरकार अमेरिका के इशारे पर फौज ने गिराई। आजम के इकबालिया बयान ने यह तय कर दिया है कि इमरान चाहकर भी इसे झुठला नहीं सकेंगे। खास बात यह भी है कि आजम ने अपना बयान जांच एजेंसी और मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराया है। इसकी कॉपी पर सिग्नेचर भी किए हैं। इसके अलावा खान का एक ऑडियो टेप भी वायरल हुआ था। इसमें इमरान, उस वक्त के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और आजम खान की आवाजें थीं। फोरेंसिक जांच में यह साबित हो चुका है कि यह ऑडियो सही है, इससे कोई छेड़छाड़ नहीं की गई थी। टेप में खान कुरैशी और आजम से कहते हैं- अब हम इस साइफर को रैलियों में दिखाकर इससे खेलेंगे।

दोस्त को मोहरा बनाया - सबसे जरूरी यह जानना है कि इमरान जो कागज दिखा रहे थे, वो वास्तव में है क्या। पाकिस्तान के सीनियर जर्नलिस्ट रिजवान रजी के मुताबिक यह कागज झूठ के सिवाए कुछ नहीं था। कुछ महीनों पहले तक अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत थे असद मजीद। वो इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ के सदस्य और इमरान के खास दोस्त थे। रजी आगे कहते हैं- इमरान ने मजीद को एक मिशन सौंपा कि किसी तरह जो बाइडेन एक फोन इमरान को कर लें। यह हो न सका।

अब जापान का स्लिम लैंडर चंद्रमा पर उतरेगा

खराब मौसम की वजह से दो बार टला मिशन, इसकी एक्यूरेसी पर दुनिया की नजरें

टोक्यो।
जापान ने स्लिम लैंडर के मून मिशन की लॉन्चिंग एक बार फिर टाल दी है। इसकी लॉन्चिंग डेट पहले 26 अगस्त थी। बाद में 28 अगस्त की गई, लेकिन खराब मौसम की वजह से जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी ने इसकी लॉन्चिंग फिर टाल दी है। अगली तारीख का ऐलान फिलहाल नहीं किया गया है। भारत के चंद्रयान 3 की कामयाबी के बाद अब जापान के स्लिम लैंडर पर दुनिया की नजरें हैं। कहा जा रहा है कि अब तक के तमाम मून मिशन्स में लैंडिंग के लिहाज से यह सबसे एडवांस्ड टेक्नोलॉजी से लैस है और जिस जगह पर इसे लैंड करना है, ये बिल्कुल उसी स्पॉट पर उतरेगा। रडार से लैस स्लिम लैंडर चंद्रमा के साउथ पोल पर लैंड करेगा।

स्लिम के क्या मायने

'स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून' यानी स्लिम। इसको एसएलआईएम नाम दिया ही इसलिए गया है, क्योंकि माना जा रहा है कि ये एक्युरेसी के मामले में बाकी के मून मिशन्स से बहुत बेहतर होगा। किसी भी मून मिशन में सबसे जरूरी चीज पिन पॉइंट लैंडिंग मानी जाती है। पुराने मिशन्स में ये माना जाता रहा है कि जहां बेहतर जगह हो वहां लैंडिंग की जाए। स्लिम के बारे में कहा जा रहा है कि ये जहां चाहेगा, बिल्कुल वहीं लैंड करेगा। ग्रैविटी के लिहाज से देखें तो चंद्रमा पर यह धरती की तुलना में 6 गुना कम है। लिहाजा, किसी भी लैंडर के लिए यहां लैंड करना बेहद चैलेंजिंग माना जाता है। हालांकि बदलते वक्त और टेलिस्कोपिक टेक्नोलॉजी की मदद से यह काम पहले के मुकाबले काफी

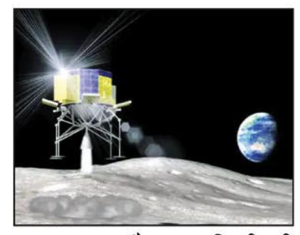

आसान हुआ है। अब किसी भी मिशन के पहले ही साइंटिस्ट्स के पास हाईडेफिनेशन इमेजेस और लैंडिंग स्लॉट (जगह) की जरूरी जानकारी मौजूद होती है। ये तमाम बातें लैंडिंग और इसके बाद रिसर्च के लिहाज से काफी जरूरी होती हैं। खास तौर पर साउथ पोल यानी दक्षिणी ध्रुव पर। हमारे चंद्रयान ने चंद्रमा की इसी सबसे मुश्किल और सबसे ज्यादा रहस्यमयी जगह पर लैंड किया है।

पिनपॉइंट लैंडिंग से क्या फायदा होगा

पिनपॉइंट लैंडिंग का सबसे बड़ा फायदा ये है कि एक खास जगह पर पहले से फोकस किया जाता है। इसके बारे में काफी हद तक जानकारी पहले से मौजूद होती है और इसी हिसाब से लैंडर का डिजाइन और पोस्ट लैंडिंग रोवर मूवमेंट तय किया जाता है। मकसद यही होता है कि उस खास जगह पर पानी की मौजूदगी और बाकी चीजों की सटीक जानकारी हासिल की जाए। स्लिम अगर कामयाब लैंडिंग करता है तो इसका टारगेट अपने आसपास का 100 मीटर क्षेत्र होगा। इस लैंडर का वजन 200 किलोग्राम है। लंबाई 2.4 मीटर और चौड़ाई 2.7 मीटर है। इसमें बेहतरीन रडार, लेजर रेंज फाइंडर और विजन बेस्ड नेविगेशन सिस्टम हैं। ये इक्विपमेंट्स एक्युरेट लैंडिंग में मदद करेंगे।

रूसी एयरपोर्ट पर ड्रोन अटैक, 4 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट प्लेन तबाहः एयरस्पेस बंद, फ्लाइट्स कैंसिल

मास्को।
रूस के शहर पेस्कोव के एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला हुआ है। रूसी मीडिया टास के मुताबिक इस हमले में मिलिट्री ट्रांसपोर्ट प्लेन तबाह हो गए।

हमले में किसी को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। गवर्नर मिखाइल वेदरनिकोव ने अटैक की पुष्टि की है। रूसी सेना लगातार ड्रोन्स को मारने की कोशिश कर रही है। पेस्कोव एयरपोर्ट से सभी फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया गया है और एयरस्पेस भी बंद किया गया है। गवर्नर मिखाइल ने कहा- हम एयरपोर्ट और उसके रनवे को पहुंचे नुकसान का जायजा ले रहे हैं। जब हमला हुआ तब मैं वहीं पर मौजूद था। रूस ने अटैक के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है। रूसी टेलीग्राम चैनलों के मुताबिक, करीब 12 ड्रोन से हमला हुआ। इस दौरान एयरपोर्ट के पास धमाकों की आवाज सुनाई दी। पेस्कोव एस्टोनिया और लात्विया देशों के बेहद करीब है। ये दोनों ही देश नाटो के सदस्य हैं।एस्टोनिया पेस्कोव से सिर्फ 30 किमी दूर है और लात्विया 60 किमी। ऐसे में यूक्रेन ने ड्रोन अटैक यूक्रेन ने किया है तो ये बेलारूस के ऊपर से होते हुए पेस्कोव पहुंचे हैं। दूसरी तरफ, रूस ने दावा किया है कि उसकी सेना ने ब्लैक सी में 4 यूक्रेन ड्रोन को तबाह किया है जो एक ऑपरेशन के लिए 50 सैनिक और हथियार लेकर जा रही थीं। रूस मिलिट्री ने बताया कि ब्रायन्स और ओरियोल क्षेत्र के ऊपर भी 4 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया गया है। टास के मुताबिक, वेनुकोवो एयरपोर्ट के एयरस्पेस को फिलहाल बंद कर दिया गया है। इससे पहले मई में भी पेस्कोव एयरपोर्ट पर हमला हुआ था।

मॉस्को में लगातार हो रहे ड्रोन हमले

रूस में पिछले कुछ महीनों से लगातार मॉस्को और दूसरे शहरों पर ड्रोन हमले हो रहे हैं। इन अटैक्स में किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, मॉस्को की कुछ बिल्डिंग्स को नुकसान जरूर पहुंचा है। इस पर राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था- रूस के साथ जंग के बीच में उनके शहरों पर हो रहे हमले एकदम सही है। ये युद्ध के दौरान बहुत जाहिर सी प्रतिक्रिया है।

वहीं अमेरिका ने रूस की सीमा के अंदर यूक्रेनी हमलों का समर्थन नहीं करने की बात कही थी। व्हाइट हाउस ने अपने बयान में कहा था कि ये जंग रूस ने शुरू की है। वो कभी भी अपनी सेना को यूक्रेन से वापस बुलाकर इसे खत्म कर सकते हैं।

ट्रंप ने बाइडेन को पागल कहा : बोले- वे गूंगे और नाकारा, अमेरिका को नर्क में ले जा रहे; अंजाम तीसरा विश्व युद्ध होगा

वॉशिंगटन।
पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडेन पर तीखा हमला करते हुए उन्हें गूंगा, पागल और नाकारा बताया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पागल हो गए हैं और देश को तीसरे विश्व युद्ध की ओर ले जाएंगे। एक वीडियो में ट्रंप कहते हैं, जो बाइडेन न केवल मूर्ख और अक्षम हैं बल्कि मेरा मानना है कि वह पागल हो गए हैं। उन्होंने देश में खतरनाक माहौल बना दिया है। यह एक मानसिक समस्या है जो हमारे देश को नर्क की ओर ले जा रही है। इस व्यक्ति के कारण तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। डोनाल्ड ट्रंप 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा ले रहे हैं। वो 2020 के राष्ट्रपति चुनावों में गड़बड़ी करने के मामले में कोर्ट ट्रायल का सामना भी कर रहे हैं।

पिछले हफ्ते ट्रंप ने किया था सरेंडर

2020 के चुनाव परिणामों को पलटने के प्रयासों से जुड़े 13 आरोपों का सामना करते हुए ट्रंप ने 26 अगस्त को खुद को जॉर्जिया के अधिकारियों के सामने सरेंडर किया था। इसके तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप का मगशॉट जारी किया गया था। मगशॉट पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ट्रंप की वायरल मगशॉट तस्वीर को

लेकर उन पर तंज कसा था। बाइडेन ने एक रिपोर्टर से बात करते हुए कहा था कि मैंने इसे टेलीविजन पर देखा था। बाइडेन ने ट्रंप को हैंडसम गाय कहा था।

क्या है जॉर्जिया क्रिमिनल केस

2020 में राष्ट्रपति चुनाव के बाद ट्रंप पर नतीजों को पलटने की कोशिश करने के आरोप लगे थे। 2 जनवरी 2021 को ट्रंप और जॉर्जिया के इलेक्शन ऑफिसर ब्रैड रैफेंसपर्गर के बीच कॉल पर करीब एक घंटे बात हुई। व्हाइट हाउस के ऑफिस से यह कॉल 3 जनवरी दोपहर 2:41 बजे की गई थी। ट्रंप ने रैफेंसपर्गर से फोन पर कहा कि उन्हें वोटों की दोबारा गिनती करनी चाहिए, ताकि राज्य के 16 इलेक्टोरल वोट उनके हिस्से में आएं। कॉल रिकॉर्डिंग वॉशिंगटन पोस्ट ने सबसे पहले पब्लिश की थी। इसके मुताबिक ट्रंप ने कहा था कि मैं सिर्फ 11,780 वोट चाहता हूं। यह जीत के अंतर से एक वोट ज्यादा है। इस दौरान ट्रंप ने रैफेंसपर्गर को बात नहीं मानने पर क्रिमिनल केस की धमकी भी दी थी। पिछले साल एक स्पेशल ग्रैंड ज्यूरी ने कई महीनों तक इस मामले में 75 गवाहों के बयान दर्ज किए थे। ट्रंप 2024 में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार हो सकते हैं। लगातार दर्ज हो रहे क्रिमिनल केस के बावजूद भी उनकी पॉपुलैरिटी कम नहीं हुई है। ट्रंप ने इससे पहले रूस-यूक्रेन जंग पर बयान दिया था जिसे लेकर वो सुर्खियों में आ गए थे। उन्होंने दावा किया था वो एक दिन में इस जंग को रोक सकते हैं। ट्रंप ने बताया था है कि अगर वो दूसरी बार प्रेसिडेंट बने तो वो रूस और यूक्रेन की जंग को महज एक दिन में कैसे खत्म करेंगे। ट्रंप के मुताबिक यह बहुत मुश्किल काम नहीं है। मुझे सिर्फ दो फोन करने हैं। एक यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोल्दोमिर जेलेंस्की को और दूसरा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को।

ऑस्ट्रेलिया ने जनमत संग्रह के लिए 14 अक्तूबर की तारीख तय की, पीएम अल्बानीज ने बताया ऐतिहासिक मौका

सिडनी।
ऑस्ट्रेलियाई लोग 14 अक्टूबर को इस बात को लेकर मतदान करेंगे कि क्या वे आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीप के लोगों को मान्यता देने के लिए संविधान में बदलाव करना चाहते हैं। यह देश में स्वदेशी अधिकारों के संघर्ष के लिए एक निर्णायक दिन होगा। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने बुधवार को एडिलेड में एक खचाखच भरे संवाददाता सम्मेलन में ऐतिहासिक जनमत संग्रह की तारीख की घोषणा की और इसे राष्ट्र को एकजुट करने का पीढ़ी में एक बार मिलने वाला मौका बताया।

अल्बानीज ने उत्साहित भीड़ से कहा, 14 अक्टूबर हमारा समय है...यह हमारा मौका है। उन्होंने कहा, यह हमारे सर्वश्रेष्ठ ऑस्ट्रेलियाई विशेषता को सामने लाने का क्षण है। आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर लोगों के लिए यह एक मैराथन रहा है। हम सभी के लिए यह अब लक्ष्य तक पहुंचने वाल दिन है।

एक स्वदेशी समिति का किया गया गठन - ऑस्ट्रेलियाई लोगों को अब जनमत संग्रह में मतदान से पहले छह सप्ताह के प्रचार अभियान का सामना करना पड़ेगा, जहां उनसे पूछा जाएगा कि क्या वे वॉयस टू पार्लियामेंट को शामिल करने के लिए संविधान में बदलाव का समर्थन करते हैं। आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीप के लोगों को प्रभावित करने वाले मामलों पर संघीय संसद को सलाह देने के लिए एक स्वदेशी समिति का गठन किया गया है।

संविधान में बदलाव के लिए जनमत संग्रह जरूरी - ऑस्ट्रेलिया में किसी भी संवैधानिक परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय जनमत संग्रह की आवश्यकता होती है। कनाडा, न्यूजीलैंड, यूरोपीय संघ के देशों और अमेरिका सहित कई अन्य विकसित देशों की तुलना में ऑस्ट्रेलिया अपने मूल निवासियों के साथ संबंधों के मामले में वैश्विक स्तर पर पिछड़ा हुआ है। इसकी अपने मूल निवासियों के साथ कोई संधि नहीं है, जो इसकी लगभग 2.6 करोड़ की आबादी का 3.2 फीसदी हिस्सा हैं और अधिकांश सामाजिक-

आर्थिक उपायों पर राष्ट्रीय औसत से नीचे हैं।

उपेक्षित हैं आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीप के लोग - 65,000 सालों से अधिक समय से इस भूमि पर निवास करने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया के संविधान में आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीप के लोगों का उल्लेख नहीं किया गया है।

परिवर्तन के लिए अभियान का सह-नेतृत्व करने वाली एक आदिवासी महिला पैट एंडरसन ने कहा कि अधिकांश आदिवासी लोग वॉयस टू पार्लियामेंट का समर्थन करते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि इससे परिणामों में सुधार होगा। उन्होंने एक बयान में कहा, जनमत संग्रह दिवस से पहले हम हर किसी से यह याद रखने के लिए कह रहे हैं कि हम इस देश के मूल निवासी हैं और हम जानते हैं कि हमारे समुदायों के लिए सबसे अच्छा क्या हो सकता है और हमारा मानना है कि अंततः हमारी आवाज हमारे लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में एक कदम होगा।

सरकार ने जनमत संग्रह की सफलता के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत लगाई है और शीर्ष खेल संहिता, प्रमुख निगम और कल्याण समूह अभियान का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस विभाजनकारी रही है और हाल के महीनों में प्रस्ताव के प्रति समर्थन कम हो गया है।

समर्थकों का तर्क है कि हां में वोट करने से आदिवासी समुदाय के साथ खराब संबंधों को सुधारने और राष्ट्र को एकजुट करने में मदद मिलेगी और सलाहकार निकाय स्वदेशी स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और आवास को प्राथमिकता देने में मदद करेगा। हालांकि, कुछ विरोधियों का तर्क है कि यह कदम ऑस्ट्रेलियाई लोगों को नस्लीय आधार पर विभाजित कर देगा और स्वदेशी निकाय को अत्यधिक शक्ति सौंप देगा।

अल्बानीज ने मतदान के लिए लोगों को उत्साहित करते हुए कहा, मतदान नहीं करने से कहीं कोई परिणाम नहीं मिलेगा...इसका मतलब है कि कुछ भी नहीं बदलेगा। मतदान नहीं करने पर आगे बढ़ने के इस अवसर का द्वार बंद हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में जनमत संग्रह को सफल होने के लिए दोहरे बहुमत की उच्च सीमा को पार करना होगा। इसका मतलब यह है कि इसे देश भर के 50 फीसदी से अधिक मतदाताओं का समर्थन प्राप्त होना चाहिए और छह राज्यों में से कम से कम चार में अधिकांश मतदाताओं का समर्थन मिलना चाहिए। देश के अतीत में 19 जनमत संग्रहों में संवैधानिक परिवर्तन के लिए 44 प्रस्ताव आए थे और इनमें से केवल आठ पारित हुए थे, जिसमें आखिरी बार 1977 में हुआ था।

सेहत

खतरनाक है काली खांसी अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

काली खांसी एक श्वसन संबंधी बीमारी है। माना जाता है कि काली खांसी बच्चों की बीमारी है लेकिन ऐसा नहीं है। यह बड़ों को भी हो जाती है। यह खतरनाक बीमारी है क्योंकि यह संक्रामक होती है यानी इस बीमारी के वायरस हवा के जरिये एक इंसान से दूसरे तक पहुंचते हैं। यह खांसी रात और दिन में बढ़ जाती है। कई बार खांसते-खांसते दम फूलने लगता है। आंखें लाल हो जाती हैं। इस खांसी को कुक्कुर खांसी भी कहते हैं। खांसी शुरू होने के लगभग 2 सप्ताह तक संक्रमित लोग सबसे ज्यादा संक्रामक होते हैं। एंटीबायॉटिक्स इसके संक्रामण से काफी हद तक बचाता है।

काली खांसी के लक्षण

प्रारंभिक

बीमारी आम तौर पर ठंड की तरह के लक्षणों से शुरू होती है। हल्की खांसी या बुखार हो सकता है। शिशुओं में, खांसी कम या नहीं भी हो सकती है। काली खांसी बच्चों के लिए सबसे खतरनाक है। 1 वर्ष से कम उम्र के करीब आधे बच्चों को अस्पताल में देखभाल की जरूरत पड़ती है। प्रारंभिक लक्षण 1 से 2 सप्ताह तक रह सकते हैं।

बाद के चरण के लक्षण

1 से 2 सप्ताह के बाद और जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, काली खांसी के पारंपरिक लक्षण दिखाई देते हैं। इसमें लगातार आवाज के साथ बहुत तेज खांसी, तीव्र खांसी, खांसी के दौरान या बाद में उल्टी होना, खांसी के दौरे होने के बाद थकावट।

एक जीवाणु है खांसी की वजह

यह संक्रामक बीमारी है जो कि एक प्रकार के जीवाणु से उत्पन्न होती है। इस जीवाणु को बोर्डेटेला पर्ट्रुसिसि कहते हैं। ये बैक्टीरिया ऊपरी श्वसन प्रणाली के सिलिया से जुड़ जाता है। जीवाणु विषाक्त पदार्थ बनाते हैं, जो कि सिलिया झिल्ली को नुकसान पहुंचाता है, वायुमार्ग में सूजन करते हैं। ये जीवाणु रोगी को छूने, साथ खाने, उसकी खांसी के संपर्क में आने से भी हो सकता है।

लहसुन :लहसुन सर्दी, जुकाम और खांसी के इलाज के लिए फायदेमंद है। काली खांसी से छुटकारे के लिए लहसुन की 5-6 कलियों को छीलकर बारीक काट लें। उन्हें पानी में उबाल लें। इस पानी से भाप लें। रोज ऐसा करने से 8-10 दिन में काली खांसी खत्म हो जाती है।

तुलसी के पत्ते: काली खांसी से राहत के लिए तुलसी के पत्तों और काली मिर्च को बराबर मात्रा में पीस लें। इस मिश्रण की छोटी-छोटी गोलियां बना लें। इसे दिन में तीन बार चूसें। ये गोलियां खांसी को मिटाकर गला साफ कर देती हैं।

बादाम : बच्चों की काली खांसी खत्म करने के लिए तीन-चार बादाम रात में पानी में भिगाकर रख दें। सुबह बादाम के छिलके उतार लें। इसे एक कली लहसुन और थोड़ी सी मिश्री के साथ पीस लें। तैयार पेस्ट की छोटी-छोटी गोलियां बनाकर बच्चे को खिलाएं। इससे खांसी में आराम मिलेगा। काली खांसी के लक्षण आमतौर पर 5-10 दिनों के भीतर संक्रमित होने के बाद विकसित होते हैं। कभी-कभी काली खांसी के लक्षण 3 सप्ताह तक विकसित नहीं होते हैं।

होंठों पर लिप शेड से पाएं अट्रैक्टिव लुक

लड़की भले ही कोई मेकअप ना करें लेकिन होंठों पर लगा अच्छा लिप शेड ही अट्रैक्टिव लुक दे देता है। लिपस्टिक से न केवल चेहरे का लुक बदलता है, बल्कि चेहरे पर अलग सी चमक आने लगती है लेकिन अक्सर हम अपनी स्किन टोन को नजरअंदाज कर देते है और कोई भी लिपस्टिक होंठों पर लगा लेते है। फिर चाहें चेहरे पर सूट करे भी या नहीं। आज हम डस्टी स्किन की बात कर रहे है। आपकी स्किन भी डस्टी है तो हम आपको बताएंगे कि आपकी स्किन पर कौन सा लिप शेड्स सूट करेगा।

लिपस्टिक लगाने से लुक में चेंज होने के साथ-साथ पर्सनेलटी में भी निखार आता है। आप अपने मेकअप और ड्रैसअप के साथ थोड़ा अलग और ट्रैंडी लिप कलर ट्राई करके भी खुद को डिफरेंट लुक दे सकती है। वैसे भी लड़की आजकल अपने लिप कलर के साथ कई तरह के एक्सपेरिमेंट्स करके खुद को यूनिक लुक देती है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले लिप कलर के बारे में बताने जा रहें है। आप इन्हें किसी पार्टी, फंक्शन या मैरिज पर भी ट्राई कर सकती है।

लिक्विडिटेड शाइन लिपस्टिक

किसी पार्टी या फंक्शन में बॉल्ड और शाइनी लुक पाने के लिए लिक्विडिटेड शाइन लिपस्टिक बेस्ट है।

न्यूड लिप कलर

कॉलेज, ऑफिस या पार्टी पर जाने के लिए आप ल्यू ओरियल पेरिस मैट न्यूड लिपस्टिक भी लगा सकती हैं। इस लिप करल से आपको नेचुरल लुक मिलेगा।

चैरी लिप कलर

शादी में, हैलोवीन, कॉकटेल पार्टी, में बोल्ड और ग्लैमरस लुक के लिए चैरी लिप कलर बढ़िया है।

बटरलिप कलर

सिंपल और एलेगेंट लुक पंसद करने वाली लड़कियों के लिए इस तरह के लिप कलर बेस्ट है।

रेड लिप कलर

रेड लिप आजकल ट्रैंड में है। इस कलर को आप किसी भी स्किन शेड को साथ लगा सकते है। इससे आपको प्रिटी लुक मिलेगा। आप अपने सूट के साथ मैचिंग लिप शेड लगाना पसंद करती है तो ब्रिक रेड कलर ट्राई करें। यह आपको खूबसूरत लुक देगा।

ब्राउन लिप कलर

आप अपनी किसी भी ड्रैस के साथ इस बोल्ड ब्राउन कलर को भी ट्राई कर सकती है। यह आपकी सुंदरता को और भी बढ़ा देगा।

इस तरह करें लिप कलर्स का इस्तेमाल

लिप शेड

अगर आप भी अपने होंठों को सेक्सी लुक देना चाहते है तो बोल्ड लिप कलर्स का इस्तेमाल करके आप उनको ओर भी खूबसूरत बना सकती है। ज्यादा डार्क कलर्स का इस्तेमाल रात को या ईवनिंग पार्टीस में ही करें और दिन में लाईट कलर्स का इस्तेमाल ही करना चाहिए। अगर आप चाहती है कि होंठों पर ज्यादा देर तक लिप कलर टिका रहा तो लिप कलर लगाने से पहले होंठों पर सबसे पहले पाऊडर या मिनरल फाउंडेशन का इस्तेमाल करें।

» लिप कलर्स लगाने से पहले हमेशा लिपलाइनर का इस्तेमाल करें इससे आपके होंठो को एक अलग शेप मिल जाएगी और आपके होंठ ओर भी आकर्षित दिखाई देगे और लिप लाइनर का इस्तेमाल करने से लिप्स की शेप उभर कर आती है।

»अगर आपको गोल्डन ड्रेस पहननी हो, तो आप ब्राइट रेड लिप कलर का इस्तेमाल भी कर सकती है। सोने से पहले लिप कलर को जरूर रिमूव करें क्योंकि इसमें मौजूद केमिकल आपके होंठों को नुकसान पंहुचा सकते है।

डीप रेड लिप कलर

इस रेड लिप कलर में आप अपने होंठों को ग्लैमरस लुक दे सकते है। यह लुप शेड सभी स्किन टोन पर सूट करता है और बोल्ड लुक देता है।

कॉरल लिप कलर

कॉरल लिप कलर, डस्टी स्किन की खूबसूरती को उभारने का काम करता है। अगर आपने लिपस्टिक कलैक्शन में ज्यादा से ज्यादा लिप कलर रखना चाहती है तो इस लिप कलर को भी ट्राई करें।

बरगंडी लिप कलर

» यह लिप कलर डस्टी स्किन को बोल्ड लुक देगा। अगर आपकी स्किन भी ऐसी है तो बरगंडी लिपस्टिक कलर ट्राई करें।

-मोव पिंक

कॉलेज पार्टी, ऑफिस फकशन, इंवेंट्स में अट्रैक्टिव लुक पाने के लिए ट्राई करें मोव पिंक। इस कलर से आपको पार्टी में ग्लैमर लुक मिलेगा।मौवे पिंक लिप कलर वैसे तो हर स्किन टोन पर सूट कर जाता है लेकिन डस्टी स्किन वाली लड़कियों के लिए यह बैस्ट आप्शन है।

उपाय

ये आसान उपाय चुटकी में दूर करेंगे डैंड्रफ

डैंड्रफ बहुत ही कॉमन स्काल्प की समस्या है। सर्दियों में यह समस्या और भी बढ़ जाती है। यह सामान्य तौर पर त्वचा की ड्राइनेस, बैक्टीरिया या फिर फंगस की वजह से होती है। यहां आप जान सकते हैं डैंड्रफ से बचने के घरेलू और आसान उपाय...

डैंड्रफ सिर गिरने वाले छोटे-छोटे से सफेद रंग के फ्लेक्स होते हैं। थोड़ी मात्रा में डैंड्रफ होना तो नॉर्मल है क्योंकि स्काल्प से डेड स्किन सेल्स निकलती रहती है, मगर कुछ लोगों में यह समस्या बहुत ज्यादा दिखाई देती है।

आपने डैंड्रफ होने की कई वजहें पढ़ीं और सुनी होंगी लेकिन ज्यादातर साइंटिस्ट्स का मानना है कि डैंड्रफ की मुख्य वजह फंगल इंफेक्शन है। हालांकि इसका ट्रीटमेंट नैचरली भी किया जा सकता है।

लगाएं दही-नींबू का मिक्सचर

नींबू, दही और तेल का मिक्सचर बालों पर हेयर पैक की तरह लगाएं। इसे 15 से 20 मिनट तक लगा रहने दें फिर धो दें। यह प्रक्रिया हर हफ्ते दोहराएं।

एग योक

अगर अंडा लगाने में आपको दिक्कत नहीं है तो एग योक को इसी तरह से बालों पर लगाकर इसे प्लास्टिक बैग से कवर कर लें। 15 से 20 मिनट तक इसे बालों पर लगा रहने दें फिर बाल अच्छी तरह धो लें।

शैंपू की जगह बेकिंग सोडा

शैंपू की जगह बाल धोने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें क्योंकि यह नैचरल डैंड्रफ रिमूवर होता है।

विनिगर

बालों पर एपल साइडर विनिगर लगाकर 20 मिनट तक छोड़ दें इसके बाद इसे धो दें।

होम-मेड नीम पैक

एक चौथाई कप नीम का जूस लेकर इसमें कोकोनट मिल्क और बीटरूट जूस मिलाएं और एक बड़ा चम्मच नारियल का तेल भी मिलाएं। सारी सामग्री को एकसाथ मिलाएं और इसकी स्काल्प पर मसाज करें। 20 मिनट बाद हर्बल शैंपू से धो दें।

ये उपाय भी हैं काम के

» टी-ट्री ऑइल शैंपू इस्तेमाल करें।

» एक हिस्सा माउथवॉश में 9 हिस्से पानी मिलाकर शैंपू करने के बाद लगा लें। इसे धोएं नहीं।

» ऐलोवेरा जेल में ऐंटी फंगल प्रॉपर्टी होती है, इसे स्काल्प पर लगाएं.

कार मेनटिनेंस के बेसिक नियम जानना जरुरी

आप कार चलाते हैं तो आपको कार मेनटिनेंस के बेसिक्स पता होने चाहिए। इसके लिए कुछ छोटी-मोटी चीजें भी आप ध्यान में रखें और प्रैक्टिस में ले आएं तो बढ़िया रहेगा। आगे क्लिक करके देखें कि कार मेनटेन करने के बेसिक्स हैं क्या...

छोटी गड़बड़ पर हों अलर्ट

कार में जब भी कोई दिक्कत होने लगे, तुरंत उसे ठीक करवाएं। कार में हल्की फुल्की लगने वाली गड़बड़ी बाद में बड़ी हो जाएगी और तब पैसा भी ज्यादा लगेगा और समय भी।

सिस्टमैटिक मेनटेनेन्स

सिस्टमैटिक तरीके से कार का मेनटेनेन्स करें। यह ध्यान रखें कि जब भी आप कार का रेग्युलर चेकअप करवा रहे हों तो कार का फ्ल्यूड चेंज करना, इसके अंदर के हिस्सों को ढंग से साफ करना और उसमें प्रॉपर ऑयलिंग करना शामिल है। क्रैक आ चुके पार्ट्स, टूटे या मुड़ चुके पार्ट्स का मतलब है कि उनका ढंग से लुब्रिकेशन नहीं हुआ है।

इंजन का प्रॉपर लुब्रिकेशन

किसी इंजन का प्रॉपर लुब्रिकेशन उसके बेहतरीन कंडिशन में रखने की पहली शर्त है। हां यह भी ध्यान रखें कि कार में बाइक का लुब्रिकेशन न यूज करें। कंपनियां इस चीज को ध्यान में रखकर प्रॉडक्ट बना रही हैं और पेट्रोल इंजन व डीजल इंजन के लिए अलग-अलग तरह के लुब्रिकेंट्स आते हैं। उसी के मुताबिक प्रॉडक्ट का यूज करें तभी पूरा फायदा मिलेगा।

कार भीतर से साफ रखे

क ार में साफ कपड़ा हमेशा रखें। किसी तरह ही हल्की या छोटी गंदगी भी धीरे-धीरे जम जाती है अंदर। इसलिए, खाने पीने की गंदगी इकट्ठा न होने दें। कपड़े से पोंछ दिया करें।

पॉलिश और ड्राई सीट क्लीनर्स

बाजार में बहुत सारे पॉलिश और ड्राई सीट क्लीनर्स आते हैं। अपने इंटीरियर्स को इससे साफ रखें। क्रोम, वुड, डैशबोर्ड को इस पॉलिश से साफ रखें। इससे कार का नया लुक हमेशा कायम रहेगा।

शू रैक को ऐसे करें साफ, नहीं जमेगी धूल-मिट्टी

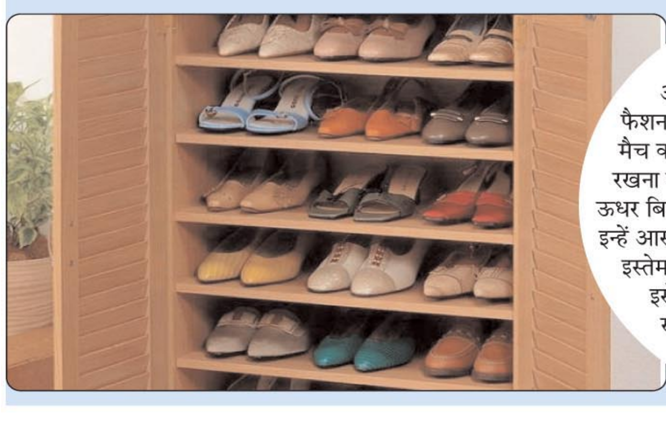

घर के अंदर अगर सबसे ज्यादा धूल मिटटी आती है तो इसकी वजह है हमारे जूते। फैशन के हिसाब से लोग अपनी ड्रैसिस के साथ मैच करते फुटवियर पहनते हैं। जिन्हें संभाल कर रखना कोई आसान काम नहीं। घर के अंदर इधर-ऊधर बिखरे हुए जूते घर को और भी गंदा कर देते हैं। इन्हें आसानी से संभाल कर रखने के लिए शू रैक का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन ज्यादा दिनों तक इसे साफ न किया जाए तो महंगे शूज भी खराब हो जाते हैं। शू रैक को आसानी से साफ करने के लिए आप कुछ

1. साफ जगह पर रखें

शू रैक को हमेशा साफ जगह पर ही रखें। खुली जगह पर रखने से इस पर धूल-मिट्टी बहुत जल्दी पड़ जाती है। जिससे जूते भी गंदे हो जाते हैं। कोशिश करें कि रैक को हमेशा ढक कर रखें।

2. नमी से बचाएं

शू रैक में आप अपने कीमती जूते संभाल कर रखते हैं लेकिन रैक को रखने से पहले इस बात की जांच कर लें कि जगह में नमी न हो। नमी की वजह से लकड़ी के रैक को दीमक लगने का डर रहता है। जिससे जूते भी खराब हो सकते हैं।

3. हर हफ्ते करें सफाई

जिस तरह घर की सफाई करनी बहुत जरूरी है उसी तरह हर हफ्ते रैक की सफाई भी करें। इसे फुटवियर और रैक दोनों सुरक्षित रहेंगे।

4. लोहे का रैक को ऐसे करें साफ

लकड़ी की बजाय लोहे के रैक की सफाई का खास ख्याल रखना पड़ता है। इसे आसानी से साफ करने के लिए आप शू रैक को साफ करने के लिए बाजार से किट भी ला सकते हैं।

इस रैक को पानी से साफ करने पर जंग लगने का डर रहता है।

खाना खजाना

तिल खोया के लड्डू

सामग्री

तिल के बीजः 500 ग्राम

खोयाः 500 ग्राम

चीनी पाउडरः 500 ग्राम

बादामः 60 ग्राम

किशमिशः 60 ग्राम

हरी इलायचीः 1/2 छोटा चम्मच

तेलः ग्रीस के लिए

बादामः गार्निश के लिए

विधि

पैन में 500 ग्राम तिल के बीजों को लाइट बाउन होने तर भून लें। भूननें के बाद इसे ब्लैंडर में डालकर अच्छी तरह ब्लैंड कर लें। दूसरे पैन में 500 ग्राम खोया डालकर हल्का बाउन होने तक पकाएं। इसके बाद इसे ठंडा होने के लिए रख दें। एक बाउल में खोया, 500 ग्राम चीनी पाउडर, ब्लैंड तिल के बीज, 60 ग्राम बादाम, 60 ग्राम किशमिश और 1/2 छोटा चम्मच हरी इलायची डालकर मिक्स करें। अपने हाथों में थोड़ा-सा तेल लगाएं। इसमें से थोड़ा-सा मिक्र्र लेकर हाथों से गोलें बना लें। अब इसे बादाम के साथ ग्रानिश करें। आपके तिल खोया के लड्डू बनकर तैयार हैं। अब आप इसे सर्व करें।

एपल का वंडरलस्ट इवेंट 12 सितंबर को होगा: आईफोन 15 सीरीज के साथ वॉच सीरीज 9 और अल्ट्रा 2 वॉच भी लॉन्च कर सकती है कंपनी

कैलिफोर्निया।

टेक कंपनी एपल का साल का सबसे बड़ा लॉन्च इवेंट 12 सितंबर को होगा। कंपनी ने इस साल अपने इवेंट का नाम वंडरलस्ट रखा है, जो कैलिफोर्निया में एपल हेडक्वार्टर के स्टीव जॉब्स थिएटर में होगा। भारतीय समय के अनुसार, यह इवेंट रात 10:30 बजे शुरू होगा, जिसकी लाइव ऑनलाइन स्ट्रीमिंग होगी। एपल इस इवेंट में आईफोन 15 सीरीज के साथ एपल वॉच सीरीज 9 और एपल वॉच अल्ट्रा 2 को भी लॉन्च कर सकती है। हालांकि, इवेंट में कौन-कौन से प्रोडक्ट लॉन्च किए जाएंगे, इसके बारे में कंपनी ने ऑफिशियल तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी है।

आईओएस 17 के रोलआउट की डेट भी अनाउंस कर सकती है कंपनी - एपल वंडरलस्ट इवेंट में कंपनी आईओएस 17 ऑपरेटिंग सिस्टम के रोलआउट की डेट भी अनाउंस कर सकती है। आईओएस 17 के फीचर्स कंपनी ने तीन महीने पहले इवेंट में अनवील किए थे। आईओएस 17 में लाइव वॉयस मेल ट्रांसक्रिप्शन, फेसटाइम मैसेज रिकॉर्ड करने की एबिलिटी, पर्सनलाइज्ड कॉन्टैक्ट पोस्टर जैसे फीचर्स मिलेंगे। अगर कोई व्यक्ति कॉल रीसीव नहीं कर रहा है तो डिवाइस में आईओएस 17 अपडेट मिलने के बाद यूजर्स रिकार्डेड फेसटाइम मैसेज भेज सकेंगे। इसके साथ ही अब हे सिरी नहीं बल्कि केवल सिरी बोलकर वॉइस कमांड फीचर को यूज किया जा सकेगा। यूजर्स अब ऑफलाइन मैप भी यूज कर सकेंगे। अभी आईओएस 17 बीटा टेस्टिंग फेज में है।

हर साल सितंबर में नए आईफोन लॉन्च करती है कंपनी - एपल हर साल सितंबर में नए आईफोन सीरीज के साथ कई अन्य प्रोडक्ट लॉन्च करती है। इस साल कंपनी आईफोन 15, आईफोन 15 प्लस, आईफोन 15 प्रो और आईफोन 15 प्रो मैक्स को लॉन्च कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस साल का सबसे महंगा आईफोन, आईफोन 15 प्रो मैक्स हो सकता है, जिसमें टाइटेनियम फ्रेम के साथ एक पेरिस्कोप कैमरा दिया जा सकता है। इसमें नया, 17 बायोनिक चिपसेट और 150 की फास्ट चार्जिंग स्पीड भी मिल सकती है। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत के अपने तमिलनाडु प्लांट में आईफोन 15 बना रही है।

न्यूज ब्रीफ

तकनीकी वस्त्रों में नवाचार बढ़ाने के लिएस्टार्टअप को 50 लाख तक मदद, आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य

नई दिल्ली । केंद्र सरकार पहली बार तकनीकी वस्त्रों के लिए स्टार्टअप योजना लेकर आयी है। इसमें स्टार्टअप और उद्यमियों को 50 लाख तक का अनुदान मिलेगा। कपड़ा मंत्रालय के संयुक्त सचिव राजीव सक्सेना ने कहा, इसका मकसद, तकनीकी वस्त्र में भारत की विदेशों पर निर्भरता समाप्त करके आत्मनिर्भर बनना है। एग्रो, बिल्डिंग, जियो, होम, मेडिकल, मोबाइल, पैकेजिग , स्पोर्ट्स व प्रोटेक्टिव टैक्सटाइल आदि में स्टार्टअप को प्रोत्साहन दिया जाएगा। सक्सेना ने कहा, तकनीकी वस्त्रों में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा दिशानिर्देशों में प्रोटोटाइप को प्रौद्योगिकी और फिर उसे उत्पाद में बदलने के लिए समर्थन भी दिया जाएगा। हम बिना किसी रॉयल्टी या इक्विटी के अनुदान सहायता के रूप में 50 लाख रुपये तक देने जा रहे हैं। इनक्यूबेटर को दो बराबर किश्तों में केवल न्यूनतम 10 फीसदी योगदान करना है। यह काम आईआईटी, एनआईटी, कपड़ा शोध संघों और उत्कृष्टता केंद्रों जैसे इनक्यूबेटर की ओर से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रांट फॉर रिसर्च एंड आंतरप्रेन्योरशिप अक्रॉस अस्पाइरिंग इनोवेटर्स इन टेक्निकल टेक्सटाइल्स (ग्रेट) योजना के तहत मंत्रालय ऐसे शोध को बढ़ावा दे रहा है, जहां कुछ प्रोटोटाइप विकसित किए गए हैं, और जिनका व्यावसायिक उपयोग किया जाना है।

अनुमान से तेज होगी भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार, ज्यादातर देशों में आर्थिक विकास धीमी पड़ने की आशंका

नई दिल्ली । दुनिया के ज्यादातर देशों में आर्थिक विकास की रफ्तार भले ही धीमी पड़ने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन भारत के लिए इस मोर्चे पर अच्छी खबर है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में देश की आर्थिक वृद्धि दर 8.5 फीसदी तक रह सकती है, जो आरबीआई के 8 फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 8.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने ताजा रिपोर्ट में कहा कि पहली तिमाही में विकास दर 8.3 फीसदी रह सकती है। क्रिसिल ने 8.2 फीसदी का अनुमान जताया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था के बढ़ने की रफ्तार पिछली तीन तिमाहियों के मुकाबले तेज रहेगी। 2022-23 की दूसरी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 6.2 फीसदी, तीसरी तिमाही में 4.5 फीसदी और चौथी तिमाही में 6.1 फीसदी रही थी। हालांकि, 2022-23 की पहली तिमाही में विकास दर 13.1 फीसदी रही थी। एसबीआई और रेटिंग एजेंसी इक्रा दोनों ही संस्थाओं के अर्थशास्त्रियों का कहना है कि चुनावी साल के दौरान केंद्र व राज्य सरकारों के पूंजीगत खर्च में तेजी आई है।इससे न सिर्फ मांग को मजबूती मिली है बल्कि विकास की रफ्तार तेज होने की उम्मीद है। एसबीआई के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा, सरकार अप्रैल-जून में 2.78 लाख करोड़ का पूंजीगत खर्च कर चुकी है। यह एक साल पहले की समान अवधि से 59 फीसदी ज्यादा है।

भारत ने निभाई दोस्ती: प्रतिबंध के बावजूद सिंगापुर को होगा चावल का निर्यात, विदेश मंत्रालय ने बताई वजह

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में चावल की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत के इस फैसले से उन देशों की चिंता बढ़ गई है, जहां भारत के चावल निर्यात होते हैं। हालांकि अब खबर आई है कि भारत ने सिंगापुर को चावल निर्यात करने की अनुमति दे दी है। दोनों देशों के मजबूत रिश्तों को देखते हुए ऐसा फैसला किया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बयान जारी कर कहा है कि भारत और सिंगापुर के बीच मजबूत रणनीतिक संबंध हैं। दोनों देशों के साझा हित हैं और आर्थिक स्तर पर और लोगों के लोगों से संबंध भी दोनों देशों के मजबूत हैं।

चंद्रयान-3 के रोवर ने लैंडर की पहली फोटो भेजी

प्रज्ञान के नेविगेशन कैमरों ने ली तस्वीरें, चंद्रमा की सतह पर ड्रिलिंग करता दिखा लैंडर

बेंगलुरु।

चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर ने विक्रम लैंडर की एक तस्वीर क्लिक की। रोवर पर 2 नेविगेशन कैमरे लगे हैं जिससे ये फोटो क्लिक की गई है। इसमें विक्रम लैंडर पर लगा पेलोड चास्टे सतह पर ड्रिलिंग करता दिख रहा है। ये पेलोड सतह और गहराई में तापमान मापता है। चंद्रयान-3 का लैंडर 23 अगस्त को शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रमा पर उतरा था। इसके बाद रोवर बाहर आया था। इसरो ने लैंडिंग के करीब 14 घंटे बाद लैंडर के रोवर से बाहर आने की पुष्टि की थी। रोवर के कैमरों को इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम प्रयोगशाला ने विकसित किया है।

चांद के साउथ पोल पर सल्फर की मौजूदगी - चांद पर पहुंचने के छठे दिन (29 अगस्त) चंद्रयान ने दूसरा ऑब्जर्वेशन भेजा था। इसके मुताबिक चांद के साउथ पोल पर सल्फर की मौजूदगी है। चंद्रमा की सरफेस पर एल्युमीनियम, कैल्शियम, आयरन, क्रोमियम, टाइटेनियम की मौजूदगी का भी पता चला है। इसके अलावा चांद की मिट्टी में मैगनीज, सिलिकॉन और ऑक्सीजन भी मौजूद हैं, जबकि हाइड्रोजन की खोज जारी है। यानी अब तक कुल 9 एलिमेंट चांद की मिट्टी में मिले हैं। प्रज्ञान रोवर पर लगे यानी लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप पेलोड ने ये ऑब्जर्वेशन भेजे हैं।

इस ऑक्सीजन से सीधे सांस नहीं ले सकते - हालांकि चांद की मिट्टी पर मिली ऑक्सीजन उस फॉर्म में नहीं है कि सीधे सांस ली जा सके। ये ऑक्साइड फॉर्म में है। इससे पहले नासा ने भी चंद्रमा की मिट्टी में ऑक्सीजन का पता लगाया था। इसलिए इसरो को पहले से ही यहां ऑक्सीजन मिलने की संभावना थी। ऑक्साइड एक केमिकल कंपाउंड की कैटेगरी है। इसकी संरचना में एलिमेंट के साथ एक या ज्यादा ऑक्सीजन एटम होते हैं। इसीलिए इसरो ऑक्सीजन मिलने के बाद अब हाइड्रोजन की खोज कर रहा है।

इस प्रयोग में होता है लेजर का इस्तेमाल - इस प्रयोग में सैंपल सरफेस यानी चांद की मिट्टी या पत्थर पर हाई-फोकस्ड लेजर का इस्तेमाल किया जाता है। सरफेस के गरम होने से प्लाज्मा बनता है। इसी से बने स्पेक्ट्रम की

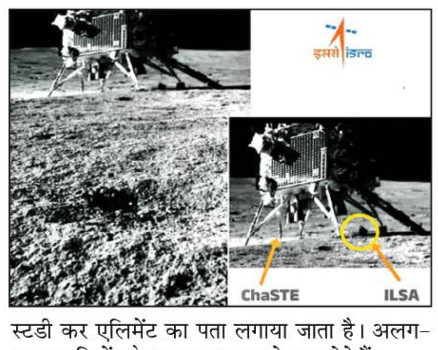

स्टडी कर एलिमेंट का पता लगाया जाता है। अलग-अलग एलिमेंट के अलग-अलग स्पेक्ट्रम होते हैं।

चंद्रमा की सतह और अलग-अलग गहराई पर तापमान में काफी अंतर - इससे पहले 27 अगस्त को चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर में लगे चास्टे पेलोड ने चंद्रमा के तापमान से जुड़ा पहला ऑब्जर्वेशन भेजा था। चंद्र सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट के मुताबिक, चंद्रमा की सतह और अलग-अलग गहराई पर तापमान में काफी अंतर है। चंद्रमा के साउथ पोल की सतह पर तापमान करीब 50 डिग्री सेल्सियस है। वहीं, 80 की गहराई में माइनस 10 टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया। चास्टे में 10 टेम्परेचर सेंसर लगे हैं, जो 10 यानी 100 की गहराई तक पहुंच सकते हैं। पेलोड को स्पेस फिजिक्स लैबोरेटरी, ने अहमदाबाद की फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी के साथ मिलकर बनाया है।

साउथ पोल का तापमान पता चलने का फायदा क्या - इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया था कि उन्होंने चंद्रमा के साउथ पोल को इसलिए चुना, क्योंकि यहां भविष्य में इंसानों को बसाने की क्षमता हो सकती है। साउथ पोल पर सूर्य का प्रकाश कम समय के लिए रहता है। अब जब चंद्रयान-3 वहां के तापमान समेत अन्य चीजों की स्पष्ट जानकारी भेज रहा है, तो वैज्ञानिक अब यह समझने की कोशिश करेंगे कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की मिट्टी वास्तव में कितनी क्षमता रखती है।

1 सेमी प्रति सेकेंड की गति से चलता है रोवर - छह पहियों वाले प्रज्ञान रोवर का वजन 26 किलो है। लैंडिंग के करीब 14 घंटे बाद गुरुवार सुबह रोवर के बाहर आने की पुष्टि की थी। लैंडर 23 अगस्त को शाम 6 बजकर 4 मिनट पर चंद्रमा पर उतरा था। ये 1 सेमी प्रति सेकेंड की गति से चलता है और अपने आस-पास की चीजों को स्कैन करने के लिए नेविगेशन कैमरों का इस्तेमाल करता है।

चंद्रयान-3 के साथ कुल 7 पेलोड भेजे गए हैं - चंद्रयान-3 मिशन के तीन हिस्से हैं। प्रोपल्शन मॉड्यूल, लैंडर और रोवर। इन पर कुल 7 पेलोड लगे हैं। एक पेलोड, जिसका नाम शेप है, वह चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल पर लगा है। ये चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगाकर धरती से आने वाले रेडिएशन की जांच कर रहा है। वहीं, लैंडर पर तीन पेलोड लगे हैं। रंभा, चास्टे और इल्सा। प्रज्ञान पर दो पेलोड हैं। एक इंस्ट्रूमेंट अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का भी है, जिसका नाम है लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर अरे। ये चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगा हुआ है। ये चंद्रमा से पृथ्वी की दूरी मापने के काम आता है।

चंद्रयान-3 के लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग 4 फेज में हुई - 23 अगस्त को 30 किमी की ऊंचाई से शाम 5 बजकर 44 मिनट पर ऑटोमैटिक लैंडिंग प्रोसेस शुरू की और अगले 20 मिनट में सफर पूरा कर लिया। चंद्रयान-3 ने 40 दिन में 21 बार पृथ्वी और 120 बार चंद्रमा की परिक्रमा की। चंद्रयान ने चांद तक 3.84 लाख किमी दूरी तय करने के लिए 55 लाख किमी की यात्रा की।

1. रफ ब्रेकिंग फेज: - लैंडर लैंडिंग साइट से 750 केएम दूर था। ऊंचाई 30 केएम और रफ्तार 6,000

ये फेज साढ़े 11 मिनट तक चला। इस दौरान विक्रम लैंडर के सेंसर्स कैलिब्रेट किए गए।

लैंडर को हॉरिजॉन्टल पोजिशन में 30 केएम की ऊंचाई से 7.4 केएम दूरी तक लाया गया।

2. ऐटीट्यूड होल्डिंग फेज: विक्रम ने चांद की सतह की फोटो खींची और पहले से मौजूद फोटोज के साथ कंपेयर किया।

चंद्रयान-2 के टाइम में ये फेज 38 सेकेंड का था इस बार इसे 10 सेकेंड का कर दिया गया था।

10 सेकेंड में विक्रम लैंडर की चंद्रमा से ऊंचाई 7.4 केएम से घटकर 6.8 केएम पर आ गई।

आदित्य एल1 मिशन के इंटरनल चेक पूरे

2 सितंबर को श्रीहरिकोटा से लॉन्च होगा मिशन, करीब 4 महीने में एल1 पॉइंट पर पहुंचेगा

बेंगलुरु।

इसरो यानी इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने बुधवार को बताया कि आदित्य एल1 मिशन को लॉन्च करने की तैयारियां चल रही हैं। व्हीकल के इंटरनल चेक पूरे कर लिए गए हैं। आदित्य एल1 को पीएसएलवी रॉकेट के जरिए 2 सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर लॉन्च किया जाएगा। ये करीब 4 महीने में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर लैगरांजे पॉइंट-1 यानी एल1 पॉइंट तक पहुंचेगा। आदित्य स्पेसक्राफ्ट, एल1 पॉइंट के चारों ओर घूमकर सूर्य पर उठने वाले तूफानों को समझेगा। इसके अलावा मैग्नेटिक फील्ड और सोलर विंड जैसी चीजों की स्टडी करेगा। आदित्य में प्रयोग के लिए 7 पेलोड लगे हैं।

आदित्य यान एल1 पॉइंट पर ही क्यों भेजा जाएगा - आदित्य को सूर्य और पृथ्वी के बीच हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। एल1 पॉइंट के चारों ओर की ऑर्बिट को हेलो ऑर्बिट कहा जाता है। इसरो का कहना है कि रु पॉइंट के आस-पास हेलो ऑर्बिट में रखा गया सैटेलाइट सूर्य को बिना किसी ग्रहण के लगातार देख सकता है। इससे रियल टाइम सोलर एक्टिविटीज और अंतरिक्ष के मौसम पर भी नजर रखी जा सकेगी। उम्मीद की जा रही है कि आदित्य रु के पेलोड कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर एक्टिविटीज की विशेषताओं, पार्टिकल्स की मूवमेंट और स्पेस वेदर को समझने के लिए जानकारी देंगे।

एल1 क्या है - लैगरांजे पॉइंट का नाम इतालवी-फ्रेंच मैथमैटीशियन जोसेफी-लुई लैगरांजे के नाम पर रखा गया है। यह सामान्य तौर पर एल-1 के नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बैलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्युगल फोर्स बन जाता है। ऐसे में इस जगह पर अगर किसी ऑब्जेक्ट को रखा जाता है तो वह आसानी से दोनों के बीच स्थिर रहता है और एनर्जी भी कम लगती है।

ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड का आईपीओ ओपन हुआ: 1 सितंबर तक कर सकेंगे अप्लाई, प्राइस बैंड 418 से 441 प्रति शेयर

मुंबई।

ग्लोबल एनर्जी एफिशिएंसी सॉल्यूशंस कंपनी ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 490.78 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 30 अगस्त से 1 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। 11 सितंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं

आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 34 शेयरों के लिए अप्लाई करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 418-441 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 441 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,994 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 442 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 194,922 इन्वेस्ट करने होंगे।

75 करोड़ के फ्रेश शेयर जारी करेगी कंपनी

इस इश्यू के लिए कंपनी 75 करोड़ के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी करेगी। जबकि 415.78 करोड़ के शेयर्स कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे। कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। ग्लोबल एनर्जी एफिसिएंसी सॉल्यूशंस कंपनी ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड एक एंट्रीग्रेटेड प्लेयर है, जो इलेक्ट्रिकल ऑटोमेशन डिवाइसेस, मीटरिंग, कंट्रोल, सेफ्टी डिवाइस, पोर्टेबल टेस्ट और मीजरिंग इंस्ट्रूमेंट के डिजाइन, निर्माण और आपूर्ति में शामिल है। कंपनी 70 से अधिक देशों में अपने प्रोडक्ट सप्लाई करती है। वहीं, देश में कंपनी के 150 से अधिक डीलर्स हैं।

न्यूजीलैंड में भी शुरू हो सकती है यूपीआई पेमेंट सिस्टम: ट्रेड मिनिस्टर्स के बीच बातचीत पर सहमति बनी, इज-ऑफ-डूइंग बिजनेस को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

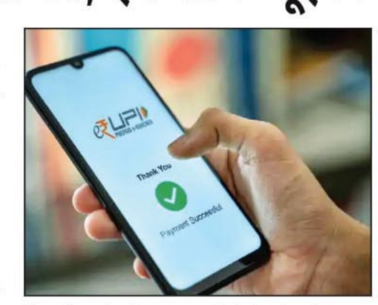

भारत और न्यूजीलैंड के बीच जल्द ही यूपीआई के जरिए पेमेंट की सुविधा शुरू हो सकती है। इसके लिए भारत के ट्रेड और कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के मिनिस्टर डेमियन ओ कॉनर के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान बातचीत हुई। इस बात की जानकारी कॉमर्स मिनिस्ट्री ने मंगलवार को दी है। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों मंत्रियों ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई को शुरू करने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और पेरेंट्स-न्यूजीलैंड के बीच बात करने पर सहमति जताई है। यूपीआई की शुरुआत से दोनों देशों के बीच इज-ऑफ-डूइंग बिजनेस यानी व्यापार करने में आसानी होगी और ट्रैवल एंड टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। फिलहाल, भूटान और नेपाल जैसे देश यूपीआई पेमेंट सिस्टम के जरिए पेमेंट कर रहे हैं। इसके अलावा भारत, फ्रांस, अमेरिका, यूरोप और एशिया के कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है।

हाल ही में जर्मनी के मंत्री ने यूपीआई से पेमेंट किया था - जर्मनी के डिजिटल एंव परिवहन मंत्री वोल्कर विसिंग ने 19 अगस्त को बेंगलुरु के एक मार्केट में सब्जी खरीद कर यूपीआई के जरिए पेमेंट किया। भारत में जर्मन दूतावास ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी शेयर किया था।

दूतावास ने इसके कैप्शन में लिखा-भारत की सफलता की कहानी में से एक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर है। यूपीआई हर किसी को सेकेंड भर में पेमेंट करने में सक्षम बनाता है। भारत के लाखों लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। परिवहन मंत्री विसिंग ने भी इसका इस्तेमाल किया, वे बहुत खुश थे। वोल्कर विसिंग शनिवार जी-20 देशों के डिजिटल मंत्रियों की बैठक में शामिल होने बेंगलुरु आए थे।

जुलाई 2023 में 9.96 अरब ट्रांजैक्शन

जुलाई 2023 में 9.96 अरब ट्रांजैक्शन यूपीआई के जरिए किए गए। वहीं लोगों ने कुल 15.34 लाख करोड़ रुपए का ट्रांजैक्शन यूपीआई के जरिए किया। पिछले साल जुलाई में ये 6.28 अरब ट्रांजैक्शन और 10.63 लाख करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन हुए थे। 2016 में लॉन्च के बाद से यूपीआई अब ट्रांजैक्शन के लिए एक पसंदीदा माध्यम बन गया है।

93 साल के हुए वॉरेन बफे

11 की उम्र में खरीदा पहला शेयर, आज उनकी नेटवर्थ 9.89 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली।

दुनिया के सबसे बड़े इन्वेस्टर वॉरेन बफे 93 साल के हो गए हैं। उनका जन्म 30 अगस्त 1930 को अमेरिका के नेब्रास्का में हुआ था। उन्होंने 11 साल की उम्र में पहला शेयर खरीदा और 13 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार टैक्स फाइल किया। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर के अनुसार, अभी वह 119.7 बिलियन डॉलर (9.89 लाख करोड़) की नेटवर्थ के साथ दुनिया के पांचवे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। वह बर्कशायर हैथवे नाम से अपनी कंपनी चलाते हैं, जिसे फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की दूसरी तिमाही में 10.4 बिलियन डॉलर का रिकार्ड ऑपरेटिंग प्रॉफिट हुआ है।

65 साल से पुराने घर में रहते हैं वॉरेन बफे - दुनिया के पांचवे सबसे अमीर व्यक्ति होने के बावजूद भी वॉरेन बफे ओमाहा में 65 साल पुराने घर में रहते हैं, जिसे उन्होंने 31,500 डॉलर में खरीदा था। आज के हिसाब से घर 26 लाख रुपए में खरीदा था। वह इसे सबसे अच्छे निवेश में से एक मानते हैं। याहू फाइनेंस के मुताबिक, वॉरेन बफे के घर की कीमत 44 गुना बढ़कर 14,39,000 डॉलर (11.9 करोड़) हो गई है। बफे मानते हैं कि

घर उन्हें खुशी देता है, लेकिन किराए पर घर लेना आर्थिक रूप से ज्यादा बेहतर कदम हो सकता है। मैं इससे बेहतर घर की कल्पना नहीं कर सकता हूं। बफे के पोर्टफोलियो में यह एकमात्र अचल संपत्ति है।

एक रिजेक्शन ने वॉरेन बफे की जिंदगी बदली - गर्मियों का मौसम था। यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का से ग्रेजुएशन करने के बाद वॉरेन बफे ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में एडमिशन के लिए अप्लाय किया। उन्हे बताया गया कि शिकागो के करीब एक जगह होगा। जो करीब 10 मिनट तक चला। उससे कहा गया भूल जाओ... आप हार्वर्ड नहीं जा सकते। वो काफी परेशान हो गए और सोचा कि अपने पिता को क्या जवाब देगें

लेकिन इस रिजेक्शन ने उनकी जिंदगी बदल दी। रिजेक्शन के बाद वो किसी और यूनिवर्सिटी में एडमिशन के बारे में सोचने लगे। तभी कोलंबिया बिजनेस स्कूल के कैटलॉग को देखते हुए उसकी नजर दो प्रोफेसरों के नामों पर पड़ी: बेंजामिन ग्राहम और डेविड डोड। तब उन्होंने ने इन प्रोफेसर्स की लिखी बुक सिक्योरिटी एनालिसिस पढ़ी थी। ऐसे में अगस्त के मिड में बफे ने उन प्रोफेसरों को एक पत्र लिखा।

डियर प्रोफेसर डोड। मुझे लगा कि आप लोगों की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन मुझे पता चला कि आप जीवित हैं और कोलंबिया में पढ़ा रहे हैं। मैं भी कोलंबिया आकर आपसे पढ़ना चाहता हूं। इस लेटर के बाद वॉरेन बफे को कोलंबिया बुला लिया गया। वह दुनिया का सबसे बड़े निवेशक हैं। बफे को प्रोफेसर ग्राहम ने निवेश के दो नियम सिखाए जिसका वो हमेशा पालन करते हैं।

सब्जियों की कीमतों में वृद्धि के बावजूद महंगाई में स्थिरता

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश की जीडीपी के बारे में आश्वस्त दिख रही हैं। उन्होंने देश में समग्र महंगाई को भी स्थिर बताया है। वित्त मंत्री ने एक साझात्कार में कहा है कि टमाटर और प्याज जैसी वस्तुओं की कीमतों में सामान्य परिस्थितियों के कारण तेजी आई है, और इसी से महंगाई का दबाव बढ़ा है। ऐसा कहीं कम तो कहीं अत्यधिक बारिश के कारण हुआ है। मानसून में गड़बड़ी और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में सौ से दो सौ प्रतिशत का उछाल आया है। हालांकि इसके बावजूद समग्र रूप से देखा जाए तो महंगाई दर स्थिर रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि आने वाले त्योहारी सीजन के दौरान लोग ज्यादा खर्च करेंगे इससे पहली तिमाही में दर्ज की गई जीडीपी की मजबूती जारी रहने का अनुमान है। दिसंबर तक मजबूत मांग का माहौल बना रहेगा। वहीं दूसरी ओर, अदाणी-हिंडनबर्ग प्रकरण में सीतारमण ने एक्टिविस्ट शॉर्ट सेलिंग को एक प्रथा के रूप में चिह्नित किया जहां व्यक्ति या संस्थाएं रणनीतिक रूप से एक लक्षित कंपनी के मूल्यांकन में हेरफेर करने के लिए पोजिशन लेते हैं। इस प्रक्रिया में अक्सर मूल्यांकन को कम करना और बाद में इसे बढ़ाना शामिल होता है, जिससे इसमें शामिल मोटा मुनाफा कमाते हैं। इन जटिलताओं के बीच, सीतारमण ने जोड़-तोड़ की कार्रवाइयों से वास्तविक चिंताओं को समझने में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की भूमिका पर प्रकाश डाला।

एटम बम के साथ एआई की तुलना - हाल ही में वॉरेन बफे एआई की तुलना एटम बम से करते हुए चिंता जता चुकें हैं। उन्होंने दावा किया था कि पुरुषों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को छोड़कर एआई दुनिया में सब कुछ बदल सकता है। बफे ने एआई के शॉर्ट टर्म बेनिफिट्स के बजाय इसके लॉन्ग टर्म रिजल्ट्स के बारे में सोचने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

मैं सुलक्षणा पंडित की तरह दिखूं : शबाना आजमी

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री शबाना आजमी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर चर्चा में है। फिल्म में शबाना के किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके पहले भी वह कई सुपरहिट मूवीज में अपने रोल से लोगों का दिल जीत चुकी हैं। इसी बीच शबाना ने कैमरा फेस करने का अपना पहला अनुभव शेयर किया है। शबाना आजमी ने बताया कि वह मुश्किल से अपने डायलॉग्स बोल पाती थीं, क्योंकि मेकअप आर्टिस्ट ने उनके चेहरे पर बहुत सारा मेकअप लगा दिया था। इसके बाद शबाना को 100 प्रतिशत यकीन था वहां लोग उन्हें बाहर निकाल देंगे क्योंकि उनका पहला स्क्रीन टेस्ट डिजास्टर था। शबाना ने बताया, जब मैंने पहली बार स्क्रीन टेस्ट दिया, तब बहुत ही बुरा था क्योंकि उन्होंने मुझ पर इतना मेकअप लगा दिया था कि मैं अपना मुंह भी नहीं खोल पा रही थी। बहुत सारा मेकअप था। मैं इतनी भयानक लग रही थी कि मैंने कहा कि 100 प्रतिशत वहां मुझे बाहर निकाल देंगे क्योंकि मैं उनके काम नहीं आने वाली। लेकिन, मुझे एहसास हुआ कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मेरे चेहरे पर बहुत सारा पैनकेक (मेकअप) था और ऐसा नहीं होना चाहिए था। शबाना ने माना कि जब उन्होंने मुख्य कैमरे को फेस किया, तब उन्हें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में श्याम की आभारी हूं कि हमने बिल्कुल भी मेकअप नहीं किया था, बिल्कुल भी बेस नहीं था, आप वास्तविक जीवन में बिल्कुल वैसे ही दिखते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने इस आसान बनाया। जब मैं मेनस्ट्रीम सिनेमा कर रही थी, तब मुझे कैमरा फेस करने में मुश्किल होती थी। एक समय था जब मेरी इच्छा थी कि मैं सुलक्षणा पंडित की तरह दिखूं और मेरे फेस पर ये मेकअप और विग न हो। मैंने उस तरह दिखने के लिए बहुत मेहनत की। मगर जितना उस सांचे में फिट होने की कोशिश की, मैं उतनी ही खराब दिखने लगी। बता दें, शबाना आजमी ने साल 1974 में श्याम बेनेगल की फिल्म अंकुर से डेब्यू किया था। इसमें उनकी परफॉर्मेंस काफी पसंद किया गया था और इसके लिए, उन्होंने बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी जीता था।

सामंथा ने जिम में वर्कआउट करते वीडियो किया शेयर

-इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो

मुंबई (ईएमएस)। जिम में वर्कआउट करते हुए एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने अपना एक वीडियो शेयर किया। यह वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। सामंथा एक्टिंग से ब्रेक पर हैं, वह अपने हेल्थ पर ध्यान देना चाहती हैं। वह ऑटोइम्यून स्थिति मायोसिटिस नामक बीमारी से जूझ रही हैं। जानकारी के अनुसार, मायोसिटिस मांसपेशियों में सूजन पैदा करता है, जिससे मसल्स कमजोर, दर्दनाक और थकी हुई हो जाती हैं। फिटनेस फ्रीक सामंथा बाली वेकेशन के बाद वापस भारत लौट आई हैं, और अपने नए वर्कआउट वीडियो के साथ अपने फैंस को मंडे मोटिवेशन दे रही हैं। वर्कआउट वीडियो को एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया है। वीडियो में सामंथा को अपनी पालतू बिल्ली गैलैटो के साथ एक्सरसाइज करते हुए दिखाई दे रही हैं। वह ब्लैक टी-शर्ट, ग्रे शॉर्ट्स पहने हुए हैं और अपनी बिल्ली को प्यार करते हुए वर्कआउट कर रही हैं। सामंथा निकी मिनाज, रिहाना के फ्लाई के बैकग्राउंड म्यूजिक पर काम कर रही हैं। हाल ही में, सामंथा वेकेशन पर बाली में थी, जहां से उन्होंने अपनी और प्रकृति की खूबसूरत फोटोज शेयर की। उन्होंने फूड, बीच, म्यूजिक, पारंपरिक मूर्तियों और आइसक्रीम की भी फोटो शेयर की थी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, थोड़ा जियो।

आदित्य चोपड़ा की टाइगर 3 बनाम पठान होगी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा की टाइगर 3 टाइगर बनाम पठान होगी। भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज सलमान खान और शाहरुख खान इस फिल्म में स्थिति से निपटने के लिए कड़ी मेहनत करते नजर आएंगे। टाइगर बनाम पठान के बारे में पहले से ही जबरदस्त चर्चा है और वाईआरएफ (यश राज फिल्म्स) ने इस परियोजना के बारे में चुप रहना बेहतर समझा है। फिल्म का अपना शूटिंग शेड्यूल जनवरी 2024 में शुरू होगा। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित टाइगर 3 एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे मनीष शर्मा ने निर्देशित किया है। फिल्म में सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी हैं। सूत्र ने आगे कहा, हमें यकीन है कि आदित्य चोपड़ा टाइगर 3 में टाइगर वर्सेस पठान के अस्तित्व को छेड़ेंगे। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स ने सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ शुरुआत की, जिसकी शुरुआत एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) से हुई, और ऋतिक अभिनीत वॉर (2019) के साथ जारी रही। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की नवीनतम पेशकश टाइगर 3 इस दीवाली सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

तीन भाषाओं में शूट हुआ जिंदा बंदा गाना

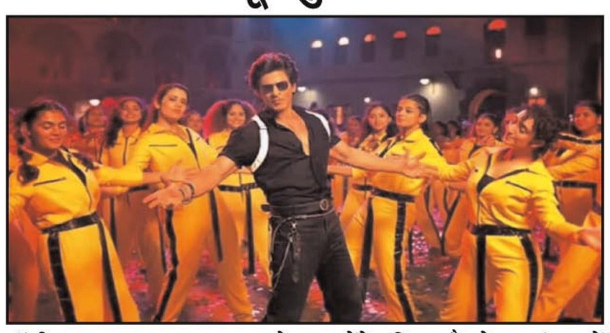

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने पहली बार जिंदा बंदा गाने के लिए, तीन भाषाओं में शूटिंग की है। यह गाना हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में गाया गया है। गाने की हिंदी में जिंदा बंदा, तमिल में वंधा एडम और तेलुगु में धुम्मे धुलिपेला बोल हैं। शाहरुख गाने में फीमेल को-स्टार्स और हजारों फीमेल डांसर्स के साथ झूमते दिखाई दे रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, शाहरुख ने पहली बार तीन भाषाओं में लिपसिंक की है। उन्होंने तमिल और तेलुगु संस्करणों के लिए गाने के बोल सीखे और शूटिंग के दौरान चेन्नई यूनिट ने उनकी सहायता की। उन्होंने इस गाने को तीन भाषाओं के लिए तीन बार शूट किया। पहले गाने की शूटिंग पांच दिनों तक चली, जिसमें शाहरुख खान के जबरदस्त डांस मूव शामिल हैं। शाहरुख स्टारर फिल्म जवान 7 सितंबर 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

सुष्मिता सेन फिर ओटीटी पर छाने के लिए तैयार

- रियल स्टोरी पर है यह वेब सीरीज

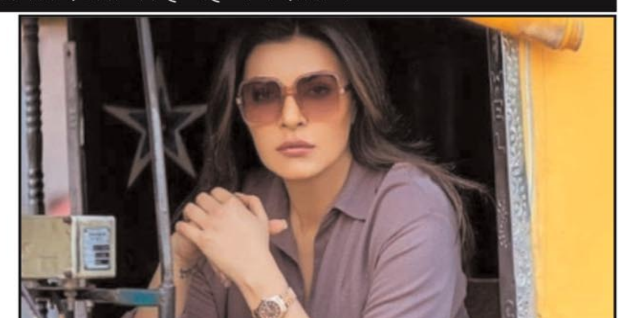

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन एक बार फिर ओटीटी पर छाने के लिए तैयार हैं। वेब सीरीज ताली में सुष्मिता एक ट्रांसजेंडर की भूमिका में नजर आने वाली हैं। अब वेब सीरीज का दमदार टीजर भी रिलीज हो चुका है। टीजर में सुष्मिता अपने स्वाभिमान, सम्मान और स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ती नजर आ रही हैं। टीजर की शुरुआत सुष्मिता सेन के लाल बिंदी लगाने से होती है जो उनकी ताकत को दर्शाता है। इस टीजर के वॉइस ओवर में सुष्मिता कहती हैं, मैं गौरी, जिसे कोई हिजड़ा बुलाता है, तो कोई सोशल वर्कर, कोई नौटंकी तो कोई गेम चेंजर। ये कहानी इसी सफर की है, ताली से ताली तक। फिर फ्रेम उसके संघर्ष और सिस्टम के खिलाफ लड़ाई पर केंद्रित हो जाता है, जो तीसरे लिंग को पहचानने के लिए तैयार नहीं है। फिल्म में सुष्मिता का किरदार उम्र लग रहा है और वह श्रीगौरी सावंत के रूप में ऐसी रच बस गई हैं कि उनकी असली पहचान कहीं नजर नहीं आ रही। यह वेब सीरीज कोई फिक्शन नहीं बल्कि रियल लाइफ पर आधारित है। वह ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज का प्रीमियर 15 अगस्त से जियोसिनेमा पर मुफ्त में होगा। रवि जाधव द्वारा निर्देशित, वेब श्रृंखला क्षितिज पटवर्धन द्वारा लिखी गई है और अर्जुन सिंह बारन, कार्तिक डी निशानदार और अफीफा सुलेमान नाडियाडवाला द्वारा समर्थित है। फिल्म का टीजर शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ताली से ताली तक के सफर की ये कहानी। पेश है भारत के तीसरे लिंग के लिए श्रीगौरी सावंत की लड़ाई की कहानी। #तालीऑन जियोसिनेमा 15 अगस्त से मुफ्त स्ट्रीमिंग। 2008 में, उनकी मां के एड्स से पीड़ित होने के बाद उन्होंने गायत्री नाम की एक लड़की को गोद लिया। गौरी ने विक्स के एक विज्ञापन में काम किया जिसमें उनकी कहानी और गोद लेने की यात्रा को दर्शाया गया था। आपको बता दें कि बीते साल से सुष्मिता अपने इस प्रोजेक्ट में बिजी थीं। गौरी सावंत ट्रांसजेंडर लोगों के गोद लेने के अधिकार के लिए, भारत के सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाली पहली ट्रांसजेंडर थीं। पुणे में गणेश के रूप में जन्मीं, वह महाराष्ट्र में चुनाव आयोग की सद्भावना राजदूत बनीं और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) मामले में याचिकाकर्ता थीं।

हॉलीवुड फिल्म ने ज्यादा कमाई की

देश के बॉक्स ऑफिस पर किसी हॉलीवुड फिल्म ने पहली बार किसी मल्टी स्टारर बॉलीवुड मूवी के मुकाबले ज्यादा कमाई की है। इस बॉलीवुड फिल्म के साथ करण जोहर सात साल बाद निर्देशक के रूप में वापसी कर रहे हैं। एटम बम का आविष्कार करने वाले मैनहैटन प्रोजेक्ट और इसके मुखिया जे. रॉबर्ट ओपनहाइमर की दुविधा पर आधारित क्रिस्टोफर नोलान की फिल्म ओपनहाइमर ने रिलीज वाले वीकेंड पर कमाई के मामले में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को पीछे छोड़ दिया है। माना जा रहा था कि ओपनहाइमर से जुड़े विवाद के कारण फिल्म भारत में उतनी सफल नहीं हो सकेगी। लेकिन इसके विपरीत फिल्म ने देश में रिलीज के दिन शुक्रवार को 13.5 करोड़ रुपये, उसके बाद शनिवार को 16.5 करोड़ रुपये और रविवार को 17.25 करोड़ रुपये की कमाई की। इस प्रकार इसकी कुल कमाई 47.25 करोड़ रुपये रही। पहले 10 दिन में फिल्म 91.05 करोड़ रुपये कमा चुकी है। अमेरिका से बाहर ब्रिटेन के बाद ओपनहाइमर की सबसे ज्यादा कमाई भारत में हुई है।

अक्षय कुमार की 'ओएमजी-2' का ट्रेलर रिलीज, 11 अगस्त को आएगी सिनेमाघरों में

अक्षय कुमार की 2012 की फिल्म ओह माई गॉड के सीक्वल ओएमजी-2 की इस समय काफी चर्चा हो रही है। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज किया गया है। फिल्म ओएमजी-2 की पूरी कहानी कांति शरण मुद्गल के परिवार पर आधारित है। 3 मिनट के ट्रेलर में अक्षय कुमार के शिव अवतार ने लोगों का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद कांति शरण मुद्गल के बेटे को स्कूल से निकाल दिया गया है। इसके बाद ट्रेलर में नजर आता है कि कांति शरण का बेटा सुसाइड करने जाता है। उसे स्कूल से भी निकाल दिया गया है। इसके बाद कांति शरण ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सीधे कोर्ट में याचिका दायर कर दी। ट्रेलर में एक कोर्ट सीन खास ध्यान खींचता है। इसमें जज पूछते हैं कि आरोपी और शिकायतकर्ता कौन है। इसके बाद पंकज त्रिपाठी हाथ उठाकर जवाब देते हैं कि दोनों मैं हूं। तो क्या कांति शरण को मिलेगा न्याय? भगवान शिव शंकर के दूत अक्षय कुमार उनकी कैसे मदद करेंगे? ट्रेलर में बताया गया है कि यह 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) यानी सेंसर बोर्ड ने ओएमजी-2 को ए सर्टिफिकेट दिया है। 11 अगस्त को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी के साथ यामी गौतम, गोविंद नामदेव और अरुण गोविल भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

ड्रीम गर्ल 2 को लेकर दर्शकों की बढ़ी बेताबी

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की फिल्म ड्रीम गर्ल-2 25 अगस्त को रिलीज होने वाली है। लोग इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का नया पोस्टरसामने आया है और इसका ट्रेलर भी आज ही आएगा। आयुष्मान खुराना ने अपनी फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए लोगों का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर में आयुष्मान खुराना के पूजा वाले अवतार में नजर आ रहे हैं। बताते चलें कि फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में पहली बार आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे काम करने जा रहे हैं। ड्रीम गर्ल 2 का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। फिल्म के ट्रेलर से आयुष्मान खुराना ने नया पोस्टर शेयर किया जो लोगों को ध्यान खींच रहा है। फिल्म ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर में आप देख सकते हैं कि आयुष्मान खुराना पूजा के अवतार में कार के बोनट पर खड़े नजर आ रहे हैं और फिल्म की बाकी स्टारकास्ट उन्हें नीचे से निहार रही है।

हाथों में हाथ डाले दिखे तमन्ना-विजय वर्मा

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा को मुंबई में हाथों में हाथ डाले घूमते देखा गया। डेटिंग की खबरों के बीच दोनों को एक ही कार में घर वापस जाते भी देखा गया। सेलिब्रिटी पैपराजी योगेन शाह द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर और वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रही है, जिसमें कपल मुस्कुराते हुए एक-दूसरे का हाथ पकड़कर चलते हुए देखे जा सकते हैं। आउटिंग के दौरान तमन्ना और विजय कैजुअल ड्रेस में दिखे। एक्ट्रेस ने ब्लैक जींस के साथ वाइट टी-शर्ट पहनी थी। जबकि, विजय स्वेटशर्ट, स्नीकर्स के साथ ब्लू जींस में नजर आए।

इस कपल ने लस्ट स्टोरीज 2 के सेट पर मुलाकात के बाद डेटिंग शुरू की। उन्होंने फिल्म निर्माता सुजॉय घोष की शॉर्ट फिल्म में एकसाथ काम किया। विजय एक्ट्रेस के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करने से नहीं कतराते। एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में एक्टर ने साझा किया कि वह उनके प्यार में पागल हैं।

रजनीकांत की 'जेलर' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। इस ट्रेलर को देखकर रजनीकांत के फैंस काफी खुश हैं। रजनीकांत के लुक से लेकर उनके स्टाइल तक हर चीज की तारीफ होती नजर आ रही है। ट्रेलर से साफ है कि रजनीकांत के इस नाम का जादू और उनका समग्र मजबूत प्रक्षेपण उनके प्रशंसकों को जेलर में अनुभव होगा। जेलर में रजनीकांत एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में तमन्ना भाटिया और बाहुबली में शिवगामी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री राम्या कृष्णन भी हैं। फिल्म का नाम पहले थलाइवर 169 था, लेकिन बाद में निर्माताओं ने जेलर नाम की पुष्टि की। ट्रेलर की शुरूआत तेज-तर्रार एक्शन से होती है। फिल्म की कहानी एक जेलर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जेल में एक कुख्यात गैंग का बड़ा गैंगस्टर कैद है। गिरोह के सदस्य उसे जेलर (रजनीकांत) की जेल से छुड़ाने की योजना बनाते हैं, लेकिन ईमानदार जेलर मुथुवेल यानी रजनीकांत बेहद सख्त हैं। उनका एक और पक्ष बेहद डरावना है, लेकिन इसके बारे में उनके परिवार का कोई भी सदस्य नहीं जानता। इसमें रजनीकांत का एक्शन देखकर दर्शक दंग रह जाते हैं। फिल्म में बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा तमन्ना भाटिया पर फिल्माया गया गाना कवाला इस वक्त काफी चर्चा में है। फिल्म का लेखन और निर्देशन नेल्सन ने ही किया है। जेलर10 अगस्त को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सूडोकु नवताल- 6512

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6511 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्दजाल - 7259

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो,राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

शब्दजाल - 7258 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दो	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6212

7	5		3	6		
	33		32		28	
2		7			6	1
	30	2	37	4	34	
5	1			7		4
	26		38		36	
	1	5	6			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6211 का हल

5	7	3	1	4	6	2
6	31	1	25	5	33	1
3	1	5	4	2	6	7
4	27	2	28	1	37	6
2	3	7	1	6	5	4
7	36	6	37	3	35	3
1	6	4	3	7	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

चेस वर्ल्ड कप में रनरअप रहे प्रगनानंदा भारत लौटे : चेन्नई एयरपोर्ट पर जुटी भीड़ देखकर बोले- बहुत खुश हूं, ये चेस के लिए अच्छा है

चेन्नई।
भारत के युवा चेस खिलाड़ी रमेशबाबू प्रगनानंदा का चेन्नई पहुंचने पर स्वागत किया गया।प्रगनानंदा ने चेन्नई पहुंचने के बाद कहा, मैं इतनी संख्या में लोगों को देखकर खुश हूं। यह चेस के लिए अच्छा संकेत है। प्रगनानंदा अजरबैजान के बाकू में हुए एफआईडीई वर्ल्ड कप में रनर अप रहे थे। प्रगनानंदा ने चेन्नई एयरपोर्ट से अपने पैरेंट्स के साथ तमिलनाडु सीएम एम के स्टालिन और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन से मिले। फाइनल में उन्हें 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराया। टाईब्रेकर का पहला रैपिड गेम नॉर्वे के खिलाड़ी ने 47 मूव के बाद जीता था। दूसरा गेम ड्रॉ रहा और कार्लसन चैंपियन बन गए। इससे पहले, दोनों ने क्लासिकल राउंड के दोनों गेम ड्रॉ खेले थे। प्रगनानंदा अगर यह मुकाबला जीत जाते तो 21 साल बाद कोई भारतीय यह टाइटल जीतता। इससे पहले विश्वनाथन आनंद ने 2002 में इस चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। तब प्रगनानंदा पैदा भी नहीं हुए थे।

पिता बैंक में काम करते हैं, मां हाउस वाइफ

प्रगनानंदा का जन्म 10 अगस्त, 2005 को चेन्नई में हुआ। उनके पिता स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक में काम करते हैं, जबकि मां नागलक्ष्मी एक हाउसवाइफ हैं। उनकी एक बड़ी बहन वैशाली आर हैं। वैशाली भी शतरंज खेलती हैं। प्रगनानंदा का नाम पहली बार चर्चा में तब आया, जब उन्होंने 7 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चैम्पियनशिप जीत ली। तब उन्हें फेडरेशन इंटरनेशनल डेस एचेक्स मास्टर की उपाधि मिली। वे 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए और सबसे कम उम्र में यह उपाधि हासिल करने वाले भारतीय बने। इस मामले में प्रगनानंदा ने भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले, वे 2016 में यंगेस्ट इंटरनेशनल मास्टर बनने का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। तब वे 10 साल के ही थे। चेस में ग्रैंडमास्टर सबसे ऊंची कैटेगरी वाले खिलाड़ियों को कहा जाता है। इससे नीचे की कैटेगरी इंटरनेशनल मास्टर की होती है।

बहन को देखकर चेस खेलना शुरू किया

इस युवा चेस प्लेयर ने करियर की शुरुआत अपनी बड़ी बहन वैशाली आर को देखकर की। वैशाली भी शतरंज खेलती हैं। वे 5 साल की उम्र से शतरंज खेल रही हैं। वैशाली भी महिला ग्रैंडमास्टर हैं। वे बताती हैं- जब मैं करीब 6 साल की थी, तो बहुत कार्टून देखती थी। मुझे टीवी से दूर करने के लिए पेरेंट्स ने मेरा नाम शतरंज और ड्रॉइंग की क्लास में लिखा दिया।

न्यूज ब्रीफ

नीरज के वीडियो देखकर पाकिस्तानी एथलीट ने निखारी तकनीकि, रजत पदक जीतने के बाद किया खुलासा

नई दिल्ली । विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान के लिए पहला पदक जीतने वाले जेवलिन थ्रोअर अरशद नदीम का अपने देश में पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता नदीम ने कहा कि हमें सिर्फ अच्छी सुविधाओं की जरूरत है। उन्होंने नीरज चोपड़ा और अन्य थ्रोअरों के वीडियो देखकर अपनी तकनीकि को निखारा है। नदीम ने कहा कि उन्होंने वीडियो में उनकी तकनीकि को पढ़ा और समझा कि वह भाला फेंकने के दौरान अपने को किस स्थिति में लाते हैं। नदीम ने कहा कि उनके नीरज के साथ अच्छे संबंध हैं और वे दोनों ही एक दूसरे का बेहद सम्मान करते हैं। वह जीतें (नीरज) या मैं जीतों, हम दोनों ही अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं, लेकिन स्वर्ण पदक तो एक ही है। नदीम ने यह भी स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में स्वर्ण गंवाने पर उन्हें शुरुआत में दुख हुआ, लेकिन बाद में मुझे इस बात की खुशी भी हुई कि वह विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले पहले पाकिस्तानी एथलीट बन गए हैं। नदीम का लाहौर एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद उन्हें सड़क मार्ग के जरिए खानेवाल जिले में पड़ते मियांचन्नू स्थित उनके घर ले जाया गया। जहां उनके परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों ने उनका ढोल नगाणे बजाकर स्वागत किया। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार उल हक ने नदीम को 50 लाख रुपये का कैश अवार्ड देने की घोषणा की। नदीम ने कहा कि अगर उन्हें आधुनिक कोचिंग, उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो वह पेरिस ओलंपिक में पाकिस्तान के लिए स्वर्ण जीत सकते हैं।

विराट को खेलते देखना चाहते हैं पाक प्रशंसक

मुल्तान । एशिया कप की शुरुआत पर पाकिस्तान के प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। प्रशंसकों का कहना है कि अगर भारतीय टीम यहां खेलती तो और भी अच्छा होता क्योंकि सभी विराट को खेलते हुए देखना चाहते हैं। पाक प्रशंसकों को अब भी उम्मीद है कि विराट आयेंगे। एशिया कप से पहले ही कई प्रशंसकों ने विराट को पाकिस्तान में खेलते देखने की इच्छा भी जतायी थी। स्थानीय क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा कि कई टीमें पाकिस्तान में खेलने वाली हैं। अगर भारत आता तो उत्साह का स्तर और भी बढ़ जाता। साथ ही कहा कि यहां हर कोई विराट कोहली को पसंद करता है। पाकिस्तान में भी बहुत सारे भारतीय टीम के प्रशंसक हैं और हर कोई विराट को पसंद करता है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि एशिया कप के कुछ मैच पाक में हो रहे हैं हालांकि हम हाइब्रिड मॉडल से बहुत खुश नहीं हैं। अच्छा होता अगर अन्य टीमें भी मुल्तान में ही खेलतीं। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि अगली बार भारत चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अवश्य आएगा। वहीं भारत और पाक का मुकाबला 2 सितंबर को कैंडी के पल्लेकेले अंतर्राष्टीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत, पाक और नेपाल की टीम ग्रुप ए में रखी गयी है। प्रशंसकों के अनुसार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर सभी की नजरें रहेंगी। उन्हें उम्मीद है कि पाक टीम वैसे ही खेलेगी जैसे उसने अफगानिस्तान के साथ खेला है।

द्रविड़ ने टीम में किये गये प्रयोगों पर सफाई दी , कई बार अचानक होती हैं चीजें

मुम्बई । पिछले कुछ समय में भारतीय टीम ने कई युवा खिलाड़ियों को अलग-अलग बल्लेबाजी क्रम पर आजमाया है। इसे लेकर टीम प्रबंधन की आलोचना तक हुई है। इसी को लेकर अब टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपनी बात रखी है। द्रविड़ ने कहा कि हम केवल प्रयोग करने के लिए ऐसा नहीं कर रहे। द्रविड़ ने कहा, प्रयोग शब्द का इस्तेमाल बिना सोचे समझे हो रही है जबकि वास्तविकता ये है कि कई बार अचानक ऐसी चीजें हो जाती हैं, जिसके कारण कुछ चीजें करनी पड़ती हैं। इस दौरान द्रविड़ ने बल्लेबाजी को लेकर हो रहे प्रयोगों पर भी अपनी बात रखी और कहा , टीम के नंबर-4 और 5 को लेकर काफी बातें और चर्चा हो रही है। इससे ये छवि बन रही है कि इस नंबर पर कौन उतरेगा इसपर हमारे मन में संशय है पर ये सही नहीं है। कौन इस नंबर पर बल्लेबाजी करेगा इसका जवाब हम 18-19 महीने पहले ही बता सकते थे।

टीम इंडिया ने पाकिस्तान को फोकस रख प्रैक्टिस की

4 दिन रोहित-कोहली ने यश दयाल और उमरान की बॉलिंग फेस की, ताकि शाहीन-रऊफ से निपट सकें

नई दिल्ली ।
एशिया कप के लिए टीम इंडिया बुधवार को बेंगलुरु से श्रीलंका के लिए रवाना हो गई। इससे पहले टीम ने बेंगलुरु के अलूर में 5 दिन तक जमकर प्रैक्टिस की। इस दौरान पाकिस्तानी टीम को ध्यान में रखकर तैयारी की गई। एशिया कप में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 2 सितंबर को है। भारतीय टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों ने पहले दिन छोड़कर बाकी चारों दिन लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर शाहीन शाह अफरीदी और पाकिस्तानी पेसर्स को ध्यान में रखा। चूंकि टीम इंडिया में एक भी लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर एशिया कप की टीम में शामिल नहीं है इसलिए यश दयाल और अनिकेत चौधरी को बुलाया गया था। वहीं, पेस को ध्यान में रखते हुए उमरान मलिक को नेटबॉलर्स के तौर पर बुलाया गया था। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली सहित टॉप ऑडर्स के बल्लेबाज शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने पेसर्स खास तौर से लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर यश दयाल और अनिकेत चौधरी के साथ जमकर पसीना बहाया। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान लीग मैच में भारतीय बल्लेबाजों को पाकिस्तानी पेसर्स के सामने जूझना पड़ा था। इस मुकाबले में भारत के 6 विकेट गिरे थे। जिसमें 3 विकेट पेसर्स ने लिए थे। जबकि 2 स्पिनर्स को मिले और एक रन आउट हुआ था। हालांकि टीम इंडिया को 4 विकेट से जीत मिली थी। वहीं, यूएई में 2021 में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को पहली बार वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के हाथों 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया के टॉप बल्लेबाज लेफ्ट आर्म पेसर शाहीन शाह अफरीदी के सामने विवश नजर आए थे। शाहीन शाह ने केएल राहुल, विराट कोहली और रोहित शर्मा को पवेलियन भेजा था।

द्रविड़ ने बताया था- राहुल अभी एनसीए में ही रहेंगे - टीम इंडिया के चीफ कोच राहुल द्रविड़ ने मंगलवार (29 अगस्त) को प्रेस वार्ता में जानकारी दी थी कि एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय दल में शामिल केएल राहुल एशिया के शुरुआती लीग मैच में नहीं खेल पाएंगे। वह नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रहकर ही रिहैब करेंगे। केएल राहुल इस साल मार्च-अप्रैल में आईपीएल के दौरान चोटिल हो गए थे। तब से वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं। फिलहाल बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब कर रहे हैं।

ईशान ने अब तक नंबर-4 तक ही बल्लेबाजी की है - ईशान ने अपने वनडे करियर में कभी भी नंबर-5 पर बैटिंग नहीं की। उन्होंने ओपनिंग और नंबर-4 तक ही बल्लेबाजी की है। ऐसे में अगर वे केएल राहुल की जगह खेलें तो उनके लिए नंबर-5 पर बैटिंग करना एक चैलेंज की तरह होगा। ईशान ने इस साल खेले 6 वनडे मैचों में 4 नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 21.20 की औसत से 106 रन बनाए हैं। स्ट्राइक रेट भी 68.08 रहा है। वहीं पहले नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 4 मैचों में 46.75 की औसत से 187 रन बनाए हैं।

नंबर-4 पर श्रेयस अय्यर हैं पसंदीदा खिलाड़ी - इस साल फरवरी-मार्च में भारतीय दौरे पर आई ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ टेस्ट सीरीज के दौरान अय्यर चोटिल हो गए थे। तब से वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। एशिया कप से उनकी वापसी हो रही है। अय्यर वनडे में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए टीम इंडिया के पसंदीदा खिलाड़ी हैं। अय्यर ने इस नंबर पर 20 मैचों में बल्लेबाजी करते हुए 47.35 की औसत से 805 रन बनाए हैं। उन्होंने 2 शतक और 5 अर्धशतक भी जमाए हैं।

पहला दिन फिटनेस के नाम - कैंप के पहले दिन शुक्रवार को टीम इंडिया का फोकस फिटनेस पर रहा। पहले दिन खिलाड़ियों ने यो-यो टेस्ट दिया। जिसमें विराट कोहली का स्कोर 17.2 था। यो-यो टेस्ट को सभी खिलाड़ियों ने पास किया।

दूसरे दिन 13 से 15 नेटबॉलर्स के सामने बल्लेबाजों ने की प्रैक्टिस - दूसरे दिन टीम इंडिया का फोकस बल्लेबाजी पर रहा। दूसरे दिन आईपीएल और घरेलू क्रिकेट के करीब 13 से 15 टॉप बॉलर्स के सामने बल्लेबाजों ने प्रैक्टिस की। इसमें उमरान मलिक और यश दयाल जैसे बॉलर्स भी शामिल थे। दूसरे दिन का सेशन काफी लंबा चला। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने सेशन की शुरुआत की। उसके बाद विराट कोहली और श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी करने आए। वहीं स्पिनर्स साईं किशोर और कुलदीप यादव ने विराट कोहली के खिलाफ जमकर गेंदबाजी की। सबसे ज्यादा फोकस केएल राहुल पर रहा। जो थाई इंजरी के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। सूर्या और केएल राहुल की जोड़ी ने प्रैक्टिस की। वहीं केएल राहुल काफी सहज दिखे।

तीसरे दिन भी फुल फॉर्म पर नजर आए खिलाड़ी - तीसरे दिन भी प्रैक्टिस सेशन में खिलाड़ी फुल फॉर्म में नजर आए। तीसरे दिन सबसे पहले मैदान पर कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल बल्लेबाजी करने आए। राहुल और रोहित के बाद बल्लेबाजी करने के लिए विराट कोहली आए। उन्होंने पाकिस्तानी स्पिनर्स शादाब खान और मोहम्मद नवाज से निपटने की तैयारी की। कोहली ने भारतीय स्पिनर्स के सामने बल्लेबाजी की प्रैक्टिस की। फिर विराट ने जडेजा के साथ मिलकर लेफ्ट आर्म पेस के खिलाफ भी तैयारी की। कोहली ने पाकिस्तानी लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर शाहीन अफरीदी का सामना करने के लिए भारतीय लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर अनिकेत चौधरी का सामना किया। इसके अलावा कोहली-जडेजा ने मोहम्मद सिराज और शार्दूल ठाकुर के सामने भी पसीना बहाया। वहीं चोट से वापसी कर रहे केएल राहुल ने पहली बार विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस की। हालांकि उन्होंने कीपिंग की प्रैक्टिस ज्यादा देर तक नहीं की।

क्रिकेटर रिंकू सिंह बोले

आर्थिक रूप से मजबूत होंगे खिलाड़ी, छिपे चेहरों को सामने लाएगी लीग

कानपुर।
आइपीएल में पांच गेंद पर पांच छक्के लगाकर भारतीय टीम में पहुंचे रिंकू सिंह अब यूपी टी-20 लीग में धमाल मचाएंगे। फटाफट प्रारूप में मेरठ मेवरिक्स टीम की ओर से खेलने वाले रिंकू क्रिकेट के हर प्रारूप में खेलने के लिए तैयार हैं। बातचीत में रिंकू ने कहा कि यूपी टी-20 लीग से छिपे हुए चेहरों को मंच मिलेगा और वे आर्थिक रूप से मजबूत होंगे।

मेरठ टीम की जर्सी लांच, आइपीएल और देश के लिए खेलना चुनौतीपूर्ण

यूपी लीग भविष्य को संवारने वाली लीग है। इससे खिलाड़ियों का आइपीएल में चयन का रास्ता भी खुल सकता है। बेहतर प्रदर्शन कर खिलाड़ी देशभर में अपनी छाप छोड़ सकते हैं। मंगलवार जीटी रोड स्थित होटल प्रिस्टीन में हुई पत्रकार वार्ता में मेरठ टीम की जर्सी लांच में उन्होंने कहा कि आइपीएल और देश के लिए खेलना चुनौतीपूर्ण होता है।

आइपीएल में पांच छक्के मारने के बारे में नहीं सोचा था। मैच की परिस्थितियों के हिसाब से ऐसा हुआ। अंतिम दो गेंद पर दस रन की जरूरत के बाद छक्का मारने का प्रयास किया था। रिंकू ने कहा कि भारतीय टीम की जर्सी पहनकर मां का सपना पूरा किया है।

हर प्रारूप के लिए तैयार, मेरठ की कप्तानी से किया इन्कार

रिंकू ने कहा कि वे रणजी के बाद आइपीएल और भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। अब वे हर प्रारूप में खेलने के लिए तैयारी कर रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में खेलना सपना है। जिसे पूरा करना चाहता हूं। जर्सी लांच में टीम प्रबंधन की ओर से रिंकू को कप्तानी सौंपी गई। जिसे रिंकू ने नकारते हुए अभी सिर्फ खेल पर ध्यान देने की बात कही। जिसके बाद माधव कौशिक को मेरठ टीम का कप्तान बनाया गया।

गांजे की गंध से परेशान हुई महिला खिलाड़ी

4-1 की बढ़त के बाद गंवाया मैच, बोलीं- इसका कुछ नहीं कर सकते

नई दिल्ली।
यूनान की आठवीं वरीय मारिया सकारी को यूएस ओपन के पहले दौर में गांजे की गंध से परेशान होना पड़ा। हालांकि वह यह पहले दौर का मुकाबला हार गईं। मैच के दौरान वह चेयर अंपायर की ओर से आ रही गंध का जिक्र करने से पहले मुकाबले पर 4-1की बढ़त से नियंत्रण बनाए थी। इसके बाद सकारी ने कहा, 'यह गंध, मुझे लगता है कि यह पार्क से आ रही है। आप इसके बारे में नहीं सोचते क्योंकि आप सिर्फ मैच जीतना चाहते हो। मुझे गांजे की गंध आई।

निक किर्गियोस ने भी पिछले साल मैच के दौरान गांजे की गंध की शिकायत की थी और उन्होंने कहा था कि उन्हें अस्थमा है और यह गंध उन्हें अच्छी नहीं लग रही। सकारी ने कहा, 'कभी कभार खाने की खुशबू आती है, कभी सिगरेट की और कभी घास तो कभी गांजे की गंध। यह आपके हाथ में नहीं है क्योंकि आप खुली जगह में हो। इसके पीछे पार्क है और वहां लोग कुछ भी कर सकते हैं।

कोको ने दूसरे दौर में पहुंचीं

अमेरिका की युवा टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने यूएस ओपन के पहले दौर में जर्मनी की क्वालिफायर सीजमंद को तीन सेट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। छठी वरीय गॉफ विंबलडन में शुरुआती दौर में ही बाहर हो गई थीं। अब 19 साल की इस खिलाड़ी यह पिछले 13 मैचों में यह 12वीं जीत है। मारिया सकारी को रेबेका मासारोवा के खिलाफ उलटफेर का शिकार होना पड़ा। मासारोवा ने सकारी को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी।

वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में मीराबाई चानू वेट नहीं उठाएगी : एशियाड मेडल पर फोकस, पेरिस ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए इवेंट में हिस्सा लेना जरूरी

नई दिल्ली ।
भारत के टॉप वेटलिफ्टर मीराबाई चानू चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी, लेकिन वेट नहीं उठाएगी। इसका मुख्य कारण आगामी चीन में होने वाले एशियन गेम्स हैं। दरअसल, वर्ल्ड चैंपियनशिप 4 सितंबर से रियाद में होनी है, जबकि एशियन गेम्स 20 दिन से भी कम समय बाद 23 सितंबर को चीन के हांगझू में शुरू होंगे। दोनों टूर्नामेंट के बीच कम समय होने के कारण एथलीट के लिए हिस्सा लेना मुश्किल हो जाता है। चैंपियनशिप में चानू सिर्फ टूर्नामेंट में कराएंगी और सिर्फ अपना बॉडी वेट देंगी। चानू का वर्ल्ड चैंपियनशिप में जाना होगा, क्योंकि ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए एथलीट को यह टूर्नामेंट खेलना जरूरी है।

चानू के कोच ने कहा - हमारा लक्ष्य एशियाड में 90 का आंकड़ा टच करना

चानू के हेड कोच विजय शर्मा ने कहा कि, एशियन गेम्स में और वर्ल्ड चैंपियनशिप के बीच बहुत कम समय है। चूंकि वर्लड चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य है, इसलिए हमने फैसला किया है कि मीराबाई चानू केवल रियाद जाएंगी और वेट देंगी। कोच ने आगे कहा कि, हमारा लक्ष्य एशियन गेम्स में 90 किग्रा (स्नैच) का आंकड़ा पार करना है। काफी समय हो गया है जब से हम 90 के मार्क को पार नहीं कर सके है। स्नैच इवेंट पर हमारी नजर है। अगर जरूरी हुआ तो वह डोप टेस्ट देने जैसे सभी जरूरी प्रोटोकॉल पूरे करेंगी। लेकिन वह कोई वेट नहीं उठाएगी। वह केवल भाग लेने के लिए वहां जा रही हैं। चानू क्लीन एंड जर्क में सबसे आगे हैं लेकिन उनका स्नैच में प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। चानू का स्नैच में पर्सनल बेस्ट 88 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा है, जो वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। टोक्यो ओलंपिक के सिल्वर मेडल विनर चानू, 49 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लेती है। हालांकि वर्ल्ड चैंपियनशिप में केवल 60 किग्रा कैटेगरी में वेट दर्ज किया है। उसके आधार पर उसे प्रतियोगिता के ग्रुप डी में रखा गया है। सबसे ज्यादा एंट्री वेट दर्ज करने वाले एथलीट को ग्रुप ए में रखा जाता है, उसके बाद बी और इसी तरह आगे रखा जाता है। 2017 में चानू वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड और 2022 में सिल्वर मेडल जीत चुकी है। यह टूर्नामेंट चानू के लिए बड़ा नहीं है, लेकिन 2024 ओलंपिक क्वालिफिकेशन रूल के मुताबिक 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप और 2024 वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड कप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इस साल की वर्ल्ड चैंपियनशिप और 2024 वर्ल्ड कप के अलावा, चानू को तीन और टूर्नामेंट में भी भाग लेना होगा। इसमें 2023 कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप, 2023 ग्रैंड प्रिक्स 1×2 और 2024 कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप शामिल है।

क्वालिफिकेशन पीरियड के बाद इंटरनेशनल वेटलिफ्टिंग फेडरेशन ओलिंपिक क्वालिफिकेशन रैंकिंग के आधार पर लिस्ट जारी करेगा।

इंटरनेशनल रेसलर रौनक ने सुसाइड की कोशिश की

हाथ की नस काटी, बोली- तिहाड़ जेल के जेलर से मैंने ठगी नहीं की, मुझे बदनाम किया

हिसार।
इंटरनेशनल रेसलर रौनक गुलिया और उसके पति अंकित गुलिया के खिलाफ दिल्ली की तिहाड़ जेल के जेलर दीपक शर्मा ने ठगी का केस दर्ज करवाया है। इससे परेशान होकर रौनक गुलिया ने हिसार में अपने घर पर सुसाइड करने का प्रयास किया। उन्होंने अपने हाथ की नस काट ली। नस काटने से पहले उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें कि उसने खुद को बेकसूर बताया। हालांकि उसकी वीडियो उसके कोच ने देख ली, जिसके बाद उसे निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। दूसरी ओर हिसार पुलिस ने रौनक के बयान दर्ज करके अपनी जांच शुरू कर दी है।

51 लाख ठगने के आरोप गलत - रौनक ने इंस्टाग्राम पर अपनी वीडियो शेयर करते हुए कहा कि यह मेरी लास्ट वीडियो है। उसके खिलाफ एक न्यूज चल रही है। जेलर मेरे नाम से वायरल कर रहा है कि 51 लाख रुपए ठग लिए। जबकि उस तारीख को मैं आउट ऑफ इंडिया थी। जिस कंपनी को बंद हुए साल भर से हुआ, उस कंपनी का नाम ले रहा है। मैं फरार नहीं हूं। मैं तो ट्रायल दे रही हूं।

मेरे खिलाफ कोई भी प्रूफ है तो गिरफ्तार कर लो - अंकित के साथ उसका सट्टेबाजी और शराब का काम था। मैंने कुछ किया नहीं। अब बर्दाश्त से बाहर है। मेरे खिलाफ कोई भी प्रूफ है तो मुझे गिरफ्तार कर लिया जाए। मेरा नाम इस आदमी ने खराब कर लिया। यह ऊंचे पद पर है, उसकी सुनी जाएगी। इसे खुद को सच्चाई पता है। मैं ठग होती तो पहलवानी करती क्या। तिहाड़ जेल के जेलर हो तो आप कुछ भी बोल देंगे।

अंकित के साथ हुई थी लव मैरिज - रौनक ने हिसार पुलिस को बयान दिया कि 2016 में अंकित गुलिया निवासी बादली झज्जर के साथ उसन लव मैरिज की थी। इस शादी से कोई बच्चा नहीं है। दो साल पहले इंडिया अल्टीमेट वारियर शो के दौरान उसकी जान पहचान दिल्ली की तिहाड़ जेल के जेलर दीपक शर्मा के साथ हुई थी। मैं भी इंडिया अल्टीमेट वारियर शो में मुंबई गई थी। उस समय दीपक शर्मा जेलर भी वहां पर आया हुआ। हम दोनों की आपस में जान पहचान हो गई।

दोनों सट्टेबाजी और शराब सप्लाई का काम करते - करीब डेढ़ साल बाद मेरे पति अंकित गुलिया व दीपक शर्मा की जान पहचान हो गई। गुरुग्राम में न्यू ट्रिशन ब्रांड में दीपक शर्मा को एड करते हुए 25 हजार रुपए का कंपनी ने ऑफर दिया। लेकिन उसने यह बोलकर मना कर दिया कि उसका किसी ओर ब्रांड के साथ टाइप अप है। उसके बाद मेरे पति व दीपक शर्मा की आपस में गहरी दोस्ती हो गई। इसी दौरान मेरा पति व दीपक शर्मा मिलकर सट्टेबाजी और शराब सप्लाई का काम करने लगे। जिसकी जानकारी उसे अप्रैल 2023 में मिली। उस दौरान वह बेलारुस में ट्रेनिंग कर रही थी।

करियर खत्म करने की धमकी दी - उसके बाद दीपक के मेरे पास फोन आने लगे और मेरे पति अंकित के बारे में पूछने लगे। उसके बाद उसके पति ने उसके बारे बताया। इसके बाद से वह और उसका पति अलग अलग रहने लग गए। दीपक जेलर ने उसे फोन पर धमकी देनी शुरू कर दी कि तेरे पति अंकित के पैसे तुझे देने पड़ेंगे। जेलर दीपक शर्मा कभी उसे पुलिस द्वारा, कभी गुंडों द्वारा धमकी देने लगा कि तेरा करियर खत्म कर दूंगा। अब मुझे सोशल मीडिया से पता चला कि दीपक जेलर ने मेरे खिलाफ दिल्ली में मुकदमा दर्ज करवाया है। दीपक शर्मा ने बिना जांच के मुझे ठग घोषित करवा दिया। एक खिलाड़ी अपने नाम के लिए जीता है। दीपक ने मेरा नाम बदनाम कर दिया। इसकी कारण मैने अपनी नस काटी और जिंदगी खत्म करने की सोची। दिल्ली के तिहाड़ जेल के जेलर दीपक शर्मा ने पहलवान रौनक गुलिया और उसके पति अंकित गुलिया पर 51 लाख रुपए की ठगी करने का मामला दर्ज करवाया है। दोनों पर आरोप हैं कि हेल्थ सप्लीमेंट के कारोबार में निवेश पर मुनाफा होने व सप्लीमेंट का ब्रांड एंबेसडर बनाने का झांसा देकर जेलर के साथ ठगी की।

बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हे कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है। अगर आपको कंधे पर बैग कैरी करना अच्छा लगता है, तो आप उन महिलाओं में से एक है जो काम और फैमिली दोनों को एक साथ हैंडल करके चलती हैं और जो काफी व्यस्त रहती हैं। आप दिखावे में यकीन नहीं करती हैं और आप काफी प्रैक्टिकल इंसान हैं। आप फैशन से ज्यादा अपने काम पर फोकस करना पसंद है। अगर आप अपना बैग हाथ में पकड़ती है, तो आपको ऐश-ओ-आराम की लाइफ पसंद है। आपको महंगे लेकिन छोटे क्लचेज कैरी करना काफी अच्छा लगता है। अगर आप बैग को बांह के नीचे दबाकर रखती हैं तो आप उन महिलाओं में से हैं, जो लोगों से आसानी से घुलती-मिलती नहीं हैं और उनसे दूरी बनाकर रखती हैं।

आकर्षक चेहरे को देखने से तेज होती है याददाश्त

अगर आप अपनी याददाश्त बढ़ाना चाहते है तो इसके लिए शोधकर्ताओं ने बेहद आसान और अनोखा तरीका खोजा है। विपरीत लिंग के आकर्षक व्यक्ति की ओर लगातार देखने से स्मरण शक्ति बढ़ सकती है विशेषकर पुरुषों की। अमेरिकी पत्रिका पैसिफिक स्टैण्डर्ड में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार अपने से विपरीत लिंग के व्यक्ति की ओर देखने से याददाश्त तेज होती है। शोधकर्ताओं ने इसका पता लगाने के लिए दो शोध किए जिसमें पुरुषों को एक आकर्षक और एक साधारण महिला की तस्वीरें दिखाई गई। आकर्षक तस्वीर की ओर देखने वाले पुरुषों की याददाश्त साधारण महिला की तस्वीर देखने वालों की तुलना में बेहतर दिखी। पहले प्रयोग में मनोविज्ञान के 58 छात्रों को विपरीत लिंग के 10 चेहरों को सात सेकंड तक दिखाते हुए एक कहानी सुनाई गई। इन चेहरों में बेहद आकर्षक और साधारण महिलाओं की तस्वीरें शामिल थी। बाद में पाया गया कि सुंदर चेहरों को देखने वाले पुरुषों को कहानी अच्छे तरीके से याद रही।

हल्के लहंगे चलन में...

जब हम किसी फ्रैंड या किसी रिश्तेदार की पार्टी में जानें के लिए शॉपिंग करते हैं तो हम सोचते है कि ऐसी कौन सी ड्रैस पहनी जाएं जिसमें हम कूल और स्टाइलिश भी लगें तो ऐसे में हमारे मन में सबसे पहला ख्याल लहंगे का आता है, लेकिन आजकल हल्के लहंगे चलन में बहुत हैं। यहां तक की ब्राइडल लुक के लिए यह लहंगे फैशन में बने हुए है। इन लहंगों को आप भारी एम्ब्रॉयडरी की हुई चोली या ब्लाउज के साथ मैच कर पहन सकती हैं। सबसे बड़ी बात कि हल्के लहंगों के साथ आपको जूलरी मैच करने में भी ज्यादा सोचना नहीं पड़ता क्योंकि इस पर कोई भी ज्यूलरी मैच कर जाती है। अगर आप भी किसी फंक्शन के लिए ड्रैस चुन रही है तो आप हल्के लहंगों को चुन सकती है।

ऐसे पाएं लंबी पलकें...

बॉलीवुड अदाकाराओं जैसी लंबी पलकें आप भी पा सकती हैं। पेट्रोलियम जैली जैसे वैसलीन को पलकों पर अप्लाई करने से पलकें और तेजी से बढ़ने लगेंगी। इस घरेलू नुस्खे से आपकी पलकें थिकर और स्ट्रॉन्ग भी हो जाएंगी। आपको हर तीन महीने में अपनी पलकें ट्रिम करनी चाहिए, लेकिन इसके सिर्फ एक छोटे से पार्ट को ही ट्रिम करें। पलकें ट्रिम करने से ये और तेजी से बढ़ने लगेंगी। जैतून का तेल पलकों को विकसित करने के लिए काफी पुराना नुस्खा है। सोने से पहले अपनी पलकों के आसपास एक रुई की मदद से जैतून का तेल लगा लें। पूरी रात जैतून के तेल में मौजूद आवश्यक विटामिन पलकों मे समा जाएंगे।

पियर्सिंग के खतरों को जानें...

स्टाइलिश दिखने और खुद को अप टू डेट रखने के लिए लोग बॉडी में कहीं न कहीं पियर्सिंग करवा रहे हैं। पियर्सिंग एक पारंपरिक तरीका है जिसमें शरीर पर किसी भी जगह पर त्वचा में छेद कर ज्वेलरी पहनने लायक बनाया जाता है। इयरलोब और नाक की पियर्सिंग बहुत कॉमन है जबकि दूसरे हिस्से जैसे आईब्रो, होंठ, जीभ और अन्य अनेक हिस्सों की पियर्सिंग कराने का चलन इन दिनों बना हुआ है। किसी अन्य बॉडी मॉडिफिकेशन प्रोसेस की तरह ही पियर्सिंग के साथ भी कुछ जोखिम जुड़े हुए हैं और इससे कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

जिस तरह स्टाइलिश कपड़ों के साथ अच्छे फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह शरीर या होंठ में कौन सी एक्सेसरीज वियर करनी चाहिए, इसके चलते पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। फैशन के लिए पियर्सिंग कराना बहुत अच्छा है लेकिन यह कराने से पहले जरा सावधानियां भी बरतें। जेवर पहनने के लिए कान नाक में छेद करवाने का चलन दुनियाभर में सदियों से रहा है, लेकिन अब फैशन के चलते नाभि से लेकर शरीर के विभिन्न हिस्सों को छिदवाने का चलन है, जबकि इस दौरान घाव या संक्रमण होने पर लेने के देने पड़ सकते हैं और लंबे समय तक इलाज कराने की नौबत आ सकती है। ज्यादातर मामलों में पियर्सिंग को बिना किसी एनेस्थेसिया के पियर्सिंग गन या स्टैंडर्ड नीडिल से किया जाता है। अगर साफ सफाई का ध्यान रखते हुए संक्रमण रहित सुई से पियर्सिंग की जाए तो कोई समस्या नहीं होती वर्ना संक्रमण हो जाता है। सुई संक्रमण रहित न हुई तो हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी से लेकर सिफिलिस और एचआईवी जैसी संक्रामक बीमारियों का संक्रमण हो सकता है और रक्त में संक्रमण से सेप्सिस भी हो सकता है। कई महिलाएं कान के बाहरी हिस्से में कई छेद करवाती हैं। ऐसा होने पर कानों को आकार देने वाली कार्टिलेज में भी छेद किया जाता है और इसमें घाव बन सकता है। ऐसे घाव को भरने में बहुत समय लगता है और संक्रमण की भी आशंका होती है।

घाव भरने में देरी

इन दिनों मुंह, जीभ, नाक, भौंह, नाभि आदि में छेद करवाने का चलन है। हर स्थान का घाव भरने में समय लगता है और इसके लिए सावधानी भी बेहद जरूरी है। लेकिन कुछ स्थानों पर पियर्सिंग करवाने पर खास ध्यान देना पड़ता है। मुंह और नाभि में छेद करवाने पर अगर सावधानी नहीं बरती गई तो संक्रमण की आशंका बहुत होती है। नाभि में अक्सर कपड़ों की रगड़ लगने की वजह से घाव भरने में बहुत समय लगता है। जिस जगह छेद करवाया गया हो, जरूरी नहीं है कि उस छेद में हर तरह की धातु के गहने पहने जा सकें। कुछ धातुओं से शरीर की त्वचा को एलर्जी होती है और यह भी नुकसानदेह हो सकता है। कुछ धातुओं से शरीर के किसी भाग की त्वचा में समस्या हो सकती है और किसी भाग में नहीं। अक्सर कहा जाता है कि मधुमेह के रोगियों के घाव भरने में बहुत मुश्किल होती है। लेकिन न्यूमोनिया से लेकर ल्यूपस तक कई बीमारियां ऐसी हैं जिनकी वजह से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और इसका पता भी नहीं चल पाता। ऐसे में यदि पियर्सिंग हो तो संक्रमण की आशंका अधिक होती है। अगर घाव बन गया तो उसके ठीक होने के बाद भी उसका निशान लंबे समय तक रह सकता है।

टंग पियर्सिंग

जिस तरह अच्छे कपड़ों के साथ अच्छे सैंडल और फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह होंठ या शरीर में कौन सी एक्सेसरीज इस्तेमाल करनी चाहिए। इसके लिए बॉडी पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। जीभ की पियर्सिंग कराना फैशन स्टेटमेंट बन चुका है। जीभ छिदवाकर स्टड्स पहनना या फिर छोटी सी बाली पहनना उनके लिए खुद को स्टाइलिश साबित करने का एक तरीका है। लेकिन एक नए शोध के अनुसार यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे दांतों से जुड़ी कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जीभ की पियरसिंग कराने से मसूड़ों पर चोट लगती है और हड्डी के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। पियरसिंग कराने वालों में आगे चलकर नर्वस-सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं भी घर कर जाती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि जीभ की पियर्सिंग के कारण आप दिनभर अपनी जीभ को मुंह में ही इधर-उधर करते रहते हैं। इसकी वजह से मसूड़ों में इन्फेक्शन हो सकता है। इसके चलते बोन-लॉस का खतरा भी हो सकता है। पियर्सिंग टूटकर मुंह से पेट में जा सकती है या फिर किसी नाल में फंस सकती है।

बेली पियर्सिंग

आजकल के फैशन के दौर में अधिकतर युवतियां बेली पियर्सिंग कराना चाहती हैं। नाभि में पियर्सिंग कराना वैसे तो काफी दर्द भरा होता है लेकिन अधिकतर जगहों पर इसे करने से पहले उस स्थान को सुन्न किया जाता है। फिर भी जहां पियर्सिंग कराने जा रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें, हो सके तो अपने दोस्तों और नेट का सहारा लेकर सही जगह का पता लगाएं। पीयर्सिंग का एक मतलब कई गंभीर बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शंस को भी दावत देना है। नाभि और जुबान पर होने वाली पीयर्सिंग से हेपेटाइटिस के संक्रमण होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। यही नहीं जो लोग डाइबिटीज या अन्य स्किन इन्फेक्शंस से पीड़ित होते हैं वे इस तकनीक की वजह से गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। वहीं बुखार, पेट दर्द आदि जैसे संक्रमण होने का भी बहुत खतरा होता है। नाभि की पीयर्सिंग के बाद त्वचा अक्सर ठीक होने में थोड़ा ज्यादा समय लेती है ऐसे में उसके पूरी तरह ठीक होने तक हाइजीन का पूरा खयाल रखना बहुत जरूरी है।

नोज पियर्सिंग

नाक में पियर्सिंग तो आम है लेकिन यदि यह ठीक से न हो तो इसकी वजह से टिश्यूस क्षतिग्रस्त हो सकते हैं जिससे केलॉइड स्कार होने की आशंका भी हो सकती है। ठीक ऐसे ही स्कार होठों और कान की पीयर्सिंग के कारण भी हो सकते हैं। प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा न करवाए जाने पर किसी भी तरह की ब्लीडिंग या हेमरेज का कारण भी बन सकती है पियर्सिंग। हृदय रोग की फैमिली हिस्ट्री वाले लोगों के लिहाज से विशेषतौर पर पियर्सिंग गंभीर स्थितियां पैदा कर सकती है।

लिप पियर्सिंग

एकदम हटके लुक पाने के लिए इन दिनों लिप पियर्सिंग का चलन भी बढ़ा है लेकिन आपको बता दें कि लिप पियर्सिंग करवाने में सबसे ज्यादा दर्द होता है और साथ ही ये नार्मल होने भी टाइम लेता है। चूंकि धातुएं आम तौर पर त्वचा के संपर्क में आने पर डरमेटाईटिस यानी त्वचा की सूजन को बढ़ाती हैं, कुछ लोगों को गहनों से एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं। इन रिएक्शन्स में सांस लेने में समस्या हो सकती है, छेदन किये गए स्थान पर रेशेज और सूजन आ सकती है। कभी कभी गंभीर होने पर अस्पताल में भी एडमिट होना पड़ सकता है।

चिन पियर्सिंग

इन दिनों चिन पर डबल व सिंगल पियर्सिंग ट्राई किए जा रहे हैं। इसमें स्टोन लगाए जा रहे हैं। वैसे मेटल स्टड्स भी ट्रेंड में हैं। गलत तरीके से छेदने पर कोई तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो सकती है जिससे कि छेद किए जाने वाला और इसके आसपास का स्थान हमेशा के लिए मृत हो सकता है। खासकर जब इसे किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया गया हो। कभी कभी जब छेदन किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया जाता है या छेदने वाला स्थान गलत हो तो सुई किसी नस को छेदकर उसे क्षतिग्रस्त कर सकती है अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है और शरीर में खून की कमी हो सकती है।

आइब्रो पियर्सिंग

इन दिनों आइब्रो पियर्सिंग खूब चल रही है लेकिन पियर्सिंग के घाव को भरने में 2 से 12 महीने का समय लगता है, इसलिए आइब्रो पियर्सिंग बहुत सावधानी से करवाएं। आइब्रो पियर्सिंग में केलोइड्स हो जाए तो सुंदरता को बिगाड़ सकता है। केलोइड्स छेदन किये गए स्थान पर सख्त गांठें या उतकों की अतिरिक्त वृद्धि होते हैं जो बाहर निकले हुए होते हैं और बहुत बदसूरत दिखाई देते हैं। जब भी केलोइड्स के उपचार की बात आती है तो इसकी रोकथाम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी प्रकार का उपचार इन्हें पूरी तरह से नहीं हटा सकता या उपचार पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता।

फिंगर पियर्सिंग

इन दिनों सबसे ज्यादा डिमांड में है फिंगर पियर्सिंग। यह देखने में बहुत खूबसूरत लगते हैं और आप अपने हाथ की किसी भी उंगली पर डबल पियर्सिंग करवा सकते हैं। इसमें नग लगवा सकते हैं, लेकिन यह बात जरूर ध्यान रखें कि शरीर को छेदने पर होने वाला सबसे आम खतरा है संक्रमण। यदि तुरंत उपचार नहीं किया गया तो इससे दाग पड़ सकता है और खून में भी संक्रमण हो सकता है। ध्यान न दिए जाने पर यह आपके ऊपर एक भद्दा दाग छोड़कर आपको बदसूरत बना सकता है।

लोअर वियर्स के नए फैशन...

महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होते या किसी पार्टी में जाने से पहले के समय में अक्सर यह सही सोची हैं कि क्या क्या पहने? जिससे वे भीड़ में सबसे अलग दिख सके। तो आइए आज हम आपको इस सीजन फैशन की रेस में सबसे आगे चल रहे लोअर वियर्स के बारे में बताते हैं।

प्लीटेड बैगी पैंट

इस तरह के पैंट फॉर्मल वियर के रूप में काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इन ट्राउजर्स के ऊपरी हिस्से में प्लीट्स होती हैं और ये निचले हिस्से में फिटेड होते हैं। ग्रे, पीच और ऑफ व्हाइट जैसे रंगों के प्लीटेड बैगी ट्राउजर सबसे ज्यादा चलन में हैं। एक अन्य प्रकार के प्लीटेड बैगी ट्राउजर्स ऊपर से नीचे तक ढीले होते हैं। इन्हें कैजुअल परिधानों के रूप में पहना जाता है। इन्हें आप चाइनीज कॉलर वाली शर्ट, कफ वाली हाफ स्लीव शर्ट या पिनस्ट्राइप्स प्रिंट वाली शर्ट के साथ पहन सकती हैं।

क्यूलॉट्स

ऑफिस वियर्स के रूप में आजकल क्यूलॉट्स सबसे ज्यादा पसंद की जा रही पैंट हैं। ये सीधी और चौड़ी दोनों कट्स में आती हैं। आजकल साइड से कट लगी क्यूलॉट्स भी चलन में हैं। इन्हें बनारसी कुर्ते, असिमिट्रिकल टॉप, घुटनों तक लंबे टॉप या फॉर्मल टॉप के साथ पहना जा सकता है।

पलाजो

ढीला-ढाला पलाजो इन दिनों मेट्रो शहरों से लेकर छोटे शहरों तक की महिलाओं की पहली पसंद बना हुआ है। इसने अधिकांश वॉर्डरोब में चूड़ीदार पैजामे और सलवार की जगह ले ली है। इन दिनों लिनन, होजरी, जॉर्जट से बने पलाजो चलन में हैं। इन्हें पहन कर वेस्टर्न और एथनिक दोनों तरह के लुक पाए जा सकते हैं। इन्हें लॉन्ग कुर्ते, श्रग, क्रोशिया टॉप, जैकेट, अचकन स्टाइल के बटन डाउन टॉप के साथ पहना जा सकता है।

मिडी स्कर्ट

लायक्रा, जॉर्जेट या नियोप्रीन जैसे फैब्रिक्स से बनी मिडी स्कर्ट्स इन दिनों काफी चलन में हैं। किसी पार्टी में या दोस्तों के साथ मूवी देखने जाते समय इन्हें पहना जा सकता है। कॉकटेल पार्टी में भी इन्हें पहन कर बेहतरीन लुक पाया जा सकता है। बिना बाजू या आधी बाजू वाले टॉप और क्रॉप टॉप के साथ ये स्कर्ट्स कमाल लगती हैं।

बलून स्कर्ट

फूले हुए फैब्रिक से बनी इस तरह की स्कर्ट ब्रिटिश लुक देती है। आमतौर पर ये स्कर्ट नियोप्रीन, नेट आदि फैब्रिक से बनी होती हैं। यह स्पैगेटी, स्लीवलेस, लेयर्ड और क्रॉप टॉप के साथ अच्छी लगती है।

महलों की शाही दुनिया...

मैसूर पैलेस

आज हम आपको बताएंगे किसी जमाने में बादशाहों के शाही निवास और आज दुनिया के प्रसिद्ध स्मारक बन चुके महलों के बारे में। सैकड़ों साल पहले बसे इन महलों की दिलचस्प बात है कि इनमें इंडिया का मैसूर पैलेस भी है, जिसकी खूबसूरती के चर्चे दुनिया भर में हैं।

मैसूर पैलेस, भारत

इसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है। यह दक्षिण भारत के मैसूर शहर में स्थित है। इसमें दो दरबार हॉल्स हैं। भारत में ताज महल के बाद टूरिस्ट्स के लिए मैसूर पैलेस आकर्षण का केंद्र है। इसे देखने के लिए हर साल यहां करीब 27 लाख टूरिस्ट्स आते हैं।

पैना नेशनल पैलेस, पुर्तगाल

इस महल का निर्माण 1840 में शुरू होकर 1885 में खत्म हुआ। इसी साल इसे बनाने वाले राजा फर्डिनेंड द्वितीय की मृत्यु हो गई। यह महल लिस्बन में भूकंप से क्षतिग्रस्त एक मठ पर बना है। यह एक राष्ट्रीय स्मारक है और यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित हुआ है।

स्कॉनब्रून पैलेस, वियना

70 के दशक से यह महल वियना में आकर्षण का केंद्र है। इसमें 1441 शाही और आलीशान कमरे हैं। इस महल को सम्राट लियोपोल्ड-प्रथम के अनुरोध पर 1696 और 1712 के बीच बनाया गया था। यहां प्रिवी गार्डन, दुनिया का सबसे पुराना चिड़ियाघर, भूलभुलैया और पहाड़ की 60 मीटर ऊंची चोटी पर संगमरमर का एक कुंज भी है।

समर पैलेस, चीन

बीजिंग स्थित इस महल में बनी कुनमिंग लेक आकर्षण का केंद्र है। यह महल 2.9 स्क्वॉयर किलोमीटर के एरिया को कवर करता है। इसका तीन तिहाई हिस्सा पानी से भरा हुआ है। यह जगह चीन के साम्राज्यवादी शासकों द्वारा एक ग्रीष्मकालीन आवास के रूप में इस्तेमाल की गई थी।

पैलेस ऑफ वर्सेल्स, फ्रांस

यह महल फ्रांस में है। इसे 1624 में लुई तेरहवें द्वारा बनाया गया। महल के अंदर एक मीटर ऊंचा और आधा टन का एक झूमर लगाया गया है। यह झूमर स्वारोस्की क्रिस्टल से सजा है। स्टील से बने ढांचे में इसे लगाया गया है। इसके साथ ही इसमें एक लीड लाइटिंग सिस्टम भी है।

शैटा दे चमबोर्ड, फ्रांस

यह शाही महल भी फ्रांस में है। यह अपनी भव्य वास्तुकला के लिए दुनिया में पहचाना जाता है। यह इमारत राजा फ्रेंकोइस द्वारा बनाई गई थी। इस महल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है। इस महल से प्रेरणा लेकर यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में फाउंडर्स बिल्डिंग बनी।

बकिंघम पैलेस, लंदन

बकिंघम हाउस वेस्टमिंस्टर के शहर में स्थित है। यहां शाही दावतें होती हैं और यह ब्रिटिश सम्राट का प्रमुख कार्यस्थल और निवास भी है। जब भी टूरिस्ट्स लंदन आते हैं, इस पैलेस को जरूर देखकर जाते हैं। हर साल ज्यादातर अगस्त और सितंबर में महल के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक तौर पर खोला जाता है।

अलहम्ब्रा, स्पेन

स्पेन में स्थित अलहम्ब्रा एक पैलेस और किला है। इसका निर्माण 889 में हुआ था और इसे एक किले के रूप में बनाया गया था। बाद में 1333 में ग्रेनेडा के सुल्तान यूसुफ प्रथम द्वारा इसे शाही महल में परिवर्तित किया गया। 1492 में इसके कुछ भाग को ईसाई शासकों ने भी इस्तेमाल किया।

पोताला पैलेस, चीन

पोताला पैलेस ल्हासा, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र, चीन में स्थित है। यह मार्पोरी पहाड़ी पर बना हुआ है और ल्हासा की घाटी से 130 मीटर की ऊंचाई पर है। यह तिब्बत में सबसे बड़ी स्मारकीय संरचना है। इस पैलेस का निर्माण 1645 में पांचवें दलाई लामा के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ और 1648 में पूरा हुआ। पोताला पैलेस तब तक दलाई लामा का निवास बना रहा, जब तक कि 14वें दलाई लामा भारत नहीं आ गए।

फॉरबिडन सिटी, चीन

यह दुनिया के सबसे सुंदर शाही महलों में से एक है। इसका निर्माण 1406 से 1420 के बीच हुआ था। यह बीजिंग, चीन के मध्य में स्थित है और अब इस पैलेस में संग्रहालय भी है। लगभग 500 वर्षों के लिए यह सम्राटों और उनके परिवारों का घर रहा है। इसमें 980 भवन हैं और यह 720,000 स्क्वॉयर मीटर कवर करते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**